धनबाद, रांची एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in

रांची, गुरुवार 10 अक्टूबर 2024 ● आश्विन शुक्ल पक्ष 08, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 182

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	31.7	24.9
जमशेदपुर	34.1	24.0
डालटनगंज	32.5	24.3

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

*

झारखंड की जनता को भाजपा के पांच बड़े वचन

पंचप्रण

21 लाख झारखंडवासियों को पक्का घर, मुफ्त बालू, जल कनेक्शन

घर साकार

₹2000 प्रति माह स्नातक/ स्नातकोत्तर युवाओं को प्रोत्साहन राशि

युवा साथी

1

2

3

4

5

लक्ष्मी जोहार

सुनिश्चित रोजगार

नियुक्ति APPOINTED पत्र

₹500 में गैस सिलेंडर साल में 2 सिलेंडर मुफ्त

गोगो दीदी योजना

₹2100 हर महीने

₹25000+ हर साल

सभी महिलाओं को

2.87 लाख सरकारी रिक्त पदों पर भर्ती; 5 लाख स्वरोजगार सृजन; जॉब कैलेंडर जारी; समय पर नियुक्ति पत्र हस्तांतरण

रोटी बेटी माटी की पुकार
झारखंड में आ रही भाजपा सरकार

भारतीय जनता पार्टी-झारखंड प्रदेश

झारखंड विधानसभा: झामुमो अकेले ही चुनावी जंग में कूदा, कल्पना संग सीएम हेमंत सोरेन ने झोंकी पूरी ताकत

कांग्रेस कर रही खानापूर्ति, कहीं ले न डूबे झामुमो को

संजय सिंह। रांची

झारखंड विधानसभा चुनाव की घोषणा दशहरा बाद कभी हो सकती है. विस चुनाव को लेकर सत्तारूढ़ इंडी गंठबंधन सरकार के मुखिया हेमंत सोरेन पत्नी संग लगा रहे हैं जोर.जनहित में सरकार के स्तर पर एक से बढ़ कर योजनाओं की शुरुआत कर लोगों के बीच लगातार पकड़ मजबूत कर रहे हैं. गठबंधन में शामिल वाम दल अपने प्रभाव क्षेत्र में लगातार तैयारी में जुटे हैं और अभियान भी चला रहे हैं. वहीं दूसरी ओर सहयोगी कांग्रेस और राजद की वैसी कोई तैयारी नजर नहीं आती है. ऐसा लगता ही नहीं कि कांग्रेस चुनावी मोड आयी है. पार्टी के नेता राष्ट्रीय पार्टी का हवाला देते हुए ज्यादा से ज्यादा सीटें हथियाने के चक्कर में हैं और पार्टी के दूसरे नेता व कार्यकर्ता पार्टी का सिंबबल हथियान के लिए गेटिंग-सेटिंग में लगे हैं. चुनावी अभियान के नाम संवाद कार्यक्रम तो हुआ, प्रमंडल स्तर पर प्रदेश अध्यक्ष सहित अन्य नेताओं ने लोगों से संवाद किया, लेकिन इसमें उतना जोश-खरोश नहीं दिखा, जैसा प्रत्याशी चयन के मकसद से दिल्ली से आयी टीम के सामने नेता-कार्यकर्ताओं की धमाचौकड़ी मची थी.

टिकट के लिए दिल्ली से कश्मीर तक भागाभागी : कांग्रेस के जितने नेता टिकट के लिए दावेदारी कर रहे हैं और रांची से दिल्ली होते हुए कश्मीर तक दौड़-भाग कर रहे हैं, उतने नेता यहां फील्ड में किसी तरह की तैयारी करते नहीं दिख रहे हैं. वैसे टिकट के जितने भी दावेदार मिलते हैं, सभी यही कहते हैं फील्ड में उन्होंने ढेरे काम किया है, जनता भी जानती पहचानती है. सभी खुद को जनता से करीब बताते हैं, ऐसे में उन्हें फील्ड में अभी वैसी तैयारी की जरूरत नहीं नजर आती है. वैसे पहले गठबंधन में सीट शेयरिंग पर तो चर्चा हो जाए, कौन-कौन सी सीट पार्टी के खाते में आती है, उसके बाद ही जोर लगाया जाएगा. इंडी गठबंधन सरकार की योजनाओं का प्रचार-प्रसार कर झामुमो माइलेज ले रहा है, लेकिन कांग्रेस इसमें भी फिसड्डी साबित हो रही है. कांग्रेस न तो सरकार द्वारा किये कार्यों का श्रेय ही ले पा रही है और दमदार ढंग से चुनाव प्रचार में उतर पा रही है. वहीं दूसरी ओर झारखंड की प्रमुख विपक्षी पार्टी भाजपा तो लगातार सरकार पर निशाना साध ही रही है, लेकिन झामुमो भी निशाने पर है, लेकिन उससे भी ज्यादा भाजपा के निशाने पर कांग्रेस ही है. भाजपा तो यहां तक आरोप लगा रही है कि कांग्रेस के कारण ही झामुमो बरबाद हो गया है, लेकिन कांग्रेस के बयानवीर सिर्फ विज्ञप्ति जारी कर अपने कर्तव्यों की इतिश्री समक्ष लेते हैं.

एक से बढ़कर एक पात्र, बतौलेबाजी में आगे-आगे : कांग्रेस में सक्रिय कई नेता सिर्फ बतौलेबाजी में ही ज्यादा समय बिता देते हैं. कांग्रेस के बयानवीर को कब किस मुद्दे पर क्या बोलना है, यह भी नहीं पता होता. एक दो प्नवक्ता मुंजनी-शांति जी तो हैं, लेकिन ई दोनों लोग विज्ञप्ति या बयान जारी तो करते हैं, लेकिन लगता ही नहीं कि अपने वरीय ननेताओं से किसी मुद्दे पर बातचीत की हो या चर्चा कर बयान जारी किया हो. ये दोनों महोदय झारखंड के लोकल मुद्दों पर कम नेशनल इश्यु पर ज्यादा बकवास बयानबाजी करते हैं. झारखंड स्तर के मुद्दों पर कुछ बोल ही नहीं पाते. लेकिन ठीक इसके विपरीत झारखंड के प्रमुख विपक्षी दल के प्रवक्ता व नेता लगातार सरकार, कांग्रेस पर हमले करते रहते हैं, लेकिन बचाव में कांग्रेस के प्रवक्ता न तो कुछ बोल ही नहीं पाते और न कुछ स्पष्ट ही कर पाते है. उधर झामुमो या कांग्रेस के नेता या प्रवक्ता जैसे ही विपक्षी भाजपा पर राष्ट्रीय या झारकंड स्तर पर कोई आरोप लगाते हैं, तो विपक्षी भाजपा का मीडिया सेल और इसके प्रवक्ता तत्काल उसका जवाब देकर न सिर्फ काउंटर करते हैं, बल्कि कांग्रेस को कठघरे में खड़ा कर देते. हाल ही में कांग्रेस के ऑब्जर्बर झारखंड के अलग-अलग इलाकों का दौरा कर टिकट के दावेदारों से मिल रहे थे, लेकिन कांग्रेस के प्रवक्ता इसके बारी में सटीक जानकारी भी नहीं दे पा रहे थे. पूछने पर कहते थे- हम का करें, देखिए न वहां का एगो नेता का नंबर देते हैं, उसी से बात कर लीजिए न भैया. हमलोगों को यहां कोई कुछों फीडबैक नहीं देता है. वहीं एक प्रवक्ता तो साथे-साथे गूम रहे थे, लेकिन पार्टी की गतिविधयों को प्रचार प्रसाद कर माइलेज लेने में तनिक भी दिलचस्पी न थी. ऐसा लता था महोदय ऑब्जर्बर लोगों के साथ पिकनिक मानने निकले हो.

प्रभारी मीर का प्रचार करने और बधाई देने पहुंच गये : कांग्रेस में टिकट की दौड़ में शामिल नेताओं की तो अजब-गजब दास्तान है. झारखंड प्रदेश कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर कश्मीर के डोरू से चुनावी अखाड़े में थे. कश्मीर के कांग्रेस नेता उनके लिए प्रचार में जुटे ही थे, लेकिन झारखंड से लगभग दो दर्जन टिकट के आकांक्षी नेता उनकी नजरों में आने के लिए उनके क्षेत्र में बिन बुलाये मेहमान की तरह प्रचार करने के बहाने कश्मीर में की ठंड वादियों की सैर करने पहुंच गये थे. खैर मीर साहेब करीब 27 हजार वोटों से जीत गये, तो जो टिकट की प्रत्याशी में उनके प्रचार में गये थे, वैसे सारे नेता कॉलर उठा के घूम रहे हैं. दावा है- झारखंड के नेताओं की मेहनत ने रंग लाया. अब यहां तक तो ठीक था, लेकिन मीर साहेब की जो जीत की बधाई के लिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राजेश ठाकुर सहित कई नेता उनके पास कश्मीर पहुंच गये. ऐसे नेता झारखंड में चुनाव को लेकर जोर लगाने के बजाय प्रभारी के ईर्द-गिर्द ही मंडरा रहे हैं, जबकि विपक्षी भाजपा दिल्ली से लेकर झारखंड तक कांग्रेस पर ताबड़तोड़ हमले कर रही है.

ये देखिए...मीर को बधाई देने कश्मीर पहुंचे कमलेश व अन्य नेता

अजब कांग्रेस की गजब दास्तान

फील्ड में जमीन ही तैयार नहीं, टिकट के लिए हांफ रहे हैं...

एक-एक सीट से दर्जन-दो दर्जन नेताओं की दावेदारी सामने आयी. नेता मोटी-मोटी फाइल लिए ऑब्जर्बर के सामने प्रस्तुत होते रहे, दावा ठोंकते रहे, खुद को सबसे बेहतर बताते रहे. टिकट के दावेदारों में ऐसे कई चेहरे सामने आये, जिन्हें खुद ही उनकी पार्टी के ही दूसरे नेता-कार्यकर्ता पहचानते तक नहीं. वैसे कई ऐसे नेता भी दिखे, जो हैं तो काफी पुराने, लेकिन कांग्रेसी साथियों के लुर-लक्षण के कारण पार्टी की गतिविधियों से खुद को किनारे कर लिया है. कभी कभार किसी कार्यक्रम में दिख गए, तो बहुत है. उनको इस बात का मलाल है कि न पार्टी पहले जैसी रही और न पहले की तरह नेता-कार्यकर्ता. पार्टी में तो नेताओं का एक तबका ऐसा भी है, जो अपनी पार्टी के ही बाहर से आये नेताओं को मुर्गा बना कर काटने के चक्कर में लगा रहता है. ऐसे नेताओं को जमघट श्रद्धानंद रोड स्थित पार्टी के दफ्तर में दिख जाता है. यहां सालो भर बरामदा समिति आबादी रहती है. बतौलेबाजी, अपनी पार्टी के बड़े नेताओं की छीछालेदर तक करते रहते हैं. किसी को भी भ्रष्ट की उपाधि सेंकेंड भर में दे देते हैं.

जिसे अनुशासनहीनता के आरोप में निलंबित किया था, उसे ही सौंपी जिम्मेवारी

दो-दो मुख्य प्रवक्ता रहते हैं स्विच ऑफ

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने दो नेताओं संजय पांडेय और लालकिशोर नाथ शाहदेव को मुख्य प्रवक्ता की जिम्मेवारी सौंपी है. अब देखिए दोनों मुख्य प्रवक्ता का हाल. संजय पांडेय जी के मोाइल पर रिंग करते रहिए, उठाएंगे ही नहीं. शाहदेव साहब तो राजा साहब ही हैं, उनका मोबाइल स्विच ऑफ. एक आदरणीय राकेश सिन्हा जी भी हैं. इनका मोबाइल भी स्विच ऑफ मिला. बाद में वाट्स ऐप कॉल पर बात हो सकी. संतीश पाल मुंजनी और सोनल शांति रूटीन की विज्ञप्ति जारी कर देते हैं. इनका पार्टी के नेताओं से कोई तालमेल हीं नहीं. ऐसे चल रहा कांग्रेस का मीडिया सेल.

हाल ही में कांग्रेस ने दो मुख्य प्रवक्ता नियुक्त किए हैं. संजय पांडेय जी ने युवा कांग्रेस से राजनीति शुरू की. प्रदेश युवा कांग्रेस में जिम्मेवारी संभाली, रांची नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रहे, लेकिन उसके बाद काफी दिनों तक सक्रिय राजनीति से दूर रहे. यानि सुसुप्तावस्था में चले गये थे. लेकिन गेटिंग-सेटिंग में माहिर पांडेय अचानक अवतरित हुए और सीधे मुख्य प्रवक्ता बना दिए गए गए. उधर दूसरे मुख्य प्रवक्ता लालकिशोर नाथ शाहदेव हैं. ये उसी तीन मुड़िया कमेटी के सदस्य रहे हैं, जिन्होंने तत्कालीन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर के खिलाफ मोर्चा खोला था. इन्हें वर्तमान कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की अगुवाई वाली अनुसासन समिति ने शो-कॉज जारी किया था, लेकिन इन्होंने न जवाब दिया था और न अनुशासन समिति के समक्ष अपना पक्ष ही रखने गये थे. बाद में तीन मुड़िया फेमिली के दो अन्य सदस्यों आलोक दुबे व डॉ राजेश गुप्ता छोटू के साथ इन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया गया था. जिन्हें अनुशासन तोड़ने के आरोप में निलंबित किया गया था, अचानक मीर कृपा से उनका निलंबन वापस हुआ और शाहदेव मुख्य प्रवक्ता नियुक्त कर दिए गए. दुबे हटिया से टिकट की भी दावेदारी कर रहे हैं, जबकि राजेश गुप्ता छोटू रांची से चुनाव लड़ना चाहते हैं. शाहदेव भी हटिया से दावा ठोके हैं, लेकिन अईसेही. सीरियस नहीं हैं.

जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा: हाईकोर्ट पहुंची जनहित याचिका, परीक्षा रद्द करने की मांग

विनित आभा उपाध्याय। रांची

झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) द्वारा 21 और 22 सितंबर, 2024 को आयोजित झारखंड सामान्य स्नातक स्तरीय संयुक्त प्रतियोगिता (सीजीएल) परीक्षा को लेकर गंभीर आरोप लग रहे हैं. परीक्षा में बड़े पैमाने पर धांधली होने के आरोप में एक जनहित याचिका झारखंड उच्च न्यायालय में दायर की गई है. याचिकाकर्ता प्रकाश कुमार ने आरोप लगाया है कि परीक्षा में व्यापक धांधली हुई है और उनके पास इस बात के ठोस प्रमाण हैं. याचिका में परीक्षा को पूरी तरह से रद्द करने, सीबीआई जांच शुरू करने या फिर उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की एक समिति द्वारा मामले की जांच करने की मांग की गई है. याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में तर्क दिया है कि परीक्षा में धांधली के व्यापक प्रमाण मौजूद हैं, जिससे परीक्षा की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठते हैं.

झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएसी) द्वारा आयोजित यह महत्वपूर्ण परीक्षा राज्य के 823 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की गई थी. इसमें झारखंड और आसपास के राज्यों के लगभग तीन लाख अभ्यर्थी शामिल हुए थे. परीक्षा में किसी तरह की गड़बड़ी रोकने के लिए सरकार ने दो दिनों तक राज्य में इंटरनेट सेवाएं भी बंद रखी थीं.

हालांकि, परीक्षा के बाद से ही व्यापक धांधली के आरोप लग रहे हैं. विपक्षी राजनीतिक दलों और छात्र संगठनों ने लगातार परीक्षा में धांधली होने की शिकायत की है. इससे जुड़े कई छात्र संगठनों ने जेएसएससी कार्यालय का घेराव किया था. इसके बाद, कुछ छात्रों के खिलाफ थाने में नामजद प्राथमिकी भी दर्ज की गई है.

याचिका में उठाए गए मुख्य बिंदु

- धांधली के आरोप: याचिका में धांधली के आरोप लगाए गए हैं.
- रद्द करने की मांग: याचिका में परीक्षा को पूर्ण रूप से रद्द करने की मांग की गई है.
- निष्पक्षता पर सवाल: याचिका में परीक्षा की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं.

झारखंड के आजमीन-ए-हज को 21 तक जमा करनी है अग्रिम राशि

संवाददाता। रांची

झारखंड राज्य से हज 2025 में जाने वाले आजमीनों को 21 अक्टूबर तक हज यात्रा की अग्रिम हज राशि 1.30,300 लाख रुपये जमा करना है. राशि जमा करने के लिये हज कमेटी ऑफ इंडिया का पे-स्लिप एवं बैंक रिफरेंस नंबर का इस्तेमाल करना अनिवार्या है. यह राशि हज कमेटी ऑफ इंडिया मुंबई के खाते में जमा करना होगा. झारखंड से वर्ष 2025 में जाने वाले आजमीन ए हज से कहा गया है कि राशि जमा करने के बाद हज संबंधित दस्तावेज भी जमा करें. हज कमेटी कार्यपालक पदाधिकारी आफताब अहमद ने कहा कि हज से संबंधित दस्तावेद झारखंड राज्य हज समिति के कार्यालय में जमा किये जायेंगे. 23 अक्टूबर की संध्या 4 बजे तक दस्तावेज जमा करने हैं. आजमीन ए हज को समय का ख्याल करते हुए अपने हज संबंधित दस्तावेजों को जमा कर देना है. ताकि आगे की कार्यवाई समय के अनुसार पूरी की जा सके.

आजमीन-ए-हज को दस्तावेज में ये देना है

हज आवेदन पत्र, गंभीर घोषणा व वचनबद्धता, जमा भुगता पर्ची, ऑनलाईन रसीद की एक प्रति, मेडिकल स्क्रीनिंग एवं स्वास्थ्य प्रमाण पत्र, वेबसाइट हज कमेटी उपलब्धता प्ररूप के अनुसार पासपोर्ट की सत्यापित प्रति देना है.

तमाड़िया जाति के हैं, नौकरी पाने के लिए दिया था मुंडा जाति का प्रमाण पत्र

जेपीएससी सेकेंड बैच के अफसर को गलत जाति प्रमाण पत्र देना पड़ा महंगा, हो गए बर्खास्त

प्रमुख संवाददाता। रांची

जेपीएससी सेकेंड बैच के अफसर कानू राम नाग को गलत जाति प्रमाण पत्र देना महंगा पड़ गया है. गलत जाति प्रमाण पत्र देकर नौकरी पाने के मामले में राज्य सरकार ने कानू राम नाग को बर्खास्त कर दिया है. कार्मिक ने इसका आदेश भी जारी कर दिया है. नाग ने सेकेंड जेपीएससी में मुंडा जाति का प्रमाण पत्र देकर नौकरी हासिल की थी. जबकि वे तमाड़िया जाति से हैं. तमाड़िया अत्यंत पिछड़ा वर्ग की श्रेणी में आता है.

जाति छानबीन समिति के रिपोर्ट के कारण हुए थे निलंबन मुक्त : जाति छानबीन समिति का प्रतिवेदन में प्रतिवेदित किया गया था कि तमाड़िया को मुंडा उपजाति के रूप में होने का प्रमाण है. इस कारण कानू राम नाग तमाड़िया जाति का सदस्य होने के नाते मुंडा जनजाति की अर्हता रखते हैं. इस आधार पर कानू राम नाग को निलंबन मुक्त भी किया गया.

इसके बाद फिर हुई समीक्षा : इसके बाद सरकार ने फिर से इसकी समीक्षा की. विभागीय समीक्षा में पाया गया कि मुंडा की अनेक उपजातियों में से संविधान (अनुसूचित जनजाति) आदेश-1950 के तहत मुंडा एवं महली क्रमांक-24 एवं 22 पर अनुसूचित जनजाति के रूप में घोषित है. वर्ष 2003 में मुंडा के बाद पातर को सम्मिलित किया गया है. मुंडा की अन्य उपजातियों, जो सूची में सूचीबद्ध नहीं है, वह संविधान के अनुसार अनुसूचित जनजाति नहीं है. वहीं यह भी स्पष्ट किया गया कि सेकेंड जेपीएससी परीक्षा के अधिसूचना प्रकाशन एवं राज्य सरकार में नाग के योगदान तिथि तक तमाड़िया जाति अनुचित जनजाति के सूची में शामिल नहीं है. उनके द्वारा फर्जी तरीके से इसे मुंडा जाति के उपजाति बता कर अनुचित जनजाति का प्रमाण पत्र प्राप्त किया गया है. कानू राम नाग पलामू में उप निर्वाचन पदाधिकारी के पद पर पदस्थापित थे. कार्मिक ने इसका आदेश जारी कर दिया है.

मुख्य सचिव, ईडी, सीबीआइ सहित सभी जांच एजेंसियों को लिखा पत्र

चंद्रप्रकाश चौधरी ने पथ विभाग पर लगाया 106.69 करोड़ के टेंडर घोटाला का आरोप

प्रमुख संवाददाता। रांची

गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने पथ निर्माण विभाग में 106.69 करोड़ के टेंडर घोटाले का आरोप लगाया है. उन्होंने टेंडर में बरती गई अनियमतता की कॉपी भी उपलब्ध कराई है. इस मामले को उन्होंने मुख्य सचिव, ईडी, सीबीआई सहित सभी जांच एजेंसियों को पत्र लिखा है. मुख्य सचिव सहित जांच एजेंसियों को लिखे पत्र में कहा है कि वर्तमान में राज्य सरकार के पथ निर्माण विभाग के द्वारा आमंत्रित व आबंटित निविदाओं में अनियमितता बरती जा रही है. इससे सरकार को वित्तीय क्षति हो रही है. विभाग के पदाधिकारियों द्वारा कई निविदाओं में बीओक्यू राशि से ज़्यादा राशि पर कुछ विशेष प्रतिभागी निवेदाकारों को लाभ पहुंचाने के लिए निविदा कार्यों का निस्तारण व आवंटन किया जा रहा है. जिन निविदाकारों के पक्ष में निविदा कार्यों का आवंटन किया गया है उनमे से अधिकतर निविदाकार की न्यूनतम निविदा राशि उस निविदा कार्य के बीओक्यू राशि से अधिक है.

निविदा की भावनाओं के खिलाफ़ हुआ काम : कई निविदाकार जो पथ निर्माण विभाग के तहत समुचित श्रेणी में निबंधित है तथा निविदा आमंत्रण व एसबीडी द्वारा निर्धारित सभी शर्तो व अहर्ताओं को पूर्ण करते है और बीडिंग की प्रक्रिया में शामिल भी हुई हैं, जिनका न्यूनतम निविदित राशि आमंत्रित निविदा के बीओक्यू राशि से भी कम है, उनके पक्ष में निविदा का निस्तारण नहीं किया जा रहा है. इन निविदाकारों की निविदाओं को जान बूझ कर नॉन रेस्पोंसिव घोषित कर एवं बिना उनका पक्ष सुने निरस्त कर दिया जा रहा है.

इन कंपनियों को बीओक्यू की राशि से अधिक का मिला काम

- राजवीर कंस्ट्रक्शन प्रालि. को गोड्डा में 74 करोड़ 81 लाख का काम मिला
- जय माता दी कंस्ट्रक्शन को 30 करोड़ 90 लाख का काम मिला है
- गंगा कंस्ट्रक्शन को 134 करोड़ में काम आवंटित किया गया है
- एडी इंफ्रा को 29 करोड़ 48 लाख में काम आवंटन किया गया है
- राजवीर कंस्ट्रक्शन को दुमका में मिला 89 करोड़ 99 लाख में काम दिया गया है
- मिनी कंस्ट्रक्शन को 50 करोड़ 31 लाख में काम आवंटित किया गया है.
- ड्राइपल को जमशेदपुर में 252 करोड़ में काम आवंटित किया गया है.
- एसआरई एंड एएसएसओ को रांची में 105 करोड़ का काम आवंटित किया गया है
- स्वर्णिम कंस्ट्रक्शन को रामगढ़ में 17 करोड़ का काम आवंटित किया गया है
- पूजा हमिंग वर्ड डीसी नाम की कंपनी को लातेहार में 67 करोड़ का काम मिला है
- चित्रा कंस्ट्रक्शन को विभाग ने 15 करोड़ का काम दिया है
- एसआरई एंड एएसएसओ को रांची में 169 करोड़ का काम आवंटित किया गया है
- भारत वाणिज्य ईस्टर्न प्रा.लि. को 267 करोड़ का काम आवंटित किया गया है
- मोहनलाल जैन को दुमका में मिला 43 करोड़ का काम आवंटित किया गया है.
- वेलजी रतन सोरथिया इन्फ्रा प्रा. लि. को साहिबगंज में 41 करोड़ का काम आवंटित किया गया है
- एसआरएमवी कंस्ट्रक्शन को लोहरदगा में मिला है 68 करोड़ का काम आवंटित किया गया है.

रक्षा राज्यमंत्री के प्रस्ताव पर केंद्र सरकार की मुहर

ईएसआईसी रांची में खोलेगा मेडिकल कॉलेज

प्रमुख संवाददाता. रांची

ईएसआईसी रांची में मेडिकल कॉलेज खोलेगा. इसकी घोषणा बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय श्रम एवं नियोजन मंत्री मनसुख भाई मंडवीय ने की. बताते चलें कि संजय सेठ ने रक्षा राज्य मंत्री बनने के तुरंत बाद नई दिल्ली में इस मामले पर केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडवीय से मुलाकात की थी. इस मुलाकात के क्रम में रक्षा राज्य मंत्री ने उन्हें बताया था कि रांची में ईएसआईसी का एक अस्पताल है, जिसे बड़ा रूप दिए जाने की आवश्यकता है.

रक्षा राज्य मंत्री ने केंद्रीय मंत्री को मेडिकल कॉलेज खोलने से संबंधित प्रस्ताव पर भी विचार करने का आग्रह किया था. इसी आलोक में केंद्रीय मंत्री ने नई दिल्ली में ईएसआईसी के 194वें बैठक में कई घोषणा की है. जिसमें रांची में मेडिकल कॉलेज खोलने की घोषणा भी शामिल है.

संजय सेठ ने पीएम के प्रति आभार जताया

इस घोषणा के बाद केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार जताया है. सेठ ने कहा कि मोदी है तो सब कुछ मुमकिन है. मैंने आज से 3 महीने पहले केंद्रीय मंत्री मनसुख भाई मांडवीया को यह सुझाव दिया और अब उसका परिणाम ही सामने आ गया है. रांची में एक और मेडिकल कॉलेज खोलने से जहां मेडिकल के विद्यार्थियों को पढ़ाई लिखाई आसान हो सकेगी. उन्हें कई अत्याधुनिक सुविधा और प्रशिक्षण मिल सकेगा, वहीं इस क्षेत्र की आबादी को बेहतर स्वास्थ्य संसाधन उपलब्ध हो सकेंगे.

जांच करना सीआईडी और झारखंड पुलिस के बस की बात नहीं

ऊर्जा उत्पादन निगम की फर्जी निकासी की जांच करे ईडी: बाबूलाल

- 500 करोड़ से अधिक का हुआ है घोटाला

प्रमुख संवाददाता। रांची

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि ऊर्जा उत्पादन निगम में हुए फर्जी निकासी की जांच ईडी से कराई जानी चाहिए. उन्होंने ईडी से आग्रह किया है कि इस मामले को हाथ में लेकर तुरंत जांच शुरू करे. झारखंड ऊर्जा उत्पाद निगम लिमिटेड के खाते से 109 करोड़ रुपए की फर्जी निकासी सोची समझी साजिश और गंभीर आर्थिक अपराध है.

सुनियोजित तरीके से दिया गया भ्रष्टाचार को अंजाम : बाबूलाल ने कहा है कि बैंक कर्मियों और अधिकारियों के साथ मिल कर भ्रष्टाचारियों ने बड़े पैमाने पर बिजली विभाग में सुनियोजित तरीके से भ्रष्टाचार को अंजाम दिया है. यह झारखंड में कोई नया मामला नहीं है, इससे पहले भी मिड-डे मील योजना में ठीक इसी तरह का घोटाला सामने आ चुका है. उन्होंने ट्वीट में आगे लिखा है कि अनौपचारिक रूप से अधिकारियों से हुई बातचीत से यह पता चल रहा है कि क़रीब 500 करोड़ रुपए से अधिक की सरकारी संपत्ति का गबन किये जाने की संभावना है, जो राज्य सरकार की भ्रष्ट नीतियों और लचर प्रशासन का परिणाम है.

बैंक अधिकारी, कर्मचारी और दूसरे राज्य के लोगों की भी सांठगांठ : बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि पूरी घटना को क्रमबद्ध तरीके से देखें तो यह बात स्पष्ट होती है कि झारखंड के दूसरे विभागों में भी इस तरह की घोटाले हुए होंगे जो सामने आने बाकी हैं. इसमें बैंक अधिकारी, कर्मचारी तथा दूसरे राज्य के लोग भी मिले हुए हैं. इसलिए इसकी जांच सीआईडी या झारखंड पुलिस के बस की बात नहीं है. सीएम से कहा है कि विभाग के मंत्री होने के नाते अपनी जिम्मेदारियों से भाग नहीं सकते. इस मामले की तुरंत सीबीआई से जांच नहीं कराई गई, तो यह स्पष्ट होगा कि सरकार खुद इस घोटाले को दबाने और दोषियों को बचाने का प्रयास कर रही है. बिना विलंब किए इस मामले की जांच सीबीआई को हस्तांतरित करें, ताकि घोटाले और घोटालेबाजों के साथ इस षड्यंत्र में शामिल लोगों का खुलासा हो सके. यह भी साफ़ पता चल रहा है कि ये मनी लॉंड्रिंग का भी मामला है.

सीआइडी जांच कराने का नाटक कर रही सरकार : कुछ अधिकारियों पर केस दर्ज करा के राज्य सरकार मामले को सीआईडी जांच करने का नाटक कर रही है. हेमंत सरकार में सीआईडी जांच की विश्वसनीयता हमेशा शक- सवालों के घेरे में रही है. सीआईडी जांच करा के सरकार क्या बड़ी मछलियों को बचाने का प्रयास कर रही है. अरबों रुपए की धोखाधड़ी एवं इसके तार दूसरे राज्यों से जुड़े होने के उद्भेदन के लिए राज्य सरकार अविलंब उक्त मामले की जांच सीबीआई को सौंपे.

झामुमो कार्यकर्ता फर्जी छात्र बन सीजीएल परिणाम जारी करने की कर रहे मांग

रांची। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने झामुमो पर आरोप लगाया है. कहा है कि जेएमएम के कार्यकर्ता फर्जी छात्र बन कर जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा का परिणाम जारी करने की मांग कर रहे हैं. उन्होंने ट्वीट में लिखा है कि लगभग सात लाख अभ्यर्थियों ने जेएसएससी-सीजीएल की परीक्षा दी है. उनमें से हर कोई यही चाहता है कि पेपर लीक मामले की निष्पक्ष जांच हो. जिन छात्रों ने परीक्षा दी है, वे चाहते हैं कि परीक्षा रद्द हो. जिन्होंने कभी जेएसएससी का फॉर्म तक नहीं भरा और कभी परीक्षा नहीं दी, वे चाहते हैं कि इसका रिजल्ट घोषित हो! झामुमो कार्यकर्ता 7 लाख छात्रों को बदनाम करने का षडयंत्र कर रहे हैं. झारखंड के युवा इस साजिश का करारा जवाब देंगे.

पुलिस ने दुर्गा पूजा के दौरान सुरक्षा के लिए कर्मियों की छुट्टियां रद्द कीं

संवाददाता। रांची

झारखंड में दुर्गा पूजा पर्व को ध्यान में रखते हुए राज्य भर के सभी पुलिस कर्मियों की छुट्टियां आठ अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक रद्द कर दी हैं. यह निर्णय राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग गुप्ता के निर्देश पर लिया गया है. तीन अक्टूबर से शुरू हुए शारदीय नवरात्रि के दौरान, राज्य भर में बड़े पैमाने पर दुर्गा पूजा पंडाल लगते हैं और भारी संख्या में श्रद्धालु पूजा पंडाल देखने घरों से निकलते हैं. बढ़ती भीड़ और पूजा के दौरान होने वाली गतिविधियों को देखते हुए पुलिस मुख्यालय ने यह कदम उठाया है. इस कदम का उद्देश्य पूजा के दौरान शांति और सुरक्षा बनाए रखना है, और किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोकना है.

अवकाश की विशेष व्यवस्था : हालांकि, सभी कर्मियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं, लेकिन आपातकालीन परिस्थितियों के लिए एक विशेष व्यवस्था भी की गई है. इमरजेंसी स्थितियों से निपटने के लिए पुलिस कर्मियों को तैयार रखा जाएगा. इसमें पुलिस मुख्यालय और जिला स्तर पर तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शामिल किया गया है. विशेष परिस्थितियों में संबंधित एसपी, डीआईजी और आईजी छुट्टियां स्वीकृत कर सकते हैं. इससे यह सुनिश्चित होगा कि आपातकालीन प्रतिक्रिया तत्पर रहे.

झारखंड पुलिस दुर्गा पूजा के दौरान राज्य की सुरक्षा और शांति व्यवस्था को बेहतर ढंग से सुनिश्चित करने की पूरी कोशिश कर रही है. बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की मौजूदगी और विभिन्न गतिविधियों के कारण होने वाली संभावित चुनौतियों के मद्देनजर, यह कदम उठाया गया है.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

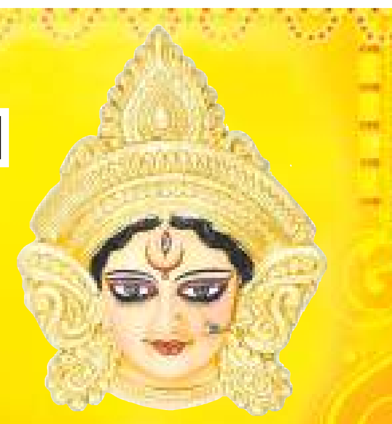

www.lagatar.in | रांची, गुरुवार 10 अक्टूबर 2024 ● आश्विन शुक्ल पक्ष 08, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 182 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

नवरात्र आठवां दिन

मां महागौरी की उपासना

श्वेते वृषे समारूढा श्वेताम्बरधरा शुचिः। महागौरी शुभं दद्यान्महादेव-प्रमोद दा॥

शंख सदृश पूर्णतः गौर वर्णवाली माता महागौरी श्वेत वृषभ पर आरूढ़ हैं, इन्हें वृषारूढा कहा गया. इनके आभूषण और वस्त्र श्वेत हैं. इन्हें श्वेतांबरा भी कहा गया. इनकी चार भुजाएं हैं, जिनमें अभय मुद्रा, त्रिशूल, डमरू और वर मुद्रा धारण करती हैं. शिव के लिए महागौरी ने कठोर तपस्या की. इससे इनका शरीर काला पड़ गया, परन्तु शिव ने इनके शरीर को गंगा जल से धोकर कान्तिमय बना दिया. इनका रूप गौरांग हो गया. इसीलिए महागौरी कहलाईं. नवरात्र के आठवें दिन इनकी पूजा का विधान है. नवरात्र के आठवें दिन भगवती दुर्गा के आठवें विग्रह के रूप में महागौरी की उपासना का विधान है. जगदंबा महागौरी अमोघ फलदायिनी हैं और इनकी पूजा से भक्तों के तमाम कल्मष धुल जाते हैं. पूर्वसंचित पाप भी नष्ट हो जाते हैं. महागौरी का पूजन-अर्चन, उपासना-आराधना कल्याणकारी है. इनकी कृपा से अलौकिक सिद्धियां भी प्राप्त होती हैं.- **डॉ. विनय कुमार पाण्डेय**

दुर्गापूजा की खुशी पर भारी पड़ी महंगाई : रिजर्व बैंक ने नहीं किया रेपो रेट में कोई बदलाव

दाल-आटे में लगी आग, होम लोन ईएमआई में कमी नहीं

एजेंसियां। मुंबई

दुर्गापूजा-दिवाली जैसे त्योहारों की खुशी पर महंगाई की मार भारी पड़ रही है. इन त्योहारों में एक तरफ रोजमर्रा के उपयोग की सभी वस्तुओं की कीमतों में भारी वृद्धि से लोग परेशान हैं, तो उधर रिजर्व बैंक ने भी लगातार दसवीं बार रेपो रेट की दरों में कोई परिवर्तन न कर यह बता दिया है कि अभी होम लोन की बढ़ी दरों से छुटकारा मिलने की कोई संभावना नहीं है. रिजर्व बैंक की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी ने यह निर्णय मिडिल ईस्ट में युद्ध जैसी स्थिति और महंगाई को ध्यान में रखते हुए लिया है.

पेट भरने में जा रहा वेतन : इस समय सब्जी-दाल से लेकर तेल-मसाले तक हर वस्तु की कीमत बहुत ऊंची बनी हुई है. आलू का नया सीजन आ गया है, लेकिन कीमतों में कोई कमी नहीं है. इसकी कीमतें अभी भी 30 से 40 रुपए किलो पर बनी हुई हैं. दाल भी 160-180 रुपए प्रति किलो पर बनी हुई है. आटा बढ़ कर 35 से 40 रुपए किलो हो गया है. यानी आम लोगों के लिए अपनी थाली में भोजन जुगाड़ भी भारी पड़ रहा. लोगों की कमाई पेट भरने में जा रही. वे बचत नहीं कर पा रहे हैं.

इस बीच, आरबीआई ने लोन लेने वालों का ध्यान में रखते हुए फ्लोटिंग रेट वाले टर्म लोन के बंद करने पर फोरक्लोजर चार्जेज पेनल्टी को खत्म कर दिया है. बैंक या एनबीएफसी लोन लेने वाले कस्टमर्स से फ्लोटिंग रेट वाले लोन को बंद करने पर पेनल्टी या क्लोजर चार्ज नहीं वसूल सकेंगे.

होम लोन से छुटकारा नहीं

बढ़ती महंगाई पर लगाम लगाने के लिए रिजर्व बैंक ने फरवरी 2023 में रेपो दरों में लगातार वृद्धि करते हुए इसे 6.50 प्रतिशत पर कर दिया था. तभी से लोगों की ईएमआई बढ़ गई है. अलग-अलग होम लोन की राशि के अनुसार लोगों को हर महीने दो हजार से दस हजार रुपए अतिरिक्त चुकाना पड़ रहा है. सभी होम लोन देने वाले बैंकों ने या तो लोगों की प्रति माह जाने वाली ईएमआई बढ़ा दी है, या उसी दर पर कर्ज की समय सीमा 20 साल से बढ़ा कर 25 या 27 साल कर दिया है. यानी अब इसी दर पर उन्हें लगभग अपने पूरे जीवन भर बैंकों की ईएमआई भरनी पड़ेगी.

महंगाई में कमी आने की संभावना नहीं

कर्जदार लोगों को महंगी ईएमआई से छुटकारा तभी मिल सकता है, जब रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया रेपो दरों में कमी करे और उपभोक्ता बैंक लोगों को ब्याज दरों में छूट दे. जिस तरह इजराइल-ईरान के संकट को देखते हुए महंगाई में कमी आने की संभावना नहीं है, माना जा रहा है कि महंगाई को कंट्रोल में रखने के लिए आरबीआई रेपो दरों को इसी तरह ऊंचा बना कर रखेगा. लेकिन इसका नुकसान आम उपभोक्ताओं को उठाना पड़ेगा.

हर तरह के वाहनों की बिक्री में बड़ी गिरावट

लगातार न्यूज नेटवर्क

फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, भारत में सितंबर महीने में ऑटोमोबाइल (कॉमर्शियल वाहन) की बिक्री में 9.26 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई है. यह गिरावट गणेश चतुर्थी और ओणम जैसे प्रमुख त्योहारों के बावजूद देखने को मिली है, जो आमतौर पर ऑटोमोबाइल की बिक्री को बढ़ावा देते हैं.

वाहनों की बिक्री में कमी की तीन वजहें बतायी जा रही है. पहली उच्च ब्याज दरें- बढ़ती ब्याज दरों के कारण वाहन खरीदना महंगा हो गया है, जिससे मांग प्रभावित हुई है. दूसरी महंगाई- बढ़ती महंगाई के कारण लोगों की आय पर दबाव बढ़ा है, जिससे लोगों की खरीद क्षमता कम हुई है. तीसरी अर्थव्यवस्था की मंदी - वैश्विक स्तर पर अर्थव्यवस्था की मंदी का भी भारत पर असर पड़ा है, जिससे कारोबार और रोजगार पर असर पड़ा है.

डीलरों पर बढ़ा दबाव : यात्री वाहन डीलरों के पास वर्तमान में 80-85 दिनों के लिए पर्याप्त स्टॉक पड़ा हुआ है, जिसका मूल्य लगभग 79,000 करोड़ रुपये है. इतने बड़े स्टॉक के कारण डीलरों पर वित्तीय दबाव बढ़ गया है. सामान्य स्थिति में स्टॉक 30 दिन तक का होना चाहिए.

सभी श्रेणियों में गिरावट

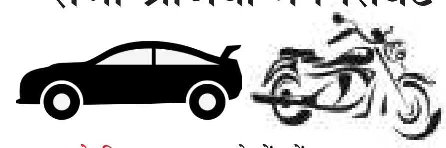

- **दोपहिया वाहन :** इस सेगमेंट में सालाना आधार पर 8.51 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है.
- **यात्री वाहन :** यात्री वाहनों की बिक्री में सबसे अधिक गिरावट देखी गई है. इस सेगमेंट में सालाना आधार पर 18.81 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई है.
- **कॉमर्शियल वाहन :** कॉमर्शियल वाहनों की बिक्री में भी 10.45 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है.

भाजपा की गोगो दीदी के जवाब में अब झामुमो सम्मान योजना

पहले 1000, फिर 2100 अब सीधे 2500 रुपये देने की तैयारी

कौशल आनंद। रांची

झारखंड में भाजपा की गोगो दीदी सम्मान योजना का जवाब झामुमो सम्मान योजना से देने की तैयारी है. भाजपा जहां हर महीने 2100 रुपए देने की बात कह रही है, वहीं अब झामुमो हर महीने 2500 रुपए देगा. झामुमो ने इसके लिए विधिवत्त रूप से फार्म छपवा कर इसे भरवाए जाने की अनुमति इलेक्शन कमीशन से मांगी है.

पार्टी के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल बुधवार को राज्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार से मिला. इस मौके पर जिलाध्यक्ष मुस्ताक आलम, हेमलाल मेहता आदि मौजूद थे. कुल मिला कर झारखंड में विधानसभा चुनाव से पहले झामुमो और भाजपा में पैसे बांटने वाली योजनाओं की होड़ लग गई है. हेमंत सरकार ने चुनाव से पहले मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का मास्टर कार्ड खेला. इस योजना के तहत 18 से 50 साल तक की महिलाओं के महीने में एक हजार और साल में 12 हजार रुपए दिये जा रहे हैं. मंईयां सम्मान योजना की सफलता को देख कर बीजेपी में खलबली मच गई. आनन-फानन में उसने दीदी गोगो योजना का दांव खेल दिया. भाजपा ने घोषणा की कि चुनाव के बाद पार्टी की सरकार आती है, तो महिलाओं को मंईयां सम्मान योजना से 1100 रुपए अधिक यानी 2100 रुपए हर महीने दिये जाएंगे. भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी समेत कई नेता कैंप लगा कर महिलाओं से इस योजना का फॉर्म भी भरवा रहे हैं. अब वापस झामुमो भाजपा के नहले पर दहला का दांव खेलते हुए झामुमो सम्मान योजना शुरू करने जा रही है. इसके तहत महिलाओं को हर महीने 2500 और साल में 30000 रुपए देने की घोषणा की है. - शेष पेज 11 पर

झामुमो ने चुनाव आयोग को ही उलझा दिया

झामुमो पहुंचा चुनाव आयोग, कहा-भाजपा को रोकें अन्यथा हमें भी अनुमति दी जाए

झारखंड में बीजेपी की दीदी गोगो योजना को लेकर फार्म भरवाये जाने का झामुमो ने विरोध किया है. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी इसे गलत बताते हुए सभी जिलों को डीसी को निर्देश दिया है, साथ ही चुनाव आयोग से कार्रवाई करने की मांग की है. चुनाव आयोग की तरफ से कोई कार्रवाई नहीं होने पर अब झामुमो भी खुल कर मैदान में उतर गया है. झामुमो ने निर्वाचन आयोग से कहा कि अगर बीजेपी द्वारा जारी फॉर्म **"गोगो दीदी योजना"** आपके दिशा-निर्देश के विरुद्ध नहीं है तो हमें भी "झामुमो सम्मान योजना" लागू करने की अनुमति दी जाए. इसको लेकर निर्वाचन आयोग की उलझनें बढ़ गई हैं.

खरगे-राहुल से दिल्ली में मिले हेमंत

- झारखंड में मिल कर विस चुनाव लड़ेगा इंडिया गठबंधन, सीएम के साथ कल्पना भी रहीं मौजूद, कांग्रेस के साथ सीट शेयरिंग पर हुई लंबी चर्चा, कई मुद्दों पर सहमति

विशेष संवाददाता। रांची

सीएम हेमंत सोरेन बुधवार को दिल्ली पहुंचे. दिल्ली में उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर उनसे मुलाकात की. फिर एक बैठक भी हुई. जिसमें राहुल गांधी और केसी वेणुगोपाल भी मौजूद थे. एक घंटे की बैठक में सीएम के साथ कल्पना सोरेन भी थीं. बैठक में झारखंड में गठबंधन को लेकर चर्चा हुई. कहा कि झारखंड में इंडिया एलायंस साथ में चुनाव लड़ेगा. हरियाणा के नतीजों पर भी चर्चा हुई. कहा गया कि इससे सबक लेते हुए झारखंड में ऐसा न हो और इंडिया एलायंस मजबूती से चुनाव लड़ेगा.

सीएम ने कहा : सीट से अधिक महत्वपूर्ण जीत: बैठक में सोरेन ने आगामी होने वाले विस चुनाव में इंडिया एलायंस के बीच सीट शेयरिंग, सीटों की अदला-बदली व अन्य साथी दलों को सीट देने आदि के मुद्दे पर बातचीत की. बता दें कि 2019 की तरह कांग्रेस ने इस बार 33 सीटों की डिमांड की है. इस पर सोरेन ने कहा- कौन किस सीट से लड़ेगा, इससे ज्यादा जरूरी है एलायंस ज्यादा से ज्यादा सीट जीते. इसके लिए हमें एक-एक सीट पर बात करनी होगी. इसके बाद सीट वितरण होगा, तो ठीक रहेगा. इस पर कांग्रेस के नेताओं ने भी सहमति जताई. - शेष पेज 11 पर

हरियाणा में हार पर कांग्रेस की बयानबाजी पर भड़का चुनाव आयोग, कहा

ये बोलने की आजादी का दुरूपयोग

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे को लिख कर बताया-ऐसा पहले कभी नहीं हुआ

एजेंसियां। नयी दिल्ली

हरियाणा विधानसभा चुनाव 2024 के नतीजे घोषित किए जाने के बाद मंगलवार को कांग्रेस ने इसे सिरे से नकार दिया था. राज्य में अपनी हार के बाद कांग्रेस का कहना था कि वे चुनाव के नतीजों को स्वीकार नहीं करेंगे. अब कांग्रेस के इस बयान पर चुनाव आयोग ने कड़ा रुख अपनाते हुए बुधवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को चिट्ठी लिखी है.

अपनी चिट्ठी में चुनाव आयोग ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों को अस्वीकार करने वाले कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के बयानों को बोलने की आजादी का दुरूपयोग बताया. आयोग ने कहा कि इस तरह के बयान देश के समृद्ध लोकतांत्रिक इतिहास में पहले नहीं सुने गए और ये बोलनेकी स्वतंत्रता से भी परे हैं. हालांकि आयोग ने साथ ही चुनाव परिणामों की समीक्षा के लिए पार्टी प्रतिनिधिमंडल से मिलने पर सहमति भी जताई है. चुनाव आयोग ने कांग्रेस अध्यक्ष खरगे को लिखा, इस बीच, आयोग ने आपके और विपक्ष के नेता के बयानों पर गौर किया है, जिसमें हरियाणा के परिणामों को अप्रत्याशित बताया गया है और कांग्रेस इसका विश्लेषण करने और शिकायतों के साथ चुनाव आयोग से संपर्क करने का प्रस्ताव रखती है. खरगे को लिखे पत्र में आयोग ने कहा कि पार्टी नेताओं जयराम रमेश और पवन खेड़ा की ऐसी टिप्पणियां वैधानिक और नियामक चुनावी ढांचे के अनुसार व्यक्त की गई लोगों की इच्छा को अलोकतांत्रिक तरीके से खारिज करने की ओर ले जाती हैं.

कांग्रेस का आरोप-ईवीएम से 'खेला'

हरियाणा के नतीजों पर असंतोष जताते हुए कांग्रेस नेताओं ने बुधवार को चुनाव आयोग से मुलाकात की. पार्टी के नेताओं ने अनियमितताओं और ईवीएम में गड़बड़ी के आरोप लगाए. कांग्रेस ने 20 से अधिक शिकायतों का हवाला देते हुए सात प्रमुख क्षेत्रों से लिखित शिकायतें भी पेश कीं. पार्टी का आरोप है कि कुछ ईवीएम मशीनें 99% क्षमता पर दिख रही थीं, जो सामान्य नहीं है. आयोग से इन मशीनों की जांच और वीवीपैट पर्चियों का ईवीएम से मिलान कराने की मांग की, ताकि चुनाव की पारदर्शिता पर उठे सवालों का हल हो सके. मीटिंग के बाद पवन खेड़ा ने कहा, केसी वेणुगोपाल, अशोक गहलोत, जयराम रमेश, अजय माकन, भूपेंद्र सिंह हुड्डा व अन्य ने आयोग के अधिकारियों से मुलाकात की. हमने आयोग से यह भी कहा कि 48 घंटों में हम बाकी शिकायतें भी उनके सामने पेश करेंगे. खेड़ा ने कहा, आयोग ने हमें भरोसा दिया कि वे मामले पर गौर करेंगे और रिटर्निंग अधिकारियों से परामर्श करने के बाद हमें जवाब देंगे. शिकायतें 20 विधानसभा क्षेत्रों से थीं. हमने शिकायतों के दस्तावेज चुनाव आयोग को सौंप दिए हैं. अगले 48 घंटों में 13 और विधानसभा क्षेत्रों से शिकायतें चुनाव आयोग को सौंपी जाएंगी.

दिल्ली सीएम आवास सील, आतिशी बाहर

नयी दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री आवास को सरकार के सार्वजनिक निर्माण विभाग ने सील कर दिया है. अवैध इस्तेमाल के आरोप में सीएम हाउस को सील किया गया है. इसके बाद मुख्यमंत्री आतिशी के कार्यालय ने एक बयान जारी कर कहा है कि देश के इतिहास में पहली बार सीएम आवास खाली कराया गया है. साथ ही उन्होंने उपराज्यपाल वीके सक्सेना पर भाजपा के इशारे पर काम करने का आरोप लगाया है. सीएम आवास को सील करने का कारण हैंडओवर की प्रक्रिया का पालन नहीं करना बताया गया है.

मोदी कैबिनेट का बड़ा फैसला

2028 तक मिलेगा फ्री अनाज

एजेंसियां। नयी दिल्ली

केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में बैठक में सरकार ने कई महत्वाकांक्षी योजनाओं को मंजूरी दे दी है. बैठक में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना और अन्य कल्याणकारी योजनाओं की आपूर्ति को दिसंबर 2028 तक के लिए बढ़ा दिया गया है. साथ ही कैबिनेट ने सीमावर्ती राज्यों के इलाकों में बुनियादी ढांचे के विकास पर भी जोर दिया है. केंद्रीय कैबिनेट की बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पीएम मोदी ने गरीब कल्याण अन्न योजना और अन्य कल्याणकारी योजनाओं के तहत मिड डे मील, मुफ्त राशन, योजना, पीएम पोषण योजना, आईसीडीएस, आकांक्षी की सभी योजनाओं के तहत फोर्टिफाइड चावल की आपूर्ति को जुलाई, 2024 से दिसंबर, 2028 तक जारी रखने की मंजूरी दे दी है.

पीएम ने बैठक में सीमावर्ती इलाकों में बुनियादी ढांचे के विकास पर जोर दिया है. कैबिनेट ने सीमावर्ती राज्य पंजाब और राजस्थान के इलाकों में 4,406 करोड़ रुपए के निवेश से 2,280 किलोमीटर सड़कों के निर्माण को मंजूरी दी है. इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों की आजीविका को बढ़ाना है और यहां के लोगों के लिए यात्रा को आसान बनाना है. शेष राजमार्ग नेटवर्क के साथ कनेक्टिविटी बनाना है. केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री ने बताया कि मंत्रिमंडल ने गुजरात के लोथल में एक राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर विकसित किया जाएगा मंजूरी दी है. इस प्रस्ताव का मकसद समृद्ध और विविध समुद्री विरासत को प्रदर्शित करना और दुनिया का सबसे बड़ा समुद्री विरासत परिसर बनाना है.

गरीबों को मुफ्त में मिलेंगे चावल : अप्रैल 2022 में आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति ने मार्च 2024 तक चरणबद्ध तरीके से पूरे देश में चावल फोर्टिफिकेशन पहल को लागू करने का फैसला किया था. अभी तक यह तीन चरणों में सफलतापूर्वक लागू हो चुका है. उन्होंने कहा कि गरीबों को मुफ्त फोर्टिफाइड चावल की आपूर्ति से एनीमिया और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी कम होगी. 2019 और 2021 के बीच किए गए राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार, एनीमिया भारत में बड़ी समस्या बनी हुई है, जो बच्चों, महिलाओं और पुरुषों को प्रभावित करती है. केंद्र सरकार यह योजना ऐसा समय में लाई है, जब बीजेपी को हरियाणा विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत मिली है.

ब्रीफ खबरें

सर्राफा

सोना (बिक्री)	70,300
चांदी (किलो)	91,000

तीन वैज्ञानिकों को रसायन का नोबेल

जेनेवा। 2024 के रसायन विज्ञान के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार विजेताओं का ऐलान कर दिया गया है. रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने बुधवार को घोषणा की कि डेविड बेकर, डेमिस हसाबिस और जॉन एम. जम्पर को यह सम्मान दिया जाएगा. इन लोगों को प्रोटीन विज्ञान में उनके अभूतपूर्व योगदान के लिए इस अवॉर्ड से नवाजा गया है. अमेरिका के वाशिंगटन विश्वविद्यालय के डेविड बेकर को कम्प्यूटेशनल प्रोटीन डिजाइन के लिए, जबकि लंदन, यूके स्थित गूगल डीपमाइंड के डेमिस हसाबिस और जॉन एम. जम्पर को प्रोटीन संरचना भविष्यवाणी के लिए पुरस्कार दिया गया है.

रतन टाटा की हालत नाजुक, आईसीयू में

मुंबई। टाटा संस के मानद चेयरमैन रतन टाटा की हालत नाजुक है. न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने यह दावा किया है. खबर के मुताबिक रतन टाटा मुंबई के एक अस्पताल में आईसीयू में भर्ती हैं. उनके स्वास्थ्य की निगरानी की जा रही है. हालांकि, टाटा ग्रुप्रु की ओर से 86 वर्षीय रतन टाटा के स्वास्थ्य को लेकर आधिकारिक तौर पर जानकारी नहीं दी गई है. बता दें कि पिछले दिनों भी टाटा के बीमार होने की खबरें आई थीं, जिसका उन्होंने खंडन करते हुए कहा था कि वो ठीक हैं.

श्रद्धा-भक्ति | धनबाद के झरिया में एक परंपरा की उम्र पांच सौ साल पुरानी, जो अब तक निभाई जा रही...

राजमहल छोड़ झोपड़ी में रानी खुद बनाती थीं माता का प्रसाद

रिजवान शम्स । धनबाद

पश्चिम बंगाल हो या फिर झारखंड... परंपराएं, संस्कृति और अनूठी रस्में, मां दुर्गा की भक्ति को और भी अनोखी बनाती हैं. मां दुर्गा के प्रति आस्था से जुड़ी अनूठी परंपराओं को निभाने में झरिया का राज परिवार की रानी का भी नाम शामिल है. ये परंपरा सदियों से आज तक वैसी ही निभाई जा रही हैं, जैसे सबसे पहली बार निभाई गई थी. तब झरिया राजपरिवार के नाम का यश जब पड़ोसी राज्यों तक फैला था, खुद रानी साहिबा राजमहल छोड़ कर चार दिनों तक घास-फूस की झोपड़ी में रह कर माता का प्रसाद मिट्टी के चूल्हे पर खुद अपने हाथों से बनाती थीं. इस परंपरा की उम्र अब 500 साल से भी अधिक हो चुकी है.

ऐसे शुरू हुई थी परंपरा : इस परंपरा के पीछे एक कहानी है. बताया जाता है कि रिवा रियासत से आए राजा संग्राम सिंह ने झरिया के तत्कालीन डोम राजा को जंग में हरा दिया था. जंग को जीतने के बाद भी राजा के हाथ से तलवार नहीं छूट रही थी. तब राजपरिवार की तरफ से मां दुर्गा की पूजा की गई. प्रसाद बनाया गया और फिर तलवार हाथ से छूटी थी. इसके बाद झरिया में मां दुर्गा की पूजा धूमधाम से शुरू हुई. राज परिवार के इस मंदिर को राजा दुर्गा प्रसाद सिंह ने भव्य रूप दिया. इसके बाद राजा काली प्रसाद सिंह और राजा शिव प्रसाद के कार्यकाल में भी भव्य आयोजन होता रहा.

- सिर्फ चार दिनों के लिए खुलता है झोपड़ी का पट, झोपड़ी में मिट्टी के चूल्हे पर तैयार होता है प्रसाद
- झरिया राज परिवार की रानी खुद बनाती थीं प्रसाद, राजपरिवार की बहू अब भी निभाती हैं परंपरा

पुआ व घटरा का चढ़ता है प्रसाद : राज परिवार की बहुएं अब भी यहां पुआ व घटरा पकवान बना कर परंपरा के अनुसार मां दुर्गा को भोग लगाती हैं. सप्तमी से दशमी तक मंदिर में तीन दिन व रात अखंड दीप जलता है. महाअष्टमी को बलि दी जाती है.

पुराना राजगढ़ में है मां दुर्गा का मंदिर

मां दुर्गा का यह मंदिर पुराना राजगढ़ में है. यहीं आज भी राज परिवार के लोग पूजा अर्चना और प्रसाद बनाते हैं. न सिर्फ राज परिवार, बल्कि यहां के लोगों में भी इस मंदिर को लेकर बेहद आस्था है. हर वर्ष पूजा के दौरान यहां साज-सज्जा, रंग-रोगन आदि का कार्य होता है. इसके बाद विधिवत सारे विधान किए जाते हैं. बलि से लेकर विर्सजन कर सारे विधानों में राजपरिवार के सदस्य मौजूद रहते हैं. यहां पूजा के बाद राजा तालाब में प्रतिमा विसर्जित होती है.

साल में चार दिनों के लिए ही खुलता है पट

जिस मंदिर में राज परिवार की रानी प्रसाद बनाती थी. वो मंदिर साल में महज चार दिनों के लिए खोला जाता है. दुर्गापूजा के दौरान ही उसकी मरम्मत या अन्य कार्य किए जाते हैं. इसके बाद उक्त कमरा का पट बंद कर दिया जाता है. इस कारण मंगलवार की देर शाम तक वहां का कार्य जारी था. यहां काम में जुटी पुतुल कालिंदी बताती हैं कि करीब एक दशक से हर साल उक्त मंदिर को पूजा के दौरान साफ-सफाई या अन्य कार्य उनके द्वारा किए जाते हैं. इससे पूर्व उनके पिता को यह जिम्मेवारी दी जाती थी. उन्होंने करीब पचास साल तक उक्त मंदिर की देखरेख की थी. बताती हैं कि काफी श्रद्धाभाव से बिना चप्पल पहने ही वे लोग मंदिर (कमरे) के अंदर जाती हैं.

कोयलांचल में दुर्गा पूजा की धूम, मां के दर्शन को उमड़ पड़ी भक्तों की भीड़

चलो बुलावा आया है, माता ने बुलाया है...

रंग बिरंगी रौशनी से नहा उठा शहर, खूबसूरत पंडालों से दुगना हुआ त्योहार का सौंदर्य

संवाददाता ।धनबाद

धनबाद में चार दिनों तक चलनेवाली दुर्गा पूजा की धूम की झलक मंगलवार की शाम से ही दिखने लगी है. शहर का नजारा अब चार दिनों के लिए बदल जाएगा. हर गली-हर नुक्कड़, हर घर और मुहल्ले से लोग निकल सीधे मां दुर्गा के दर्शन को पंडालों तक पहुंचने लगे हैं. पंडालों में मां के भक्तों की कतार लग गई. चौक-चौराहों से लेकर गलियों तक भीड़भाड़ है. शाम होते ही सड़कों पर वाहनों के बजाय भक्तों का सैलाब दिखने लगा है. अभिभावकों के साथ बच्चे भी माता के दर्शन के बाद विभिन्न स्थानों पर लगे मेले-झूले और स्टॉल का आनंद उठाते देखे गए. पूरे शहर को रंगबिरंगी लाइट से सजा दिया गया है. धनबाद में हर पंडाल अपनी अलग खूबी के साथ मौजूद है. कहीं नशा से मुक्ति का संदेश है तो कहीं लाजवाब कारीगरी श्रद्धालुओं के कदम को अपने तरफ आकर्षित कर रही है. बहरहाल चार दिनों ये त्योहार आज से शुरू हो गया है.

नशा के खिलाफ जागरुकता संदेश

धनबाद। धनबाद न्यू स्टेशन रेलवे कॉलोनी क्लब का दुर्गोत्सव हमेशा से धनबाद के लोगों को लिए आकर्षण का केंद्र बना रहता है. हर साल यहां कुछ अनोखा पंडाल बनाने पर जोर दिया जाता है. इस साल यहां का पूजा पंडाल नशे से होने वाली समस्या व उसके खिलाफ संदेश देगा. पंडाल को शराब की बोतलों व इंजेक्शन आदि का इस्तेमाल कर बनाया गया है. पंडाल के अंदर भी ताश के पत्ते, शराब की बोतल व इंजेक्शन आदि चीजें लटकायी गयी हैं. पूजा कमेटी की ओर से जिले के कारीगरों को प्रोत्साहन के लिए हर साल जिले के कारीगरों को ही पंडाल का काम दिया जाता है. इस साल गोधर के डेकोरेटर्स द्वारा करीब छह लाख रुपये की लागत से यहां पंडाल बनाया गया है.

30-40 मुस्लिम साथी : मुन्ना सिंह : पूजा कमेटी के मुन्ना सिंह ने बताया कि कमेटी में 30 से 40 मुस्लिम साथी भी है. सभी में भाईचारा बना रहता है. सभी मिलकर यहां पूजा का आयोजन करते हैं. विसर्जन के वक्त महिलाएं भी शामिल होती हैं. कमेटी की ओर से तीन दिनों तक सभी के लिए भंडारा का आयोजन भी किया जाता है.

आदि शक्ति मंदिर के सदस्यों को सम्मान

धनबाद। झरिया के जामाडोबा को ऑपरेटर कॉलोनी नुनिकडीह बस्ती स्थित आदि शक्ति मंदिर प्रांगण में वर्तमान कमिटी के सदस्यों द्वारा बुधवार को सम्मानित किया गया. जिसमें 1986 के पूर्व कमिटि के मुख्य सदस्यों को शॉल ,बुके और मिठाई देकर सम्मानित किया गया. सम्मानित सदस्यों में अब्दुल जब्बार खान, गंगा सिंह, किस्टो महतो,भोला महतो, किशोरी सिंह, पी के. बोस, अशोक कुमार राय,शंकर राय, जे एन सिंह शामिल थे.इस दौरान सभी

भूतपूर्व सदस्यों ने पारी-पारी अपना अपना अनुभव साझा किया और वर्तमान कमिटी के सदस्यों को प्रोत्साहित किया.

आज सुबह से काम करेगा कंट्रोल रूम

धनबाद। धनबाद जिले में शांतिपूर्ण तरीके से दुर्गा पूजा संपन्न कराने के लिए जिला नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) बनाया गया है. कंट्रोल रूम गुरुवार सुबह छह बजे से काम करने लगेगा. जो 13 अक्तूबर की सुबह छह बजे तक काम करेगा. इसके लिए जिला स्तर पर डीसी माधवी मिश्रा तथा एसएसपी एचपी जनार्दनन के संयुक्त आदेश जारी कर दिया गया है. एडीएम विधि-व्यवस्था पीयूष सिन्हा कंट्रोल रूम के वरीय पदाधिकारी बनाए गए है. एसडीओ राजेश कुमार को कंट्रोल रूम का प्रभारी बनाया गया है. कंट्रोल रूम 24 घंटे काम करेगा. यहां तीन पालियों में अधिकारी तथा कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है. कंट्रोल रूम में अग्निशमन दस्ता, क्यूआरटी, महिला पुलिस, पुलिस बल, सशस्त्र पुलिस तथा लाठीधारी पुलिस की भी तैनाती की गई है. किसी भी विशेष परिस्थितियों में सूचना मिलने पर यहां से पुलिस बल भेजे जा सकते हैं.

पुटकी में पुलिस का फ्लैग मार्च

केंदुआ। दुर्गा पूजा में शांति व्यवस्था कायम व अपराधियों पर नियंत्रण रखने के उद्देश्य से डीएसपी (विधि व्यवस्था) नौशाद आलम व सीओ विकास आनन्द के नेतृत्व में पुटकी में पुलिस ने मार्च पास्ट किया. सौ से ज्यादा पुलिस बलों ने अधिकारियों के साथ मोटरसाइकिल व पैदल मार्च किया. बलों ने पुटकी ,कोक प्लांट,श्रीनगर,करकेंद आदि के पूजा पंडालों का भ्रमण कर नागरिकों में सुरक्षा का मैसेज दिया. डीएसपी आलम ने कहा कि पूजा में जनता की सुरक्षा के लिए पुलिस तत्पर है1 जनता पूजा में सतर्क है. घर को खाली नही छोड़ें. महिलाएं जेवर पहन घूमने नहीं निकले. पूजा कमिटियां मेला,पंडालों में नशा कर घूमनेवालों व आपराधिक प्रवृत्ति के लोगो पर नजर रखे. पुलिस को सूचित करें. मार्च पास्ट में इंस्पेक्टर मनोहर करमाली,वकार हुसैन,सन्तोष कुमार महतो व पुलिस लाइन से आये अधिकारी बल शामिल थे.

डीसी ने किया निरसा, चिरकुंडा, पंचेत की पूजा पंडालों का निरीक्षण

- शांति समिति की बैठक में बताई गई बातों का पालन करने का दिया निर्देश

धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा ने बुधवार को वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दनन व एडीएम लॉ एंड ऑर्डर पीयूष सिन्हा के साथ निरसा बाजार, हाउसिंग कॉलोनी, चिरकुंडा, लक्खीमाता कोलियरी, श्री श्री सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति उपर बाजार चिरकुंडा, झारखंड मैदान सहित विभिन्न पूजा पंडालों का निरीक्षण किया. इस दौरान पूजा पंडालों में महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग प्रवेश व निकास द्वार, सीसीटीवी कैमरे, साइन बोर्ड, अग्निशमन यंत्र, विद्युत व्यवस्था, क्यू मैनेजमेंट, वॉलिंटियर्स की संख्या सहित अन्य बिंदुओं का भी निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने पूजा समितियों को जिला

स्तरीय शांति समिति की बैठक में बताई गई सभी बातों का पालन करने का निर्देश दिया. साथ ही विसर्जन को लेकर निर्धारित रूट, तिथि व समय का पालन करने तथा चिह्नित नदी - तालाब में प्रतिमा का विसर्जन करने का निर्देश दिया.वरीय पुलिस अधीक्षक ने सभी पंडालों में सीसीटीवी कैमरा, आप सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में है. सहित अन्य साइन बोर्ड लगाने, प्रतिमा के सामने महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं के बीच बैरिकेडिंग करने, पंडाल के चारों ओर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था करने, श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया.

भूली में राम मंदिर की तर्ज का पंडाल

भूली। दुर्गोत्सव को लेकर श्रमिक नगरी भूली के पूजा पंडाल सज-धजकर तैयार है.आकर्षक विद्युत सज्जा से पूरा मुख्य सड़क जगमगा रहा है. बी ब्लॉक दुर्गा पूजा समिति द्वारा अयोध्या का राम मंदिर की आकृति का पंडाल का निर्माण किया गया है. बुधवार की देर शाम पूजा पंडाल व मेला, मिना बाजार का विधिवत उद्घाटन किया गया. मुख्य अतिथि के रूप में धनबाद के वरीय पुलिस अधीक्षक एच्पी जनार्दन ने फीता काटकर व दीप जलाकर पंडाल का उदघाटन किया. वहीं मेला मीना बाजार का भूली ओपी प्रभारी अभिनव कुमार ने फीता काटकर किया.पूजा कमिटी के अध्यक्ष शशि भूषण सिंह, सचिव पारस यादव,कोषाध्यक्ष ओम प्रकाश पांडेय द्वारा पूर्व कमेटी के पदाधिकारी को मेमन्टो व अंग वस्त्र देखकर सम्मानित किया. सी ब्लॉक दुर्गा पूजा कमिटी की ओर से झारखंड विधानसभा भवन का प्रारूप वाला पूजा पंडाल बनाया गया है. कमिटी के संरक्षक मिथिलेश पासवान, अध्यक्ष सनोज कुमार, सचिव इन्द्रकांत झा, कोषाध्यक्ष पंकज झा समेत अन्य लोग उपस्थित थे.

एनाकोठी दुर्गापूजा पंडाल में जयराम ने माथा टेका

धनबाद । झरिया भगतडीह के स्थित एनाकोठी दुर्गापूजा पंडाल में बुधवार को झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के सुप्रीमो जयराम महतो पहुंचे और मां दुर्गा के चरणों मे माथा टेक मां का आशीर्वाद लिया. इस दौरान कांग्रेस युवा मोर्चा के सचिव अमन गुप्ता मासस के युवा नेता बंटी अंसारी के साथ सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस और मासस छोड़ जयराम महतो के पार्टी का दामन थामा.साथ ही कार्यकर्ताओं ने ढोल नगाड़े व आतिशबाजी के साथ जयराम का जोरदार स्वागत किया.जयराम ने झरिया के विभिन्न मुद्दों पर मीडिया से बात करते हुए कहा कि यह लड़ाई हमें हर हाल में लड़नी है. इस बार निश्चित है कि झरिया विधानसभा में हमारी पार्टी अच्छी जीत हासिल करेगी.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | धनबाद, गुरुवार 10 अक्टूबर 2024 ● आश्विन शुक्ल पक्ष 08, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 182 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

मां के दर्शन को भक्तों की कतार

विद्युत साज-सज्जा से पूरा शहर रौशन, डिज्नीलैंड में बच्चों की उमड़ी भीड़

संवाददाता। धनबाद

शारदीय नवरात्र के सप्तमी के अवसर पर मंगलवार की शाम धनबाद के विभिन्न स्थानों पर दुर्गा पूजा के पंडालों का पट खुला. विधि विधान के साथ के साथ मां दुर्गा की पूजा अर्चना शुरू हो गई और मां के दर्शन को भक्तों की कतार लग गई.

धनबाद के स्टीलगेट, बैंकमोड़, हीरापुर, झारखंड मैदान, लुबी सर्कुलर रोड, भूली, कतरास और झरिया में भक्तों की भारी भीड़ मां के दर्शन को उमड़ पड़ी. झारखंड मैदान में मलेशिया के मंदिर का निर्माण किया गया है. यहां की कारीगरी देखकर लोग तारीफ किए बिना नहीं पा रहे हैं. वहीं भूली में अयोध्या राम मंदिर की की तर्ज पर पंडाल का निर्माण किया गया है. पंडाल में लाइट सज्जा अलौकिक दृश्य से रूबरू करा रहा है. भक्तों की भारी भीड़ भूली की ओर जा रही है. इसके साथ ही लुबी सर्कुलर रोड की लाइटिंग भी काफी सुंदर है. सिटी सेंटर से लेकर रणधीर वर्मा चौक तक की लाइटिंग के साथ लोग बिना सेल्फी के तो गुजर ही नहीं पा रहे हैं. इसके साथ ही कई पंडालों में सामाजिक बुराइयों के खिलाफ संदेश प्रसारित किया गया है. नशा उन्मूलन को लेकर बातें कही गई हैं. पूजा के दौरान मेले का भी आयोजन किया गया है.

जिला परिषद मैदान में डिज्नीलैंड में बच्चों की काफी भीड़ देखने को मिली. पंडाल दर्शन के साथ ही पेटपूजा को भी लगभग हर पंडाल वाले इलाके में दर्जन अस्थायी चाट-ठेले की दुकानें सजी हैं. दुर्गा पूजा के दौरान भक्तों को किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े, इसके लिए प्रशासन भी सतर्क है और नो इंट्री प्वाइंट पर पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है. इसके अलावा पूजा पंडालों में भी पुलिस कर्मियों की तैनाती की गई है. शोहदों से निपटने के लिए सादे लिबास में पुलिस कर्मी लगाए गए हैं. पुलिस अधिकारियों की टीम भी शहर के सभी पूजा पंडालों का भ्रमण कर सुरक्षा संबंधी निगरानी रख रहे हैं.

धनबाद में शारदीय नवरात्र के सप्तमी को पंडालों का पट खुला और मां के दर्शन को भक्त विभिन्न पंडालों में पहुंचने लगे हैं. यह सिलसिला अब चार दिनों तक चलेगा. यह प्रतिमा धनबाद के एलसी रोड की है.

झरिया थाना क्षेत्र में बेहतर करने वाले पूजा पंडालों को किया जाएगा सम्मानित

झरिया। झरिया के कपड़ा पट्टी में बुधवार को व्यवसाईयों की धनबाद निर्माण सिटीजन फोरम झरिया शाखा के बैनर तले बैठक हुई. बैठक में झरिया विधायक द्वारा बाटा मोड में हाई मास्ट लाइट लगाए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की गई. कहा गया कि पूर्व में विधायक से लिखित मांग किया गया था. बैठक के दौरान निर्णय लिया गया कि झरिया थाना क्षेत्र में दुर्गा पूजा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले को धनबाद निर्माण की ओर से सम्मानित किया जाएगा. बताया गया कि श्रेष्ठ पंडाल, श्रेष्ठ मूर्ति और श्रेष्ठ विद्युत सज्जा के लिए पूजा कमेटी को सम्मानित किया जाएगा. इसके अलावा वैसे लोगों को भी सम्मानित किया जाएगा. जो विधि व्यवस्था में अपना पूर्ण रूप से सहयोग करेंगे. बैठक की अध्यक्षता उपेंद्र गुप्ता ने की. बैठक में उपेंद्र गुप्ता, शिवचरण शर्मा, श्रीकांत अम्बष्ट, दिलीप स्वर्णकार, गणेश गुप्ता, अरिंदम बनर्जी, अरुण जायसवाल, अनूप साव, सुरेंद्र गुप्ता, बसंत अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, अजीत बर्नवाल, राजेश अग्रवाल, चेतन ठक्कर, नरेंद्र छावड़ा, अनूप अग्रवाल, प्रकाश शर्मा, संजय गुप्ता आदि थे.

13 थोक वस्त्र विक्रेताओं से 51 लाख लेकर चंपत

कारोबारियों के बयान पर पुटकी थाने में प्राथमिकी दर्ज

खास बातें

- पुराना बाजार दरी मोहल्ला का है आरोपी परिवार
- बैंकों से भी करोड़ों रुपये लपेट कर फरार होने की चर्चा

संवाददाता। केंदुआ

धनबाद पुराना बाजार दरी मुहल्ले के कपड़ा कारोबारी केवल संस एंड न्यू केवल संस के मालिक बृजेश सेठ,नवीन सेठ,उज्ज्वल सेठ व उनके रिश्तेदार राजेश के खिलाफ पुटकी थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है. थोक वस्त्र विक्रेता दिवाकर पोद्दार सहित अन्य ने लिखित शिकायत पर पुलिस ने बीएनएस की धारा 316 (5) ,318 (4) व 3 (5) के तहत केस दर्ज किया गया है1 थोक व्यवसायियों ने धनबाद के एसएसपी से भी मिलकर ठगी से संबंधित शिकायत की थी.

सभी आरोपी फरार बताए जा रहे हैं. राजेश पंचगढ़ी कतरास) मुख्य आरोपियों का रिश्तेदार है. जिनके माध्यम से पुलिस केवल संस के मालिकों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है. व्यवसाय जगत में चर्चा है कि आरोपी परिवार करकेंद, दिल्ली,रांची,सूरत ,कलकत्ता के व्यापारियों सहित धनबाद के दो बैंकों का कई करोड़ राशि लेकर फरार हो गया है. रातोंरात परिवार समेत भागने के पहले मकान, कार भी बेच दिया. घटना से व्यवसाय जगत अचंभित व परेशान है. थोक वस्त्र विक्रेताओं की शिकायत के अनुसार ठगों ने दिवाकर पोद्दार केबी रणजीत कुमार के 938781 रुपया का वस्त्र व नकद तीन लाख, राजेश कुमार अग्रवाल के विनीता टेक्सटाइल्स का 122169 रुपया, नन्द किशोर अग्रवाल के बालाजी टेक्सटाइल्स का 219458, प्रभात कुमार अग्रवाल के तिरुपति सिथेंटिक्स का 111195, सुनीता देवी के सृष्टि टेक्सटाइल्स का 321326, पवन कुमार अग्रवाल के केके फैब्रिक्स का 929419, संजय खंडेलवाल के मेसर्स मोती खंडेलवाल का 44146,आदित्य पोद्दार के आदित्य एन्ड कम्पनी का 805512, उमेश कुमार अग्रवाल के सिद्धि विनायक का 384723,सुभाष कुमार नारनोली के बद्री नारायण सुभाष कुमार का 60325,सुरेश कुमार खेतान के जे सिद्धार्थ कुमार का 30048,आजाद कृष्ण अग्रवाल के श्री राणीसती टेक्सटाइल्स का 242170, नीरज कुमार नारनोली के बख्शीराम लक्ष्मी नारायण का 14847 व सरिता देवी के रामेश्वरलाल पवन कुमार कम्पनी का 367369 रुपया लेकर गायब हो गया. व्यवसायियों ने धोखाघड़ी कर बिना बकाया भुगतान फरार होनेवाले कारोबारियों पर कार्रवाई की मांग की है. पुलिस बयान के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर मामले की छानबीन में जुट गई है.

सलानपुर में 12 पेटी अवैध शराब जब्त

कतरास। दुर्गा पूजा के मददेनजर कतरास थाना व रामकनाली ओपी पुलिस ने संयुक्त रूप से मंगलवार की देर रात सलानपुर बस्ती पंखा घर में छापामारी कर भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब व बीयर जप्त किया है. पुलिस ने छापामारी के दौरान घर में अंग्रेजी शराब बेचने का धंधा करने वाले राजकुमार चौहान को गिरफ्तार कर रामकनाली ओपी ले गई. पुलिस ने उससे पूछताछ कर बड़े धंधेबाजों को पकड़ने की जुगत में लगी है.राजकुमार ने बताया कि घर के समीप एक छोटी सी दुकान है, जिसमें अंग्रेजी शराब, बीयर तथा सिगरेट आदि बेचता है. इधर ओपी प्रभारी मंगल प्रसाद कुजूर ने बताया कि वरीय पदाधिकारी के निर्देश पर यह छापामारी की गई है. जिसमें 12 पेटी अंग्रेजी शराब व बीयर तथा सिगरेट जब्त किया गया है. आरोपी राजकुमार चौहान के खिलाफ मामला दर्ज कर छानबीन की जा रही है. इलाके में शराब या अन्य अवैध कारोबार को नहीं चलने दिया जाएगा. छापामारी में कतरास थाना प्रभारी असित कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी शामिल थे.

बाइक चोर गिरोह का खुलासा, बाइक बरामद

संवाददाता। धनबाद

सिंदरी डीएसपी आशुतोष कुमार सत्यम ने बुधवार को अपने कार्यालय में प्रेसवार्ता कर बाइक चोर गिरोह का खुलासा किया. उन्होंने बताया कि लोदना ओपी० अन्तर्गत मां रक्षा काली मेला में मोटरसाईकिल चोरी की घटना घटी थी. इसके बाद ओपी प्रभारी रजनीकांत पांडे द्वारा मामला दर्ज करते हुए छापामरी दल का गठन किया गया. इसके बाद पुलिस ने लोदना पुराना रक्षा काली मंदिर के समीप वाहन चेकिंग अभियान लगाया था. वाहन चेकिंग दौरान दीपक कुमार दास को पुलिस ने रंगेहाथ पकड़ा. पूछताछ के दौरान दीपक ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया.

दीपक की निशानदेही पर सुरज बाउरी उर्फ दुबला बाउरी घुटु कुली आमटाल बलियापुर से गिरफ्तार किया गया. उनके पास से चोरी का एक हीरो स्पलेंडर प्लस JH10सीएल -4702 मोटरसाईकिल बरामद किया गया. गिरफ्तार अभियुक्तों से पूछताछ करने पर अपराध स्वीकारते हुए बताया कि मोटरसाईकिल चोरी कर बेचने के बाद पैसे का बंटवारा कर लेने की योजना बनाकर मोटरसाईकिल की चोरी की गई थी.अभियुक्त दीपक कुमार दास नें इस मोटरसाईकिल चोरी की घटना के अलावे एक अन्य काला रंग का हीरो स्प्लेंडर प्लस मोटरसाईकिल चोरी करने की संलिप्ता स्वीकारा की है .जिसका नम्बर-JH10 बीवाई 7181 है. दीपक की निशानदेही के आधार पर मोटरसाईकिल को बनियाहीर जाने वाले रास्ते में झाड़ी से बरामद कर जप्त किया गया है.

पोखरिया में नहाने के क्रम में बीसीसीएल कर्मी की डूबने से मौत

संवाददाता। धनबाद

झरिया के सुदामडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत बुधवार को सवारडीह बस्ती स्थित पोखरिया में नहाने के दौरान 55 वर्षीय बीसीसीएल कर्मी प्रवीण भुईयां की मौत हो गई. स्थानीय लोगों के अनुसार अजमेरा 6 नंबर निवासी बीसीसीएल कर्मी प्रवीण भुइया एएसपी सुदामडीह कोलियरी से रात्रि पाली ड्यूटी कर बुधवार की सुबह घर आया और नहाने के लिए सवारडीह बस्ती स्थित पोखरिया गया था. इस दौरान वह पोखरिया में डूब गया .मामले की जानकारी मिलते ही सुदामडीह पुलिस ओर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे. पोखरिया में प्रवीण की खोजबीन में जुट गए.

घंटों कड़ी मसक्कत के बाद सुमित सूपकार द्वारा मंगाए गए स्थानीय गोताखोर दीपक रवानी ,विजय राय, सुमित हरि,अमित रवानी के द्वारा शव को बाहर निकाला गया.इसके बाद सुदामडीह पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए धनबाद के एसएनएमएमसीएच भेजा दिया और आगे की कार्रवाई में जुट गई . वहीं एएसपी कोलियरी के पीओ अनिल कुमार ने गोताखोरों को बीस हजार रुपए का नगद इनाम दिया. मौके पर स्थानीय लोगों के अलाव सुमित सुपकार ,अभिषेक सिंह,ममता सिंह, शिवांश श्रीवास्तव आदि मौजूद थे.

सभी सरकारी अधिकारियों की छुट्टी पर रोक

धनबाद। दुर्गा पूजा को देखते हुए जिले भर के सभी अधिकारियों की छुट्टी पर रोक लगा दी गई है. साथ ही साथ मुख्यालय छोड़ने पर भी रोक रहेगी. दुर्गा पूजा में विधि-व्यवस्था बनाने रखने के लिए कभी भी किसी पुलिस या प्रशासनिक अधिकारियों की ड्यूटी लगाई जा सकती है. इसे देखते हुए छुट्टियों पर रोक लगाई गई है. इसके लिए डीसी सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा की ओर से आदेश जारी कर दिया गया है. विशेष परिस्थितियों में डीसी के आदेश पर छुट्टी ली जा सकती है. इसके लिए सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिया गया है.

भू-अर्जन के प्रभावित 22 रैयतों को 90 लाख का भुगतान

संवाददाता। धनबाद

झरिया अंचल कार्यालय द्वारा वार्ड विकास केंद्र जीतपुर में सड़क चौड़ीकरण परियोजना से संबंधित रैयतों को मुआवजा राशि भुगतान कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि झरिया विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह मौजूद थी. कार्यक्रम में सर्वप्रथम जिला भू अर्जन पदाधिकारी राम नारायण खलको और अंचल अधिकारी झरिया मनोज कुमार ने विधायक को कार्यक्रम में गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया. कार्यक्रम के दौरान विधायक ने अपने संबोधन में कहा कि नवरात्र के अवसर पर बुधवार को महुदा सिंदरी जामाडोबा पथ चौड़ीकरण परियोजना से संबंधित झरिया अंचल के नुनुकडीह मौजा के भू अर्जन के प्रभावित 10 परिवार के 22 रैयतों को 90 लाख 35 हजार 333 रुपए मुआवजा राशि भुगतान किया जा रहा है .यह मामला विगत दो वर्षों से विभागीय कारणों से लंबित था. जिसे रांची में पथ निर्माण विभाग के सचिव सुनील कुमार तथा विभागीय अधिकारियों से मुआवजा भुगतान में हो रही देरी से रैयतों को आ रही परेशानी से अवगत कराया था.जिसके बाद आज यह राशि रैयतों के बैंक खाते में भेजी जा रही है. वहीं राशि मिलने बाद मौके पर मौजूद रैयत तथा उनके परिजनों ने विधायक के प्रति आभार व्यक्त किया तथा राशि खाते में प्राप्त होने पर खुशी जाहिर की. मौके पर निवर्तमान पार्षद जय कुमार, अंचल निरीक्षक अभय कुमार सिन्हा, बब्लू मिश्रा, सुभाष मंडल, विक्की भुईया, भीम महतो, किस्टु महतो, विकाश कुमार सिंह, सिंटू सिंह, मुमताज अंसारी, लक्ष्मी, देवी, सोना देवी, सावित्री देवी, सकुंती देवी, माया देवी, कंचन, देवी, सकुंतला देवी, रीना देवी, दिनेश कुमार सहित सभी रैयतों के परिजन उपस्थित थे.

खास बातें

- दो वर्षों से लंबित मामला हुआ हल
- रैयतों ने विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह को दिया धन्यवाद

इन रैयतों को मुआवजा राशि का भुगतान

1. संतोष महतो - 4,11,452.00
2. सुजीत महतो - 4,11,452.00
3. फूलमनीया देवी - 14,13,069.00
4. महेंद्र महतो - 12,63,450.00
5. निरंजन महतो - 14,21,381.00
6. दुर्गा महतो - 8,22,905.00
7. राजेंद्र महतो - 16,45,812.00
8. रतन महतो - 5,48,604.00
9. दिनेश कु० महतो - 5,48,604.00
10. फूलचंद्र महतो - 5,48,604.00

सदर अस्पताल में जन्म लेनी वाली चार बेटियों का डीसी विजया जाधव, डीडीसी ने किया स्वागत

ढोल-नगाड़े व सोहर गीत से बेटियों का स्वागत

- अभिभावकों का किया सम्मान

संवाददाता। बोकारो

बिटिया है अनमोल रत्न, इसको तुम अपनाओ.. बोझ नहीं होती है दुनिया को बतलाओ... बेटी को बचाएं, समाज को सशक्त बनाएं..., इसी उद्देश्य को लेकर बोकारो उपायुक्त विजया जाधव की पहल पर जिला समाज कल्याण विभाग, स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में सदर अस्पताल बोकारो में बुधवार को जन्म लेने वाली चार बेटियों का जन्मोत्सव ढ़ोल–नगाड़ों, सोहर गान के साथ पारंपरिक तरीके से मनाया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता उपायुक्त बोकारो ने किया. मौके पर उपविकास आयुक्त गिरजा शंकर प्रसाद, सिविल सर्जन डा. ए बी प्रसाद, जिला नजारत

उप समाहर्ता श्रीमती वंदना शेजवलकर, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डा. सुमन गुप्ता, अपस्ताल उपाधीक्षक डा. अरविंद कुमार, पीसीपीएनडीटी के नोडल पदाधिकारी शक्ति कुमार, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, डीपीएम दीपक कुमार, डीडीएम श्रीमती कंचन कुमारी आदि उपस्थित थे.

इस मौके पर उपायुक्त ने बेटियों के अभिभावकों को गुलदस्ता देकर स्वागत किया. वहीं, उप विकास आयुक्त ने अभिभावकों को पगड़ी पहनाई. उन्होंने क्रमवार बेटियों के अभिभावकों का नाम जाना, बेटियों के नाम की जानकारी ली. उन्हें गिफ्ट हैंपर, बेबी किट, मां – बेटी के लिए वस्त्र, मिठाई आदि भेंट किया. इस दौरान पारंपरिक तरीके से ढ़ोल–नगाड़ा बजाया गया. ट्रांसजेंडर राजकुमारी देवी द्वारा सोहर गीत अरे बिटिया के बुरा नहीं मानो, खुशी–खुशी पियरी पहनावो..., खुशी – खुशी हसुली पहनावें. उन्होंने अपने अनोखे अंदाज में सभी बेटियों को आर्शिवाद दिया.

मौके पर उपायुक्त ने अपने संबोधन में कहा कि आपके घर बेटी आईं हैं, खुशियां मनाएं. पुरानी सोच को बदलें, अब स्थिति बदली है. आज आम और कामकाजी महिलाएं विभिन्न क्षेत्रों में अभूतपूर्व प्रदर्शन कर रही हैं. अब बेटियां बोझ नहीं है. बेटी आई जिस घर में, हजारों खुशियां लाती है. उन्होंने अभिभावकों को बेटियों के जन्म होने पर गर्व करने एवं अपने आस-पास के लोगों को भी ऐसा सोचने के लिए प्रेरित करने को कहा.

उपायुक्त ने आमजनों से अपील की है कि अगर कहीं कोई लिंग भेद का जांच कर रहा है, तो वह प्रशासन को सूचित करें. प्रशासन सूचना देने वाले का नाम गुप्त रख कर कार्रवाई सुनिश्चित करेगा. उप विकास आयुक्त ने कहा कि आपके घर बेटी जन्म ली है, उत्सव मनाएं.एक बेटी सात परिवारों को संवार देती है. इस अवसर पर उन्होंने सभी को बेटी बचाओ का संकल्प दिलाया.

फर्जी तरीके से 10 करोड़ 40 लाख रुपये की निकासी

- झारखण्ड पर्यटन विकास निगम लि0 का फर्जी अकाउण्ट बनाकर अवैध निकासी में एफआईआर दर्ज

संवाददाता। बोकारो

झारखंड पर्यटन विकास निगम लिमिटेड में फर्जी अकाउंट बनाकर अवैध निकासी के मामले में इसकी तार बोकारो से जुड़ गई है। अनुसंधान में यह पाया गया है कि इसके साजिशकर्ता बोकारो के सेक्टर 8 निवासी रुद्र सिंह उर्फ समीर कुमार हैं।महाप्रबंधक (वित्त), झारखंड पर्यटन विकास निगम लिमिटेड, राँची के द्वारा 28 सितंबर 2024 को धुर्वा थाने में फर्जी अकाउंट बनाकर अवैध तरीके से 10 करोड़ 40 लाख रुपये की निकासी के संबंध में कांड संख्या 284/24, धारा 316(5)/ 318(4)/ 338/ 336(3)/ 340(1)/ 340(2) बी.एन.एस.-2023 दर्ज की गई थी। इस मामले में अपराध अनुसंधान विभाग, झारखंड, राँची के द्वारा दर्ज की गई। महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक, झारखंड, राँची के द्वारा इस कांड के अनुसंधान हेतु एक एस.आई.टी. का गठन किया गया, जिसमें रिषभ कुमार झा, भा.पु.से, पुलिस अधीक्षक, आतंकवाद निरोधी दस्ता, झारखंड, तीन सहायक पुलिस अधीक्षकों तथा अपराध अनुसंधान विभाग की टीमों को शामिल किया गया।अनुसंधान के क्रम में गिरजा प्रसाद सिंह, उम्र 61 वर्ष, पिता-स्व. शालीग्राम सिंह, पता-मकान नंबर 339 नहर पर, बेली रोड, गायत्री मंदिर के उत्तर में, थाना-रूपसपुर, जिला-पटना, तत्कालीन लेखापाल सह-कैशियर, जे.टी.डी.सी, राँची एवं अमरजीत कुमार, उम्र-43 वर्ष, पिता-स्व. रिपुसुदन प्रसाद सिंह, पता-फ्लैट नंबर 103, हरिगोपाल अपार्टमेंट, प्रेमनगर, लटमा रोड, सिंहमोड़, हटिया, राँची, तत्कालीन शाखा प्रबंधक, केनरा बैंक, निफ्ट ब्रांच को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई।पूछताछ के क्रम में इन दोनों ने इस कांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार करते हुए अन्य साजिशकर्ता व्यक्तियों के नाम तथा उनकी संलिप्ता के बारे में बताया, जिसमें से पुलिस के द्वारा रूद्र सिंह उर्फ समीर कुमार, पिता-स्व. चंद्रमा साह, पता-सेक्टर-8ए, स्ट्रीट-11, मकान नंबर 2253, बोकारो एवं लोकेश्वर साह उर्फ लोकेश, पिता-स्व. गोविन्द साह, ग्राम-अपर दाउदनगर, डिबडीह, राँची को हिरासत में लेकर इनसे पूछताछ की गई।

दिव्यांग बच्चों ने पूजा मंडप का फीता काटा

संवाददाता। धनबाद

नारायणी चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित जगजीवन नगर स्थित दिव्यांग बच्चो की विशेष स्कूल पहला कदम के दिव्यांग बच्चो ने बुधवार को पुराना बाजार रतनजी रोड मारवाड़ी मोहल्ला धनबाद के श्री श्री सार्वजनिक दुर्गा पूजा मंडप का शुभारंभ किया. सभी दिव्यांग बच्चे ,सचिव अनिता अग्रवाल और सुपरवाइजर कौशल अग्रवाल ने पूजा मंडप का फीता काटा. इसके बाद बच्चों ने माता के समक्ष एक भक्तिमय नृत्य की प्रस्तुति की.आयोजकों के द्वारा सभी बच्चों को जलपान वितरित कर पूजा के अवसर पर स्कूल बैग भेंट किया गया .सभी बच्चों ने उपहार प्राप्त कर काफी प्रसन्नता जाहिर की. सचिव अनिता अग्रवाल व पहला कदम परिवार ने कहा कि ये उनका सौभाग्य की इन दिव्यांग बच्चों के हाथों से मंडप का शुभारंभ किया गया. ये बच्चे भी भगवान के ही अंश हैं. हम सभी को इनकी यथा संभव मदद करनी चाहिए ताकि ये बच्चे भी अपने आपको सामान्य बच्चों की तरह जान सके. पहला कदम परिवार ने पुराना बाजार रतनजी रोड मारवाड़ी मोहल्ला के सार्वजनिक पूजा समिति के अध्यक्ष संजय सवारियां, सचिव प्रदीप अग्रवाल और पूरी टीम का आभार प्रकट करते हुए कहा की हमारे दिव्यांग बच्चों को ये सौभाग्य देकर इन बच्चों को स्पेशल महसूस करा इनके चेहरे पर आई हुई मुस्कान भगवान की सेवा के समान ही है.

ब्रीफ खबरें

आज़ाद नगर से चैता-नरियाही टाड़ से भेंडरा रोड का शिलान्यास

गोमो। ग्रामीण कार्य विभाग से बनने वाली दो सड़क आजाद नगर से चैता बस्ती तक तथा दूसरा नरियाही टांड़ से भेंडरा मुख्य सड़क का शिलान्यास बुधवार को स्थानीय विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने नारियल फोड़कर किया. इस मौके पर विधायक के कई समर्थक उपस्थित थे. ग्रामीणों का आरोप है कि शिलान्यास शिलापट्ट पर योजना संख्या एवं उसकी लागत राशि अंकित नहीं किए गए हैं. योजना की राशि ग्रामीणों से छुपाई गई है. आरोप है कि जनता के साथ छलावा है. विकास के मद में गुणवत्तापूर्ण कार्य नहीं किए जाते हैं. विधायक शिलान्यास करते हैं पर अनियमितता पर संज्ञान कभी नहीं लेते हैं. ग्रामीणों द्वारा विरोध किए जाने पर भी विधायक कभी संज्ञान नहीं लिया है.

दुर्गा मन्दिर में माता रानी की सप्तम स्वरूप महाकाल की पूजा

महुदा। शारदीय नवरात्रि के अवसर पर बुधवार को माता रानी के सप्तम स्वरूप महाकाल रात्रि की पूजा अर्चना विधि विधान से की गई. इसके साथ ही सभी मंदिरों एवं पूजा पंडालों में लोगों के दर्शन के लिए मां के पट खोल दिए गए. अधिकांश जगहों पर माता के वैष्णव स्वरूप वैष्णवी पूजा की गई1 वहीं कुछ मंदिरों में जहां बलि प्रथा होती है वहां बाली पूजा हुई. इस अवसर पर क्षेत्र के तेलमोचो रामनगरगढ़ राजबाड़ी, तेलमोचो ग्राम बजार, महुदा रेलवे कॉलोनी, मुरूलीडीह, लोहापट्टी कोलियरी ऑफिस, जमडीहा लाला बाड़ी, भाटडीह कोलियरी, में भी आयोजन किया गया है. सभी जगह मेला में विभिन्न प्रकार की दुकानें लगनी एवं सजनी शुरू हो गई है. तेलमोचो रामनगरगढ़ स्थित दुर्गा मंदिर में राज परिवार द्वारा परंपरागत तरीके से पूजा अर्चना की गई. राज परिवार के पूर्व जिप सदस्य मुरारी मोहन सिंह एवं उनकी पत्नी तेलमोचो पैक्स अध्यक्ष जगदंम्बा सिंह पूजा में यजमान के रूप में मौजूद रदे और दुर्गा मां की पूजा अर्चना की.

महिला गांजा तस्कर गिरफ्तार, 12 किलो गांजा बरामद

धनबाद। वरीय पुलिस अधीक्षक धनबाद को गुप्त सूचना मिली कि बाघमारा थाना क्षेत्र के स्टेशन रोड में भारी मात्रा में अवैध गांजा का खूदरा एवं थोक बिक्री की जाती है. इस पर कार्रवाई के लिए वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार टीम का गठन किया गया. टीम द्वारा संध्या करीब 06:30 बजे स्टेशन रोड बाघमारा में गीता देवी उम्र करीब 40 वर्ष, पति संजय साव के घर पर छापेमारी की गई. छापेमारी के क्रम में गीता देवी के घर से 12 किलो ग्राम गांजा, 6330 रूपया, 01 मोबाईल तथा 30 लीटर अवैध महुआ शराब बरामद किया गया. उसके खिलाफ बाघमारा थाना कांड संख्या - 63/24, धारा-274/275/291 बीएनएस 20बी0 (ii), एनडीपीएस एवं 47 ए एक्साईज एक्ट में कांड दर्ज किया गया. अभियुक्त गीता देवी को गिरफ्तार कर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है.

कांग्रेस नेता रोहित यादव ने किया पूजा पंडाल का उद्घाटन

संवाददाता। कतरास

शारदीय नवरात्रि दुर्गा पूजा के मौके पर अकाशकिनारी काली मंदिर प्रांगण में स्थापित मां दुर्गा पूजा पंडाल का बुधवार को कांग्रेस नेता रोहित यादव ने उद्घाटन किया. इस दौरान समिति के लोगों ने कांग्रेस नेता रोहित यादव को अंग वस्त्र देकर एवं माला पहनकर स्वागत किया गया.उद्घाटन समारोह में मौके पर रणधीर ठाकुर मंदिर के पुजारी मनोज पांडे , प्रकाश यादव,सौकत अली पप्पू दूबे ,सोनू शर्मा ,दीपक सिंह भोला दास शशि सिंह विशाल यादव मुलायम ,कल्लू ,गुड्डू जाग़ीरा, राजू यादव ,राजा सिंह ,बबलू सिंह,मों मिराज ,सूरज रमेश रजक अभिषेक महतो रणजीत यादव, अनुराग आदि मौजूद थे.

अन्तर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर डीसी ने किया पौधरोपण

संवाददाता। धनबाद

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के तहत अन्तर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर बुधवार को उपायुक्त माधवी मिश्रा, वरीय पुलिस अधीक्षक ह्रदीप पी जनार्दनन तथा एडीएम लॉ एंड ऑर्डर पीयूष सिन्हा ने एक पेड़ बेटी के नाम के तहत पौधारोपण किया. साथ ही बेटी बचाओ-बेची पढ़ाओ योजना एवं पोषण के पंच-सूत्र का संदेश दिया. इस दौरान उपायुक्त ने माताओं को अपने स्वास्थ्य तथा बच्चियों के स्वास्थ्य, पोषण एवं शिक्षा पर विशेष ध्यान देने का आग्रह किया. साथ ही सरकार द्वारा बेटियों के कल्याणार्थ चलाई जाने वाली विभिन्न योजनाओं की जानकारी साझा करते हुए उनका लाभ प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया. मौके पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनिता कुजूर, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा नियाज़ अहमद के अलावा समाज कल्याण विभाग के कर्मी उपस्थित थे.

सरायढेला पंडाल का किया उद्घाटन

धनबाद। बुधवार की शाम में श्री श्री दुर्गा पूजा कमिटी, सरायढेला, धनबाद के पूजा पंडाल एवं मेला का उदघाटन धनबाद उपायुक्त माधवी मिश्रा द्वारा किया गया. साथ में विशिष्ट अतिथि के रूप में जिटा के अध्यक्ष एवं जेएमएम व्यवसायिक प्रकोष्ठ के केंद्रीय अध्यक्ष चित्रांश अमितेश सहाय जी एवं प्रसिद्ध उद्योगपति तथा समाज सेवी नंदलाल अग्रवाल भी उपस्थित होकर इस आयोजन को सफल बनाने में सहयोग किए. कमिटी के संरक्षक रेखा मंडल तथा अध्यक्ष पंकज प्रसाद सिंह भी उपस्थित थे.

कार व बाइक के टक्कर में बाइक सवार गंभीर

पुटकी। पुटकी थाना क्षेत्र के पुटकी भागा लिंक रोड सरकारडीह तालाब के नज़दीक कार व बाइक में हुई ज़ोरदार टक्कर में बाइक सवार धनेश्वर महतो गंभीर रूप से घायल हो गये उन्हें धनबाद रेफ़र किया गया. घटना के संबंध में बताया जाता है की बुधवार की देर रात लगभग 7 पुटकी बाज़ार की तरफ़ से आ रही बाइक नंबर जेएच10एल1331 व भागाबांध की ओर से आरही कार नंबर जेएच10एएच1204 में ज़ोरदार टक्कर हो गई. जिसमे बाइक सवार धनेश्वर महतो उम्र 61 वर्ष कच्छी बलिहारी 10 नंबर के रहने गंभीर रूप से घायल हो कर सड़क पर गिर गए. वही कार चालक व कार में सवार एक अन्य मौका देख कार को छोड़ भाग खड़े हुए . हो हल्ला के बाद ग्रामीण ने घायल को आनन-फ़ानन में पुटकी स्तिथ एक निजी अस्पताल में लाया गया. जहां प्राथमिक इलाज कर धनबाद बेहतर इलाज के लिए ले जाया गया. पुलिस घटना स्थल पर पहुँच गाड़ियों को अपने कब्ज़े में ले थाना ले आयी.

निरसा सीएचसी में जन्मजात ह्रदय रोग पर कार्यशाला

संवाददाता। निरसा

निरसा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बुधवार को जन्मजात ह्रदय रोग पर एक कार्यशाला आयोजन किया गया. कार्यशाला में शिक्षा विभाग एवं बाल विकास विभाग के प्रतिनिधि भी शामिल हुये. कार्यशाला की अध्यक्षता सीएचसी के प्रभारी चिकित्सक डॉ संजय कुमार ने की. डॉ संजय कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि जन्मजात बच्चों में ह्रदय रोग की बीमारी जन्मजात दोष है. इसके निदान के लिये सरकार सतत प्रयत्नशील है. जन्म से लेकर 15 साल के बच्चों को आधुनिक तकनीक से जांच की जाएगी. जगह जगह कैम्प लगाकर जानकारी दी जा रही है.उन्होंने बताया कि निरसा विधानसभा के कलियासोल प्रखंड में 23 से 28 अक्टूबर तक पांच जगह, निरसा प्रखण्ड में 29 से 8 नवंबर तक छह स्थानों पर एवं एग्यारकुण्ड प्रखण्ड में 9 से 13 नवंबर तक चार कैम्प लगाकर लोगों को जानकारियां दी जाएगी. डॉ कुमार ने बताया कि ह्रदय रोग में सामान्य काम करने के तरीके प्रभावित होते हैं. जिन मां को रूबेला ,मधुमेह की बीमारी गर्भावस्था में होती है. उन बच्चों को सीएचडी होने का ज्यादा चांस रहता है.उन्होंने कहा कि ह्रदय रोग से ग्रषित बच्चों में तेज धड़कन, वजन का न बढ़ना,शरीर का नीला हो जाना,बार बार सर्दी जुकाम का होना, सांस लेने में तकलीफ, स्तनपान पर पसीना आना मुख्य लक्षण है.

आसनसोल

सालानपुर बेंजीमारी कोलियरी में विशाल केदारनाथ के दिव्य दर्शन

कार-बाइक की टक्कर बाइक चालक घायल

बराकर। आसनसोल-कोलकाता राष्ट्रीय राजमार्ग 19 पर चौरंगी फाड़ी के पास दामागोडिया रेलवे ब्रिज के निकट एक कार और बाइक की टक्कर में बाइक चालक घायल हो गया. इस हादसे में चार चक्का वाहन खेत में घुस गया, लेकिन इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है. बताया जाता है कि चार चक्का वाहन बिहार के बक्सर से मेदनीपुर जा रही थी. यह हादसा कुल्टी के पास दामागोडिया के पास हुआ. पुलिस मौके पर पहुंची और बाइक चालक को बचाकर इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा. चार चक्का वाहन सड़क के किनारे खेत में घुस गया, जहां सभी सुरक्षित बच निकले.

रानीगंज में पूजा कमेटी को पुरस्कार से किया सम्मानित

संवाददाता। रानीगंज

सुरक्षा संस्था, पीवी टीवी एवं नेशनल जर्नलिस्ट एसोसिएशन के तत्वाधान में पूजा कमेटी को पुरस्कृत किया गया. पूजा कमेटी को अतिथियों के द्वारा मोमेंटो देकर पुरस्कृत किया गया. मुख्य रूप से उपस्थित रानीगंज के बोरो चैयरमेन मुजम्मिल शहजादा, पार्षद ज्योति सिंह, उद्योगपति रविंद्र चौधरी, प्रदीप सराफ, वरिष्ठ पत्रकार कुमार जितेंद्र, सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे. राजवाड़ी उदय संघ दुर्गा पूजा कमेटी, रेलवे दुर्गा पूजा कमेटी, शिशु बागान मैदान दुर्गा पूजा कमेटी एवं महिलाएं द्वारा आयोजित की जाने वाली पूजा प्रमिला संघ दुर्गा पूजा कमेटी को पुरस्कृत किया गया. कार्यक्रम के संयोजक सरदार दलजीत सिंह वाधवा ने कहा कि पूजा कमेटी को पुरस्कार देने के लिए निर्णायक मंडली के पांच सदस्यों को नियुक्त किया गया था विभिन्न मापदंडों के आधार पर पूजा के कमेटीयो को पुरस्कृत किया गया है. पिछले कई वर्षों से पुरस्कार देने की यह परंपरा चलती आ रही है. उद्योगपति रविंद्र चौधरी ने कहा कि पूजा कमेटियों का मनोबल बढ़ाने के लिए उन्हें पुरस्कार दिया जाना जरूरी है रानीगंज शहर में सभी जाति धर्म के लोग एकता पूर्व के पर्व मनाते हैं एवं पर्व का आनंद उठाते हैं. रानीगंज के बोरो चैयरमेन मुजम्मिल शहजादा ने कहा कि रानीगंज शहर ऐतिहासिक शहर है जहां सभी संप्रदाय के लोग मिलजुल कर एकता का संदेश देते हुए पूजा त्यौहार मनाते हैं इस वर्ष भी दुर्गा पूजा काफी उल्लास से मनाई जा रही है नगर निगम की तरफ से हर तरह का सहयोग पूजा कमेटीयो को दिया जा रहा है.

न्यू लाइफ सोशल वेलफेयर सोसाइटी ने जरूरतमंद बच्चों के बीच बांटे वस्त्र

संवाददाता। बराकर

न्यू लाइफ सोशल वेलफेयर सोसाइटी द्वारा पिछड़े वर्ग के बच्चों में वस्त्र वितरण किया गया. सोसाइटी क्षेत्र में लगातार सेवा कार्य कर रही है. इसी क्रम में, सोसाइटी के सदस्यों ने वार्ड नंबर 103, बिरला कारखाने के पीछे काठ क्वार्टर इलाके में लगभग 100 से अधिक जरूरतमंद बच्चों को वस्त्र वितरित किए. संस्था के सचिव दुलाल शर्मा ने बताया, दुर्गा पूजा बंगाल का सबसे महत्वपूर्ण त्यौहार है, लेकिन कई जरूरतमंद परिवार अपने बच्चों के लिए नए वस्त्र नहीं ला पाते हैं. इससे उनका पूरा त्यौहार बिगड़ जाता है. संस्था ने इस इलाके के 100 से अधिक बच्चों को वस्त्र प्रदान किए ताकि वे भी इसे पहनकर हर्षोल्लास के साथ त्यौहार का आनंद ले सकें. इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष दिनेश कुमार शर्मा, दीनानाथ दास, नकुल दास, विप्लव चक्रवर्ती, रामू सिंह आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे.

महिलाओं के बीच किया वस्त्र वितरित

रानीगंज। लायंस क्लब की ओर से दुर्गा पूजा त्योहार के अवसर पर आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाओं को वस्त्र वितरित किए गए. इस अवसर पर लायंस क्लब महिला विंग की प्रमुख चैताली बसु, शशि कौर, रितु क्याल, मेघा कालोटिया, मनजीत सिंह सहित कई सदस्य उपस्थित थे. लायंस क्लब के कोषाध्यक्ष शशि कौर ने बताया, हम निरंतर सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं और पूजा त्योहार के अवसर पर जरूरतमंदों को नए वस्त्र प्रदान करते हैं. हम आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों के चेहरे पर खुशियां लाने का प्रयास करते हैं और उनके साथ कुछ पल बिताते हैं. इस अवसर पर लायंस क्लब की ओर से शिशु बागान दुर्गा पूजा कमेटी में वाटर हट का भी आयोजन किया गया. श्रद्धालुओं को स्वच्छ मिनरल वाटर की व्यवस्था के लिए लायंस क्लब के स्वर्गीय भगवती प्रसाद क्याल की स्मृति में वाटर हट कैंप लगाया गया है.

सांकतोड़िया में साइकिलों से हो रही कोयला की बिक्री

संवाददाता। सांकतोड़िया

कुल्टी के विभिन्न स्थानों से अवैध खनन द्वारा चोरी की गई कोयला सांकतोड़िया अंचल और आसपास के क्षेत्रों में साइकिलों के माध्यम से अवैध रूप से बेचा जा रहा है. सूत्रों के अनुसार, अवैध उत्पादित कोयला इन क्षेत्रों में कई घरों और चाय-नाश्ते की दुकानों की जीवन रेखा है. लंबे समय से चल रहे इस अवैध कारोबार पर रोक लगाने की बात कही जा रही है, लेकिन अब तक इस पर पूरी तरह से अंकुश नहीं लगाया जा सका है. सूत्र बताते हैं कि कुल्टी से होते हुए अंदरूनी रास्ते से साइकिलों द्वारा अवैध उत्पादित कोयला गंगुटिया होते हुए सांकतोड़िया नोनिया बस्ती के रास्ते सांकतोड़िया, डिसरगढ़, शीतलपुर, नदीघाट सहित संलग्न क्षेत्रों में बेचा जा रहा है. प्रत्येक साइकिल पर 8-10 बोरियां कोयला लदी होती हैं. इनमें साइकिलों पर लदे कोयले को दामोदर नदी पार नितुरिया थाना क्षेत्र में भी भेजा जाता है. कोयला कारोबारी नितुरिया पुलिस के डर से सुभाष सेतु से हटकर नदी में नाव के माध्यम से नदी पार कर पारबेलिया, हिजुली अंचल में ग्राहकों को बेचते हैं. अवैध आयातित कोयला इन क्षेत्रों में छोटी चाय-नाश्ते की दुकानों को जीवन देता है. इसके बिना, दुकानें बंद हो जाएंगी और लोगों को दुकानों में चाय-नाश्ता भी नहीं मिलेगा.

बराकर बैगुनिया सार्वजनिक दुर्गापूजा पंडाल

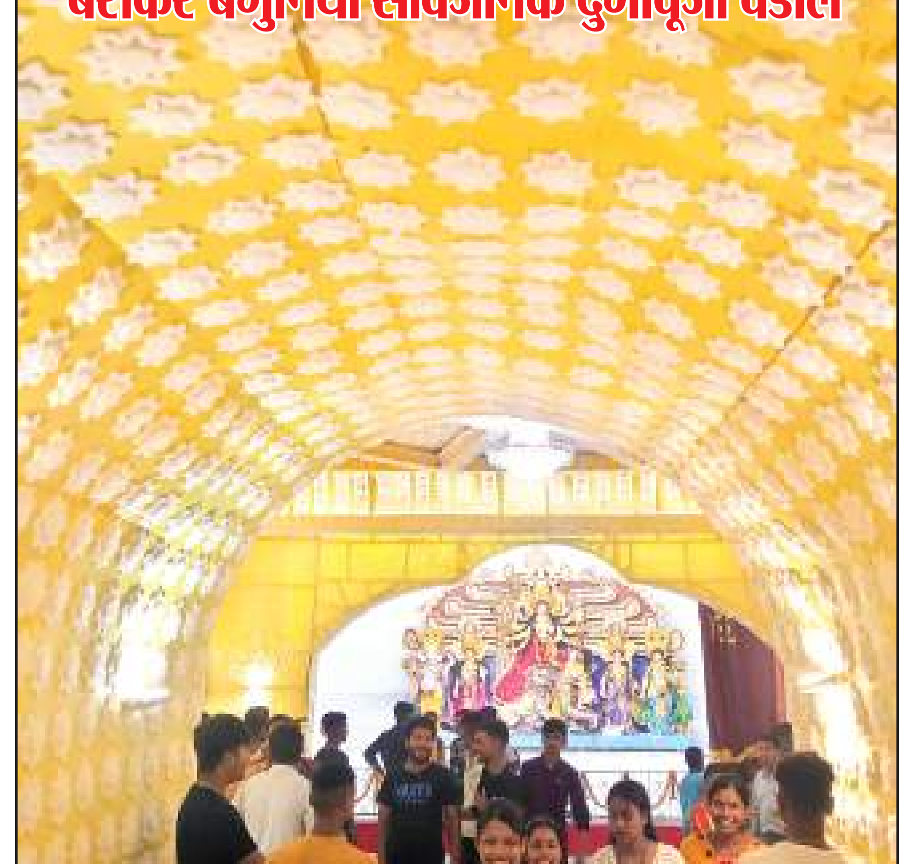

ब्रीफ खबरें

साहेबगंज स्टेशन पर तेजस राजधानी का ठहराव आज से

साहेबगंज। अगरतला-आनंद बिहार तेजस राजधानी का ठहराव गुरुवार से साहेबगंज स्टेशन पर होगा. साहेबगंज-हावड़ा इंटरसिटी भी गुरुवार से साहिबगंज स्टेशन से नियमित रूप से चलने लगेगी. दोनों ट्रेनों का हरी झंडी दिखाकर रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव करेंगे. यह सूचना मालदा डिविजन के डीआरएम मनीष कुमार गुप्ता ने अपने पत्र के माध्यम से प्रेस को मिला.

दृष्टि ने नीट में की क्वालीफाई

बोकारो। बोकारो के मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल की छात्रा दृष्टि परमार ने नीट परीक्षा में क्वालीफाई कर स्कूल का मान बढ़ाया है. स्कूल में बुधवार को आयोजित समारोह में स्कूल कमेटी के अध्यक्ष हरिमोहन झा ने दृष्टि को सम्मानित किया और मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दी. दृष्टि ने 10 वीं बोर्ड की परीक्षा 96.6 प्रतिशत व 12 वीं बोर्ड की परीक्षा 93.8 प्रतिशत अंक के साथ पास की थी. उसके पिता चेतन परमार बीपीएससीएल में एजीएम के पद पर कार्यरत हैं, जबकि माता जागृति परमार गृहिणी हैं. पिता ने बताया कि दृष्टि शुरू से ही पढाई में होनहार रही है. विद्यालय के सचिव पीके झा 'चंदन' ने बताया कि दृष्टि 12 वीं की परीक्षा में स्कूल टॉपर रही है. स्कूल प्रबंधन विद्यार्थियों को नई तकनिक पर आधारित शिक्षा व अन्य जरूरी संसाधन सुलभ करा रहा है, ताकि आगे चलकर बच्चे बेहतर कर सकें.

संकल्प सृजन संस्था ने किया कन्या पूजन

बोकारो। बोकारो की सामाजिक संस्था संल्प सृजन ने शहर के सेक्टर-2 डी स्थित श्री श्यामामाई काली मंदिर में कन्या पूजन अनुष्ठान का आयोजन किया. सर्वप्रथम भगवती स्वरूपा आमंत्रित 51 कन्याओं के चरण धोकर आदि शक्ति मां दुर्गा की वंदना की गई. चुंदरी,आलता, कुमकुम, अक्षत, तिलक से श्रृंगार कर आरती उतारी गई. तत्पश्चात खीर, फल, मिठाई का भोग अर्पण कर श्रद्धा भाव से प्रसाद ग्रहण करवाया गया. कन्याओं को उपहार स्वरूप रूमाल, श्रृंगार सामग्री, कॉपी, पेंसिल, पेंसिल बॉक्स व दक्षिणा भेंट की गई. सभी आमंत्रित कन्याएं अभिवंचित बस्तियों की थीं. साध्वी झा ने कहा कि अनादि काल से देवी शक्ति पूजनीय हैं. जब भी सृष्टि पर कुदृष्टि पडी, राक्षसी प्रवृत्तियों ने तहस-नहस करना चाहा, तो सृष्टिकर्ता ने देवी शक्ति को जाग्रत कर उन्हें आगे किया. वही देवी शक्ति हमारे बीच मां, बहन, पत्नी, पुत्री के साथ ही अनेक संबंधों के रूप में सृष्टि का वरदान हैं. नवरात्र के नौ दिन पारंपरिक पूजा-अर्चना का तो है ही. इसमें कन्या पूजन का विशेष महत्त्व है.

उपायुक्त ने कई विभागों के साथ की बैठक

साहिबगंज। बुधवार को उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में कृषि विभाग, सहकारिता विभाग, पशुपालन विभाग, मत्स्य विभाग, उधान विभाग, भूमि संरक्षण,लघु सिंचाई, जेएसएलपी, मनरेगा की अभिसरण की समीक्षात्मक बैठक की गई. बैठक में विभागों द्वारा दिए गए टारगेट एवं उनके अनुसरण किये जा रहे विषय की जानकारी प्राप्त की एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए. उपायुक्त द्वारा जिला में नोडल लैंपस की जानकारी एवं निर्देशित करते हुए कहा कि प्रत्येक प्रखण्ड में नोडल लैंपस को जल्द स्थापित करना सुनिश्चित करें. पशुपालन एवं गव्य विभाग को दिए गए टारगेट के विषय में जानकारी लेते हुए ससमय दिए गए कार्य को पूर्ण करने को कहा.

बोकारो के दो नए अपर लोक अभियोजक का स्वागत

बोकारो। बोकारो के दो अपर लोक अभियोजक सर्वेश आनंद एवं रवि शंकर चौधरी ने बुधवार को बोकारो के नए अपर लोक अभियोजक ने पदभार ग्रहण किया. इससे पूर्व दोनों गिरिडीह जिले में पदस्थापित थे. दोनों पदाधिकारियों को इंडियन एसोसिएशन ऑफ लॉयर्स ने बधाई और शुभकामनाएं दी. एसोसिएशन के नेशनल कौंसिल मेंबर रणजीत गिरि ने गुलदस्ता भेंट कर पदाधिकारियों को शुभकामना और बधाई दी. इस अवसर पर अधिवक्ता संतोष कुमार श्रीवास्तव, संजीत कुमार सिंह, दीपिका सिंह, संदीप कुमार, अतुल कुमार, राज श्री, अंकित ओझा, सुनील चांडक, कामदेव पाठक, वंशिका सहाय, मो. हसनैन आलम, रंजन कुमार मिश्रा, फटिक चंद्र सिंह, राणा प्रताप शर्मा, संजय कुमार प्रसाद, ओम प्रकाश लाल, विजय कुमार समेत दर्जनों अधिवक्ता मौजूद थे.

पीएन सिंह ने लोहांचल पूजा पंडाल का किया उद्घाटन

संवाददाता। बोकारो

निवर्तमान धनबाद सांसद ने बुधवार को लोहांचल दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन किया. इस अवसर पर उन्होंने पूजा अर्चना कर राज्य और देश की खुशहाली की कामना की. सिंह ने कहा कि यहां की पूजा आडंबर रहित है और यहां पूजा करने में घर सा सकून मिलता है. त्योहार हमारी संस्कृति की पहचान है, जो हमें जोड़ने का काम करती है.

दुर्गा पूजा में मां शक्ति की पूजा की जाती है और शक्ति से ही सृष्टि का संचार हुआ है. यह शक्ति उपासना का पर्व है, जो जन-जन को जोड़ने का काम करती है. साथ ही जन-जन को जोड़ते हुए झारखंड राज्य और भारत को विकास की नई ऊंचाई पर पहुंचाने के लिए शांति, एकता और सद्भावना के साथ त्योहार मनाए.

अजय चौधरी ने कहा कि लोहांचल दुर्गा पूजा का आयोजन पिछले 19 वर्षों से निर्बाध किया जा रहा है. उद्घाटन उपरांत सभी खिचड़ी प्रसाद ग्रहण की.

इस अवसर पर पूर्व गिरिडीह सांसद रविन्द्र कुमार पांडेय, हरे राम मिश्रा, भैया आरएन ओझा, मृगेंद्र प्रताप सिंह, विद्या सागर सिंह, ललन सिंह, अखिलेश सिंह, एके वर्मा सहित बियाडा व लोहांचल के नागरिक वृंद उपस्थित रहे.

दुर्गा पूजा के लिए गिरिडीह जिला प्रशासन ने जारी किया ट्रैफिक प्लान

8 से 14 अक्टूबर तक रहेगा प्रभावी

खास बातें

- भारी वाहनों के लिए शहर के अंदर प्रवेश होगा वर्जित
- निर्धारित रूट से विचलन पर होगी सख्त कार्रवाई
- 5 स्थानों पर बनाए गए हैं अस्थायी पार्किंग

संवाददाता। गिरिडीह

जिला प्रशासन ने दुर्गा पूजा को लेकर शहर में टावर चौक समेत अन्य रूटों का ट्रैफिक प्लान जारी किया है. मगंलवार को सुबह 9 बजे से यह लागू भी हो गई. इसमें शहर के 11 स्थानों से होकर गुजरने वाली सड़कों को शामिल किया गया है. ट्रैफिक प्लान 8 से 14 अक्टूबर तक प्रभावी रहेगा. इस दौरान ऑटो, ई-रिक्शा, कार, बाइक और बसों के परिचालन को लेकर रूट निर्धारित किया गया है. वाहनों के मार्ग में बदलाव किया गया है. वहीं, कई सड़कों पर ऑटो और ई-रिक्शा के लिए भी नो-एंट्री लगा दी गई है. साथ ही शहर के बाहर बने सभी टोल संचालकों को निर्देश दिया गया है कि भारी वाहनों को सुबह 9 बजे के रात के 2 बजे तक किसी भी हाल में शहर के अंदर प्रवेश करने नहीं दें, ताकि श्रद्धालुओं को आने-जाने में किसी भी प्रकार की परेशानी न हो.

वहीं, जिन पांच स्थानों को अस्थायी पार्किंग बनाया गया है, वहां कार, बस, ऑटो और ई-रिक्शा को खड़ा किया जाना है. शहर में निर्धारित रूट पर नहीं चलने वाले वाहनों पर प्रशासन की ओर से सख्त कार्रवाई करने का निर्देश भी है. ताकि, शहर में पूजा पंडाल के साथ मेला घूमने निकलने वाले लोगों को दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़े. पूजा के दौरान बदलाव किए रूट के तहत इन 11 रूट पर छोटे वाहन प्रवेश कर सकेंगे. इनमें अंबेडकर चौक से टेम्पो स्टैंड सड़क, काली बाड़ी से टावर चौक, मकतपुर चौक से बरगंडा चौक, बजरंग चौक से बीबीसी चौक, कालीबाड़ी चौक से पदम चौक, पदम चौक से मछली पट्टी रोड़, तिरंगा चौक से बड़ा चौक, स्टेशन रोड से बनटोली तक और तिरंगा चौक से गांधी चौक तक शामिल हैं. इन सड़कों पर भारी वाहनों के लिए आवागमन पूरी तरह से बंद रहेगा. जिला प्रशासन की ओर से पूजा के दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए पांच स्थानों पर वाहन पार्किंग बनाई गई हैं, ताकि वहां पर वाहन खड़ा कर पंडाल जाकर पूजा-अर्चना कर सकें.

उत्पाद विभाग की टीम पर शराब तस्करों ने किया तीन राउंड फायरिंग

छापेमारी में चालीस पेटी अवैध शराब बरामद, संचालक फरार

संवाददाता। गोड्डा

तस्करी करने की नियत से अवैध रूप से अंग्रेजी शराब को छुपाकर रखे होने की सूचना पर पहुंची उत्पाद विभाग की टीम पर तीन राउंड फायरिंग किया गया. घटना बीते रात्रि करीब दस बजे पथरगामा थाना अंतर्गत ग्राम बोहा की है. उत्पाद विभाग गोड्डा की टीम को यह खबर मिली कि गांव के बाहर पानी टंकी के समीप पेड़ के नीचे काले तिरपाल से ढककर अंग्रेजी शराब के कई कार्टून को रखा गया है, जिसे देर रात्रि बॉर्डर पार कर बिहार भेजा जायेगा. इस सूचना पर उत्पाद विभाग के निरीक्षक निलेश सिन्हा के नेतृत्व में विभाग की टीम ने बोहा गांव पहुंच कर छापेमारी किया तो पेड़ के नीचे रखे अंग्रेजी शराब के बोतल से भरी चालीस पेटी को बरामद किया गया. इसी क्रम में तस्करों ने अंधेरे में छुपकर छापेमारी टीम पर तीन राउंड फायरिंग कर दिया. जिसमें टीम के सदस्य बाल-बाल बच गए, जानमाल का कोई नुकसान नहीं हुआ. घटना की सूचना पथरगामा थाना को दिए जाने के बाद पुलिस टीम ने घटनास्थल का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया.

चोरी की मोटरसाइकिल के साथ एक गिरफ्तार, दो फरार

गोड्डा। चोरी की मोटरसाइकिल पर सवार होकर आ रहे तीन युवकों में से एक को पकड़ लिया गया, जबकि दो युवक भागने में सफल रहा. घटना बीते संध्या मुफ्फसिल थाना क्षेत्र अंतर्गत दोमुही चौक की है. एसडीपीओ अशोक रविदास के अनुसार गोड्डा मुफ्फसिल थाना की पुलिस नियमित गश्ती पर थी, इसी क्रम में हरना पुल की तरफ से एक बाइक पर सवार होकर तीन युवक गोड्डा की तरफ आ रहे थे. गश्ती दल द्वारा रुकने का इशारा करने पर बाइक सवार तेजी से भागने लगा. पुलिस द्वारा पीछा करने पर दो युवक तो भागने में सफल रहा, जबकि तीसरे युवक को बाइक समेत पकड़ लिया गया. पूछताछ पर युवक ने बताया कि बाइक चोरी की है, जिसका कोई कागजात उसके पास नहीं है. शाम में बाइक की चोरी करने के नियत से ही निकले थे, लेकिन पुलिस टीम को देखकर लौट गए. युवक की पहचान जोसेफ मंडल उर्फ जोसेफ रंजन, पिता सुभाष मंडल, ग्राम मछिया सिमरडा के रूप में हुई. युवक के पास से बरामद टीवीएस बाइक को जब्त करते हुए युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया. फरार साथियों की तलाश की जा रही है. पुलिस टीम में थाना प्रभारी कृष्णा कुमार साह, पुअनि अंजनी कुमार झा सहित अन्य जवान शामिल थे.

बीएसएल में 19 अक्टूबर को हड़ताल

वेज रीविजन में धांधली के खिलाफ आंदोलन करेंगे कर्मचारी

संवाददाता। बोकारो

बीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ द्वारा 19 अक्टूबर को बुलाई गई हड़ताल का बीएसएल कर्मचारी खुल कर समर्थन कर रहे हैं. सिंटर प्लांट के सभी अनुभागों में कार्यरत कर्मचारियों ने सामुहिक संकल्प लिया कि वह पूरे मनोयोग के साथ हड़ताल में भागिदारी करेंगे. सेल प्रबंधन द्वारा वेज रीविजन में की गई धांधली तथा एक तरफा बोनस राशि खाते में डालने के कारण बीएसएल कर्मचारी आंदोलित है. विशाल मशाल जुलूस तथा मौन प्रदर्शन के बाद बीएसएल कर्मचारी स्वतः संकल्प ले रहे हैं कि वह हड़ताल करेंगे. अब तो हालत यह है कि बीएसएल कर्मचारी, प्रबंधन तथा एनजेसीएस यूनियनों के विरोध में हाथ से लिखा पोस्टर अपने विभाग में लगा रहे हैं. साथ ही एनजेसीएस यूनियनों के स्थानीय नेताओं को मुंह पर भला बुरा सुना रहे हैं.

वेज रीविजन का एमओए नहीं होने, बकाया एरियर राशि रीलिज नहीं करने, यूनियन चुनाव नहीं कराने, बोनस फॉर्मूला को संशोधित नहीं करने, कर्मचारियों के साथ कमेटी, काउंसिल का गठन नहीं करने के कारण भी बीएसएल कर्मचारी आंदोलित हैं.

संकल्प सभा को संबोधित करते हुए अध्यक्ष हरिओम ने कहा कि आखिर हम बीएसएल कर्मचारी क्या करें. सेल प्रबंधन सिर्फ एक वर्ग को ही एसेट मानती है , कर्मचारियों के साथ सौतेला व्यवहार किया जाता है. जबकि सेल का मुनाफा, बिक्री, उत्पादन में सबसे अधिक भूमिका कर्मचारी वर्ग की है, क्योंकि वही ग्राउण्ड पर मौजूद रहते हैं.

वहीं सभा को संबोधित करते हुए महासचिव दिलीप कुमार ने कहा कि एनजेसीएस नेताओं की औकात पता चल गया है. कर्मचारी तो छोड़िए अब ठेका मजदूर भी उनके साथ नहीं हैं. सेल बीएसएल के पढ़े लिखे कर्मचारी अब इनके झाँसे में नहीं आने वाले हैं.

सीसीएल कथारा के जीएम ने पूजा पंडाल का किया निरीक्षण

संवाददाता। कथारा (बोकारो)

सीसीएल कथारा क्षेत्र के जीएम (महाप्रबंधक) संजय कुमार ने बुधवार की सुबह जारंगडीह स्थित दुर्गा पूजा पंडाल व मेला परिसर का निरीक्षण किया. यहां पूजा पंडाल के बगल में कॉलोनी जाने वाली सड़क की ढलाई के लिए ठेकेदार ने खुदाई कर छोड़ दिया है. इससे मेला घूमने आने वाले भक्तों को असुविधा होगी. बेरमो विधायक अनूप सिंह के प्रतिनिधि विल्ससन फ्रांसिस ने गड्ढों व पंडाल के आसपास गंदगी की शिकायत जीएम से की थी. जीएम ने हर बिंदु पर जायजा लिया और सिविल विभाग के अधिकारियों को साफ-सफाई कराने व खोदे गए गड्ढों के पास रास्ता की व्यवस्था करने का निर्देश दिया. साथ ही जिम्मेदारों को समय पर काम पूरा नहीं कराने पर फटकार भी लगाई. कहा कि मेले में भक्तों को किसी भी तरह की असुविधा न हो इस बात का विशेष ख्याल रखें. कहा कि लापरवाही बरतने वाले ठेकेदार को ब्लैक लिस्टेड किया जाएगा. विधायक प्रतिनिधि ने जारंगडीह की विभिन्न कॉलोनियों में फैली गंदगी से भी जीएम को अवगत कराया. कहा कि महासप्तमी तिथि को भी ठीक से साफ-सफाई नहीं कराई गई है.

जमुआ के नए बीडीओ ने की समीक्षा बैठक, दिए कई निर्देश

जमुआ (गिरिडीह)।

हमलोग लोक सेवक है, जनता का काम ससमय करना मेरी पहली प्राथमिकता है, इसकी अवहेलना अगर कोई कर्मी करेंगे तो उसपर कार्रवाई की जाएगी. उक्त बातें जमुआ के नए बीडीओ अमल कुमार ने बुधवार को जमुआ प्रखंड सभागार में पहली समीक्षा बैठक में उपस्थित कर्मियों से कहा.

बैठक के पूर्व सभी कर्मियों से बारी-बारी से परिचय लिया गया. वहीं 79 दिनों के बाद हड़ताल से लौटे मनरेगा कर्मियों का सामुहिक योगदान लिया गया और सभी को तन मन से काम करने का निर्देश दिया. समीक्षा के दौरान बीडीओ ने सर्वप्रथम चुनाव से संबंधित समीक्षा किए. जिसमें अब तक का प्रोग्रेस रिपोर्ट को देखें एवं आवश्यकतानुसार कई महत्वपूर्ण निर्देश संबंधित कर्मियों को दिए. वहीं मनरेगा में बिरसा मुंडा आम बागवानी, वीर शहीद पोटो हो खेल मैदान, बिरसा संवर्धन सिंचाई कुप, जॉब कार्ड वेरिफिकेशन आदि का टारगेट एवं उसके अनुसार अबतक का अचीवमेंट को बारी-बारी से देखें एवं उसे शत प्रतिशत पूरा करने का निर्देश दिया .

समीक्षा के दौरान बीडीओ ने पीएम आवास के बीसी सुधीर कुमार से प्रखंड में संचालित सभी पीएम आवास एवं अबुआ आवास का पंचायत वार समीक्षा किये, वहीं उन्होंने पीएम आवास एवं अबुआ आवास का पंचायत वार टारगेट के अनुसार शीघ्र अभिलेख तैयार करने एवं अब तक अबुआ आवास में कार्य के अनुसार दूसरा एवं तीसरा क़िस्त शीघ्र भेजने का निर्देश दिया. वहीं मंईयां सम्मान योजना, पेंशन, केसीसी, कुसुम योजना, जनवितरण, आंगनबाड़ी एवं स्कूलों में माध्यन भोजन के लिए प्रखंड से चावल का नियामिय रूप से वितरण आदि का भी संबंधित कर्मियों से बारी-बारी से समीक्षा की.

गोमिया विधायक ने पथ निर्माण कार्य का किया भूमि पूजन

कसमार (बोकारो)। कसमार प्रखंड के दुर्गापुर एवं त्रियोनाला में ग्रामीण विकास विभाग की ओर से बुधवार को मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत दो पथ निर्माण कार्य का भूमि पूजन गोमिया विधायक डॉ लंबोदर महतो व अन्य पंचायत प्रतिनिधियों ने किया. इस दौरान दुर्गापुर पंचायत के डुंडाडीह आरइओ रोड से बरवाटांड़ तक एक किमी एवं त्रियोनाला आरइओ रोड से चुकादा तक एक किमी पथ निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया गया. इस दौरान गोमिया विधायक डॉ लंबोदर महतो ने कहा कि उन्होंने पांच साल के कार्यकाल में विधानसभा क्षेत्र के गांव-गांव में मुलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने का काम किया है. विकास का इतना काम अन्य किसी विधायक ने नहीं किया है. पुल पुलियों से लेकर सड़क समेत हजारों बड़े छोटे विकास योजनाओं को जमीन पर उतारा गया है. मौके पर गोमिया विधायक डॉ लंबोदर की धर्मपत्नी कौशल्या देवी, मुखिया बबीता देवी, पंसस जगेश्वर मुर्मू, महेश शर्मा, घनश्याम महतो, बानेश्वर महतो, उप मुखिया पंचानन महतो, पूर्व पंसस रामकिसुन महतो, भीम प्रसाद महतो, जगेश्वर शर्मा, कपिल महतो, सिद्धेश्वर महतो, तपेश्वर महतो, सुधीर महतो, मनोरंजन महतो, अचिन्त्य चक्रवर्ती, बालेश्वर बेदिया, वार्ड सदस्य जितेंद्र किस्कू, मनीषा देवी, ब्रजेश मुर्मू, रणदेव कुमार मुर्मू, राजेश मुर्मू, शंकर महतो, सुजीत महतो, सोमर महतो, सुरेश मुर्मू आदि मौजूद थे.

काशीपुर राजा के वंशज करते हैं मां दुर्गा की पूजा, ढाक बजाकर होती है प्रतिमा की स्थापना

बाबूग्राम में पांच सौ साल पुराना है दुर्गा पूजा का इतिहास

रजत नाथ। बोकारो

चंदनकियारी प्रखंड की नयावन पंचायत के बाबूग्राम में दुर्गा पूजा का इतिहास पांच सौ साल पुराना है. यहां अभी भी काशीपुर पंचकोट स्टेट के राजा के वंशज ही पूजा करते आ रहे हैं. बताया जाता है कि कुंवर लक्ष्मण शेखर बाबू यहां शिकार खेलने के लिए आते थे. यह क्षेत्र घने जंगलों से घिरा हुआ था. शिकार करने के लिए कुंवर बाबु जंगल में ही टेंट बना कर रहने लगे. चूंकि शिकार करना उनका शौक था. इस कारण वे काफी दिनों यहां रह गये और फिर वहीं बस गये. इसके बाद लोगों को बसाने लगे. इसी कारण इस गांव का नाम बाबु ग्राम पड़ गया. उन्होंने ही यहां पर मूर्ति स्थापित कर दुर्गा पूजा की शुरुआत की थी. आज भी यहां राजशाही तरीके से पूजा होती है. कुवर के वंशज ही अभी भी पूजा करते हैं. मंदिर में परंपरा के अनुसार एक ही पटरा में मां दुर्गा, सरस्वती, लक्ष्मी, गणेश, कार्तिक, जया, बिजया, सिंह, महिषासुर का मुर्ति का निर्माण किया गया है. बाटबिनोर के मूर्तिकार दलगोबिंद दास वैष्णव मूर्ति का अंतिम रुप दे रहे हैं. बुधवार की शाम को मां की पूजा अर्चना बांग्ला विधि विधान से विधिवत शुरू हो गया. पूजा शुरू होते ही बाबु ग्राम व आसपास भक्ति मय वातावरण में तब्दील हो जाता है.

यहां आकर्षक है सिंदूर खेलने की प्रथा

दुर्गा पूजा आरंभ होते ही षष्ठी को बेल वृक्ष पर मां दुर्गा की पूजा अर्चना कर ढाक बजाकर मंदिर में प्रतिमा की स्थापना की जाती है. इसके बाद षष्टी से दशमी तक नियमित पूजा अर्चना, संध्या आरती की जायेगी और प्रसाद वितरण किया जायेगा. यहां पर बलि प्रथा है. यहां सिंदूर खेलने की भी प्रथा है. विजयादशमी को मेला लगती है, जिसमें हजारों लोगों की भीड़ जुटती है. गोवर्धन शेखर, सर्वजीत शेखर, अजय शेखर, शैलेन्द्र शेखर ने बताया कि पूर्वजों द्वारा शुरू की गयी. परंपरा के अनुसार पूजा करायी जायेगी. दशमी की रात को मां दुर्गा की मूर्ति का विसर्जन किया जायेगा. पूजा को लेकर पंडित डबल्यू बनर्जी, महावीर मुखर्जी दिवाकर मुखर्जी, महावीर मुखर्जी तथा कुंवरबाबू के वंशज के अलावा ग्रामीण जुटे हुए हैं.

महिलाएं धार्मिक कार्य में बढ़-चढ़ कर भाग लें : सुनीता कुमारी

संवाददाता। डुमरी

बरनवाल सेवा सदन इसरी बाजार में बरनवाल युवा महिला समिति द्वारा आयोजित डांडिया कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि जिप सदस्य सुनीता कुमारी वर्णवाल महिला समिति के प्रदेश अध्यक्ष सुषमा सुमन ने अन्य महिलाओं के साथ दुर्गा चालीसा पाठ कर एवं शस्त्र पूजन कर कार्यक्रम की शुरुआत की. वहीं मौके पर नौ कन्या पूजन की तथा झांकी प्रस्तुत की.

जिप सदस्य सुनीता कुमारी ने कहा कि प्रत्येक महिलाएं अपने घर की सजावट के लिए बड़े-बड़े मॉल जाते हैं और तरह-तरह की समान खरीदते हैं परंतु वह समान सिर्फ शोभा बढ़ाने लायक है, घर की शोभा तभी बढ़ेगी जब मां दुर्गा की हाथों में जो शास्त्र है. वैसी तलवार हर घर में हो, धर्म और राष्ट्र की रक्षा, बहन-बेटियों की रक्षा अपने हक और अधिकारों के लिए सदैव शस्त्र उठाना पड़ता है. वहीं बरनवाल महिला समिति के अध्यक्ष ने कहा कि महिलाएं सामाजिक एवं धार्मिक कार्य में बढ़ चढ़कर अपनी भागीदारी निभाएं तभी हमारा धर्म और समाज सुरक्षित रहेगा.

समिति के जिला अध्यक्ष दीपमाला ने कहा कि हम महिलाएं पहले घर से बाहर नहीं निकलते थे, लेकिन धीरे-धीरे हम सब जागरूक हो रहे हैं और सामाजिक व धार्मिक कार्य में बढ़ चढ़कर अपनी भागीदारी निभा रहे हैं. इस दौरान सचिव अंशु बरनवाल, सह सचिव राखी रानी, कोषाध्यक्ष मीरा बरनवाल, रेखा बरनवाल, निमिषा बरनवाल, मीणा बरनवाल, सुशीला बरनवाल, सविता बरनवाल, नीतू बरनवाल, मीतू बरनवाल, रचना बरनवाल, सिंपल बरनवाल, ममता, मंजू आदि दर्जनों महिलाएं उपस्थित थे.

अभिव्यक्ति का अधिकार

सही मायनों में सुप्रीम कोर्ट ने यह कहकर सत्ताधीशों को आईना ही दिखाया है कि सरकार की रीति-नीतियों व निर्णयों की आलोचना करना पत्रकारों का अधिकार है. निस्संदेह, सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी उन पत्रकारों के लिये राहतकारी है जो राज्यों में विभिन्न राजनीतिक दलों की सरकारों के खिलाफ मुखर होने पर दमन का शिकार बने. कई राज्यों में उनकी गिरफ्तारी भी हुई, मारपीट हुई और गंभीर धाराओं में गिरफ्तारी दिखायी गई. कई पत्रकारों के संदिग्ध परिस्थितियों का शिकार बनने की खबरें भी यदा-कदा आती रहती हैं. निश्चय ही उन निर्भीक पत्रकारों के लिये सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणी सुकून देने वाली है, जो राजनीतिक दुराग्रह का शिकार बने हैं. ये आने वाला वक्त बताएगा कि कोर्ट की टिप्पणी के आलोक में सरकारें अपनी रीति-नीतियों में कितना बदलाव करती हैं. दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी उत्तर प्रदेश में एक पत्रकार के विरुद्ध दर्ज मुकदमे की सुनवाई के दौरान की. शीर्ष अदालत ने इस तरह उन सत्ताधीशों को आईना ही दिखाया जो आलोचना बर्दाश्त न करके मीडियाकर्मियों के खिलाफ आक्रामक हो जाते हैं. देश में आजादी के बाद भी बड़े राजनेता मीडिया द्वारा किसी नीति या फैसले के खिलाफ की गई आलोचना को सहजता से लेते थे. बाकायदा संसद में विपक्षी सांसद अखबार की प्रतियां लहराकर खुली बहस की मांग किया करते थे. यही वजह है कि हालिया टिप्पणी के दौरान शीर्ष अदालत ने अभिव्यक्ति की आजादी से जुड़े संविधान के अनुच्छेद की याद दिलायी. इस तरह कोर्ट ने बेबाकी से सत्ता की निरंकुशता के खिलाफ मुखर रहे पत्रकारों को संबल ही प्रदान किया है. यह विडंबना है कि कई राज्यों में सत्ताधीशों ने तल्ख आलोचना, कार्टून बनाने तथा सोशल मीडिया पर की गई आलोचना को लेकर दुराग्रह दिखाया. इसमें मुकदमे दर्ज करने , गिरफ्तारी और जेल के सीखचों के पीछे डालने के मामले भी सामने आए. राजनेताओं में अब आलोचना के प्रति वह सहिष्णुता नजर नहीं आती, जो समृद्ध लोकतांत्रिक परंपराओं की अपरिहार्य शर्त है.हाल के वर्षों में देखा गया है कि राजनेता किसी आलोचनात्मक टिप्पणी के बाद आक्रामक मुद्रा में आ जाते हैं. यहां तक कि कुछ पत्रकारों पर उन धाराओं में मुकदमे दर्ज किये जाते हैं, जो कि राष्ट्र विरोधी तत्वों के खिलाफ दर्ज होते हैं. हद तो तब हो जाती है जब मुकदमें गैरकानूनी गतिविधियां निवारण अधिनियम के तहत भी दर्ज होते हैं. ऐसे मामलों में पत्रकारों की जमानत कराना भी टेढ़ी खीर बन जाती है. निश्चित तौर पर ऐसे कदम दुराग्रह से प्रेरित होकर ही उठाये जाते हैं. विगत के वर्षों में शीर्ष अदालत व्यापक संदर्भों में कह चुकी है कि सरकार की आलोचना करने को राष्ट्रद्रोह की संज्ञा नहीं दी जा सकती. इसके बावजूद निरंकुश सत्ताधीश अपनी हरकतों से बाज नहीं आते.

> उन निर्भीक पत्रकारों के लिये सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणी सुकून देने वाली है, जो राजनीतिक दुराग्रह का शिकार बने हैं. ये आने वाला वक्त बताएगा कि कोर्ट की टिप्पणी के आलोक में सरकारें अपनी रीति-नीतियों में कितना बदलाव करती हैं.

सुभाषित

शब्दात्मिका सुविमलर्ग्यजुषां निधानमुद्गीथरम्यपदपाठवतां च साम्नाम्।
देवी त्रयी भगवती भवभावनायवार्ता च सर्वजगतां परमार्तिहन्त्री॥

आप शब्दरूपा हैं, अत्यन्त निर्मल ऋग्वेद, यजुर्वेद तथा उद्गीथ के मनोहर पदों के पाठ से युक्त सामवेद का भी आधार आप ही हैं. आप देवी, त्रयी (तीनों वेद) और भगवती (छहों ऐश्वर्योंसे युक्त) हैं. इस विश्वकी उत्पत्ति एवं पालनके लिये आप ही वार्ता (खेती एवं आजीविका) के रूपमें प्रकट हुई हैं . आप सम्पूर्ण जगत् की घोर पीड़ाका नाश करनेवाली हैं.

सामाजिक जीवन में कोहराम के रूबरू

भारत में एक और अनेक का द्वंद्व बहुत पुराना है. दुनिया भर के तर्क-वितर्क के बाद भी एक देववाद या अद्वैतवाद दार्शनिक रूप से सिद्ध और मान्य हो जाने के बाद भी व्यवहार में बहुदेववाद की ही प्रतिष्ठा कायम रही है. भारत की संस्कृति, जीवनयापन शैली, प्रकृति आदि में विविधता का स्वाभाविक विन्यास रहा है. यहां राजनीतिक रूप से अनेकता में एकता की बात तो, बहुत की जाती है.

• देश-काल

प्रफुल्ल कोलख्यान

अभी भारत के राजनीतिक वातावरण में कई तरह की प्रतिध्वनियां सुनाई दे रही हैं. इन प्रतिध्वनियों का संबंध भारत के इतिहास के अनसुलझे सवालों, अनसुनी आवाजों के टकरावों से तो है ही, सुलझाये जा चुके सवालों को वर्तमान में फिर से उलझाने, सम्मानजनक तरीके से समायोजित आवाजों में नई उग्रता भरने से भी कम नहीं है. इन आवाजों से सामाजिक जीवन में भीतरी उथल-पुथल मच रही है. इस उथल-पुथल का कोहराम सतह पर भी जब-न-तब दिख जाता है.

आज खड़ी की जा रही कई समस्याओं की गुत्थियों को खोलने की कोशिश से इन आवाजों में पैदा की गई अतिरिक्त संवेदनशीलता के राजनीतिक मर्म को समझा जा सकता है. कई आवाजों में एक आवाज हिंदू-मुसलमान से संबंधित है, एक आवाज वर्ण-व्यवस्था से संबंधित है, एक आवाज भारत-राज्य के संघात्मक ढांचा से संबंधित है. 'इंडियन नेशन' और 'इंडियन स्टेट' के फर्क को मिटा देने या एक का दूसरे का एवजी बनाने और बताये जाने का दुर्निवार बुरा असर संघात्मक ढांचा पर पड़ना अनिवार्य है. जाहिर है कि भारत सुलझे हुए सवालों के उलझावों के नये षड़यंत्र में फंसकर अपनी ऊर्जा का अधिकांश बर्बाद कर रहा है.

भारत में एक और अनेक का द्वंद्व बहुत पुराना है. दुनिया भर के तर्क-वितर्क के बाद भी एक देववाद या अद्वैतवाद दार्शनिक रूप से सिद्ध और मान्य हो जाने के बाद भी व्यवहार में बहुदेववाद की ही प्रतिष्ठा कायम रही है. भारत की संस्कृति, जीवनयापन शैली, प्रकृति आदि में विविधता का स्वाभाविक विन्यास रहा है. यहां राजनीतिक रूप से अनेकता में एकता की बात तो, बहुत की जाती है. एकता में अनेकता के सम्मान की बात इन दिनों थोड़ी कम ही की जाती है.

मूल बात यह है कि 'एकता' की रक्षा के लिए ही अनेकता में एकता के तत्वों की तलाश की जा सकती है. एकता का मकसद अनेकता को समाप्त करना नहीं हो सकता है; ऐसा मकसद होने की आशंका मात्र से भारत की अनेकता भारत की एकता के विरुद्ध हो सकती है. कहने का आशय यह है कि अनेकता की स्वीकृति एकता की शर्त है. अनेकता को खंडित करने की कोई भी दृष्टि भारत की एक को ही खंडित करने की स्वीकृति की तरफ ले जाती है.

यह ठीक है कि आधुनिक भारत का गठन 'नेशन स्टेट' के रूप में हुआ है, फिर भी 'नेशन' और 'स्टेट' यानी 'राष्ट्र' और 'राज्य' के वास्तविक फर्क को भुलाया नहीं जा सकता है. माना जा सकता है कि राष्ट्र में भी बहुत सारे राजनीतिक तत्व घुल-मिल गये हैं, और राज्य में भी बहुत सारे सांस्कृतिक तत्व घुल-मिल गये हैं. इस घुलने-मिलने से कुछ सकारात्मक तत्व भी हासिल होते हैं, तो कुछ तत्व नकारात्मक भी होते हैं.

घुलने-मिलने के सकारात्मक तत्वों के सक्रिय होने से ही भारत की गंगा-जमुनी संस्कृति की धार फूटती है. यह तब होता है जब घुलने-मिलने की यह प्रक्रिया स्वचालित और स्वाभाविक ढंग से चलती रहती है. इस में किसी भी तरह से राजकीय हस्तक्षेप होने लगे तो सहमिलानी गंगा-जमुनी संस्कृति में संकट के निकट होने का लक्षण दिखने लगता है; कोई लक्षण दिख रहा क्या! नहीं दिख रहा! दिखता है क्या!

समझना जाना चाहिए कि राष्ट्रीय स्वयं-सेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी राष्ट्र और राज्य के तत्वों के घुलने-मिलने की स्वचालित और स्वाभाविक प्रक्रिया में बार-बार राजकीय हस्तक्षेप की कोशिश कर रहे हैं. इस हस्तक्षेप से घुलने-मिलने का नकारात्मक तत्व अधिक सक्रिय हो जा रहा है. राष्ट्रीय स्वयं-सेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी की राजकीय कोशिश से भारत-राज्य में संस्कृति के तत्वों के लिए जगह बनाई जा रही है और भारत-राष्ट्र में राजनीति के तत्वों के लिए जगह बनाई जा रही है.

यह नहीं भूलना चाहिए कि राष्ट्र मूलतः प्रकृति के साहचर्य और सहमेल में बनी नृवंशीय संरचना होता है. इस संरचना में जीवंत और मृत दोनों तत्व होते हैं. राष्ट्र और राज्य के आंतरिक संबंध को समझने में विक्रम-बेताल का रूपक बहुत कारगर हो सकता है. इस रूपक में जीवित-तत्व पर मृत-तत्व लदा हुआ रहता है. न्याय का सवाल मृत-तत्व के पास होता है और जवाब जीवित-तत्व को देना होता है. जीवित-तत्व के जवाब से संतुष्ट होकर मृत-तत्व फिर से नृवंशीय वृक्ष पर. रूपक का इस्तेमाल सिर्फ समझने-समझाने के लिए ही किया जाता है, उसे किसी भी अर्थ में हूबहू और एक ही नहीं माना जा सकता है. इस से समझने में मदद मिलती है, बस इतना ही.

राष्ट्र की आंतरिक शक्ति का मूल स्रोत इतिहास और इतिहास के प्रति लिखित-अलिखित जन-धारणा में होता है. राज्य का संबंध इतिहास से नहीं भविष्य की काल्पनिकताओं और योजनाओं से होता है. जिस प्रकार से इतिहास का मृत-तत्व वर्तमान को बहुत परेशान करता है, उसी तरह से भविष्य की काल्पनिकताओं का निष्फल-तत्व भी बहुत परेशान करता है. परेशानी इतिहास से जुड़ी हो या भविष्य से, उस का निश्चित संबंध किसी-न-किसी प्रकार के भ्रम से जरूर होता है.

इस भ्रम को अधिक घनीभूत करने के लिए इतिहास को भविष्य की तरह से और भविष्य को इतिहास की तरह से पेश किया जाता है. राष्ट्र और राज्य को विक्रम-बेताल के रूपक के माध्यम से थोड़ा-सा ठहरकर ठीक-ठीक समझ लेने के बाद, यह भी माना जा सकता है कि लदे होने के बावजूद विक्रम और बेताल का फर्क बना रहता है. विक्रम को बेताल और बेताल को विक्रम नहीं माना जा सकता है. जाहिर है कि राष्ट्र और राज्य को एक नहीं माना जा सकता है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष | डॉ. मयंक मुरारी

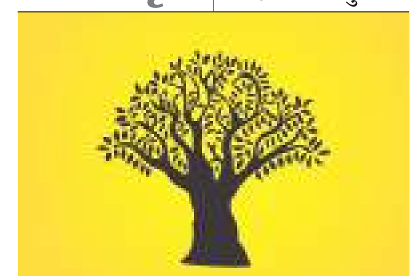

सृजनधर्मा प्रकृति की आराधना

शक्ति की साधना सृजनधर्मा प्रकृति की आराधना है. अस्तित्व में सृजनशील प्रकृति को मातृशक्ति, आद्यशक्ति, भगवती देवी के रूप में उपासना जगत में रस की धारा की खोज है, जो जड़ों से जोड़ती है और समष्टि की सोई चेतना को जागृत करती है. इस कारण भारतीय जीवन में वाग्देवी, पृथ्वी, लक्ष्मी, सरस्वती, दुर्गा, अंबा, भारती, इड़ा जलदेवी, रात्रिदेवी, वनदेवी, अरण्यानी, उषा (सुबह), संध्या (शाम) आदि विभिन्न रूप में प्रकृति को व्यक्त और अव्यक्त करनेवाली देवियां हैं. सृजन करनेवाली पृथ्वी माता है, धन-धान्य देनेवाली लक्ष्मी का रूप ऐश्वर्य का है, विद्या देनेवाली सरस्वती अपने शुद्ध सात्विक रूप में और बल तथा शक्ति देनेवाली काली सदैव करुणा बरसाने वाली और अहंकार का दमन करनेवाली रूप में रहती है. यह दुर्गा अपने विविध रूपों में चामुंडा, काली, वाराही, वैष्णवी, पार्वती होती है. यह नव दुर्गा के रूप में जयंती, मंगला, काली, कपालिनी, दुर्गा, शिवा, क्षमा, धात्री, स्वाहा, स्वधा होती है. वहीं शक्ति कभी दशविद्या के रूप, कभी महाशोडषी के रूप में प्रतिष्ठित होती है. माता का रूप अनंत है. जब वह शिव के साथ कैलाश पर विराजती है, तब वह पर्वत पुत्री पार्वती का रूप धारण करती है. वही जब शिव के साथ समाज निर्माण और व्यवस्था के लिए काशी नगरी में गृहस्थ के रूप में रहती है, तब उन्होंने अन्न की भगवती अन्नपूर्णा का रूप धारण किया. सृष्टिकत्री एवं वनस्पतियों की अधिष्ठात्री के रूप में, उर्वरता के रूप में, जीवन और सृजन तथा प्रगति के रूप में मातृदेवी के प्रति निष्ठा और प्रतिष्ठा सदैव ही भारतीय जनमन का केंद्रीय भाव रहा है. प्रकृति की शक्ति सदैव हमको जगाती है. अस्तित्व की ऊर्जा हर क्षण प्रवाहित हो रही है. लेकिन हमारा अंतर्जगत सुप्तावस्था में रहता है. ऋतु संक्रमण के माध्यम से शक्ति अपनी ऊर्जा को जागरण का कारण बनाती है. अस्तित्व की वह ऊर्जा ही शक्ति का निनाद है. वह निनाद हमारे अंतर्नाद को चोट करता है. वह अवसर प्रदान करता है कि हम जगत के सौंदर्य को पहचाने. अस्तित्व की खिलावट को महसूस करे. जगतजननी की अनुकंपा जब बरसने लगती है, तब हमारे अंदर पात्रता का भाव आता है. देवी पाठ के माध्यम से ध्वनि के द्वारा अपने भीतर हम नाद पैदा करते हैं. इससे हमारी ऊर्जा को विस्तार मिलता है. मार्यकण्डेय पुराण में वर्णित ये सात सौ श्लोक अपने शब्द संयोजन की ध्वनि से हमारे अंदर के तिमिर का नाश कर उसे अक्षत आलोक से उदभाषित करते हैं.

युवाओं के सपनों से खेल रही है बढ़ती बेरोजगारी

• बेरोजगारी

सत्य नारायण

भारत में बेरोज़गारी तेजी से बढ़ रही है. भले ही लोगों का विकास नहीं हो रहा हो, पर बेरोज़गारी में लगातार 'विकास' देखने को मिल रहा है. करोड़ों मज़दूर और पढ़े-लिखे नौजवान, जो शरीर और मन से दुरुस्त हैं और काम करने के लिए तैयार हैं, उन्हें काम के अवसर से वंचित कर दिया गया है और मरने, भीख मांगने या अपराधी बन जाने के लिए सड़कों पर धकेल दिया गया है. आर्थिक संकट के ग़हराने के साथ हर दिन बेरोज़गारों की तादाद में बढ़ोत्तरी होती जा रही है. बहुत बड़ी आबादी ऐसे लोगों की है, जिन्हें बेरोज़गारी के आंकड़ों में गिना ही नहीं जाता लेकिन वास्तव में उनके पास साल में कुछ दिन ही रोज़गार रहता है या फिर कई तरह के छोटे-मोटे काम करके भी वे मुश्किल से जीने लायक कमा पाते हैं. हमारे देश में काम करने वालों की कमी नहीं है, प्राकृतिक संसाधनों की कोई कमी नहीं है, जीवन के हर क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं के विकास और रोज़गार के अवसर पैदा करने की अनन्त सम्भावनाएँ मौजूद हैं, फिर भी आज देश में बेरोज़गारी आसमान छू रही है.

मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के सौ दिन पूरे हो चुके हैं. मोदी सरकार ने बेरोज़गारी के आंकड़े जारी करने पर तो बहुत पहले रोक लगा दी थी और अब सरकार ने रोज़गार के सवाल पर बात करना भी बन्द कर दिया है. इसके बावजूद तमाम कोशिशों के बाद भी सरकार सच्चाई को नहीं छुपा पा रही है. आई.एल.ओ की रिपोर्ट की माने तो हर साल लगभग 70-80 लाख युवा श्रम बल में शामिल होते हैं, लेकिन 2012 और 2019 के बीच, रोज़गार में वृद्धि लगभग न के बराबर हुई – केवल 0.01 प्रतिशत. वहीं, इस रिपोर्ट से यह भी पता चलता है कि 2022 में शहरी युवाओं (17.2 प्रतिशत) के साथ-साथ ग्रामीण युवाओं (10.6 प्रतिशत) के बीच भी बेरोज़गारी दर बहुत अधिक है. शहरी क्षेत्रों में महिला बेरोज़गारी दर 21.6 प्रतिशत के साथ काफ़ी अधिक है. आई.एल.ओ की इस रिपोर्ट से पता चलता है कि मोदी सरकार ने कम वेतन वाले अनौपचारिक क्षेत्र के रोज़गार का प्रतिशत बढ़ा दिया है, जिनमें किसी तरह की सामाजिक सुरक्षा नहीं होती है. 2019-22 तक औपचारिक रोज़गार 10.5 प्रतिशत से घटकर 9.7 प्रतिशत हो गयी. इसके अलावा, भारत की केवल 21 प्रतिशत कार्य शक्ति के पास नियमित वेतन वाली नौकरी है, जो कि कोविड के पहले के समय से 24 प्रतिशत थी.

> आज किसी भी औद्योगिक इलाक़े में जाकर देखें तो कारख़ानों के गेट पर 'हेल्पर/कारीगर चाहिए' की तख़्ती लटकती दिख जायेगी. रोज़ सुबह गेट पर मज़दूरों की भीड़ इकट्ठा होती है जिसमें से ठेकेदार या फोरमैन कम से कम मज़दूरी पर काम कराने के लिए कुछ लोगों को चुनकर बाक़ी को वापस भेज देते हैं.

आज किसी भी औद्योगिक इलाक़े में जाकर देखें तो कारख़ानों के गेट पर 'हेल्पर/कारीगर चाहिए' की तख़्ती लटकती दिख जायेगी. रोज़ सुबह गेट पर मज़दूरों की भीड़ इकट्ठा होती है जिसमें से ठेकेदार या फोरमैन कम से कम मज़दूरी पर काम कराने के लिए कुछ लोगों को चुनकर बाक़ी को वापस भेज देते हैं. शहरों में 'लेबर चौक' पर मज़दूरों की मण्डियां लगती हैं, जिसमें खड़े होने वाले मज़दूरों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है, और काम न मिलने पर निराश वापस जाने वालों की भी तादाद पहले से बहुत ज़्यादा है. बढ़ती बेरोज़गारी का आलम यह है कि इन मज़दूर मण्डियों में अच्छी-खासी डिग्रियां लिये हुए नौजवान भी खड़े मिल जाते हैं. पूंजीपति बेरोज़गार मज़दूरों की मौजूदगी को काम पर लगे हुए मज़दूरों का शोषण-उत्पीड़न बढ़ाने के लिए 'ट्रम्प कार्ड' के रूप में इस्तेमाल करता है. पूंजीपतियों और उनके चमचों के मुंह से ऐसी बातें अक्सर सुनी जा सकती हैं : "सौ मज़दूरों का इन्तज़ाम करने से ज़्यादा मुश्किल है सौ कुत्ते ढूंढ़ना." या, "इतने पर काम नहीं करना है, तो भाग जाओ, बाहर एक के बदले दस खड़े हैं लाइन में." पूंजीपति इतना आक्रामक क्यों है? क्योंकि कारख़ाने के गेट के बाहर हज़ारों-हज़ार बेरोज़गार मज़दूर मौजूद हैं. पूंजीपति कारख़ाने के अन्दर के मज़दूरों को धमकाने और उनकी मज़दूरी कम करने के लिए इन बेरोज़गारों का इस्तेमाल करता है.

पूंजीवादी व्यवस्था के अन्दर लोगों का एक हिस्सा हमेशा बेरोज़गार ही रहता है. बेरोज़गारी की यह स्थिति पूंजीपतियों के लिए फ़ायदेमन्द साबित होती है क्यूंकि जितने ज़्यादा मज़दूर रोज़गार के लिए क़तारों में खड़े होंगे, पूँजीपति उजरतों को तय करने की सौदेबाजी में अपना पक्ष उतना ही मज़बूत करने में सफल होते हैं. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

चुनावी बांड : क्या सच कभी उजागर होगा

• चुनाव

राजेन्द्र शर्मा

देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और उनके सह-आरोपी बनाए गए कर्नाटक के भाजपा के नेताओं तथा ईडी अधिकारियों ने बेशक राहत की सांस ली होगी. कर्नाटक हाई कोर्ट ने उनके खिलाफ चुनावी बांड के नाम पर, अवैध हफ्ता वसूली के आरोपों की जांच पर अपने अंतरिम आदेश के जरिए फिलहाल रोक लगा दी है. आरोपियों में से एक, भाजपा नेता नलिन कुमार कतील की याचिका पर, अंतरिम आदेश में हाईकोर्ट के एकल पीठ ने उन्हें उक्त राहत दी है. याचिका में उस प्राथमिकी को ही चुनौती दी गयी है, जिसमें कतील व अन्य को नामजद किया गया है. याद रहे कि एक गैर-सरकारी संगठन की याचिका पर, एक विशेष अदालत के आदेश पर ही, निर्मला सीतारमण व अन्य के खिलाफ चुनावी बांड के नाम पर अवैध वसूली के आरोपों में कर्नाटक में एफआईआर दर्ज की गयी थी. स्वाभाविक है अगले कदम के रूप में आरोपों के संबंध में जांच शुरू होनी चाहिए थी, जिसे फिलहाल हाई कोर्ट के आदेश ने कम से कम अगली सुनवाई तक के लिए रोक दिया है.

बहरहाल, इस तात्कालिक राहत से सुश्री सीतारमण और उनसे बढ़कर उनकी पार्टी के नेतृत्व के चेहरों पर मुस्कुराहट लौट आएगी, यह मानना मुश्किल है. इसकी वजहें दो हैं. पहली तो यह कि यह राहत फौरी यानी अस्थायी राहत ही है. अदालत से इस तरह की अस्थायी राहत मिलना तो आसान है, लेकिन एक अदालती आदेश के फलस्वरूप दर्ज की गयी एफआईआर को ही निरस्त करने का अदालती फैसला हासिल करना, लगभग नामुकिन है. यानी आरोपों पर जांच का वास्तव में आगे बढ़ना नहीं बढ़ना अपनी जगह, लेकिन इतना तय है कि यह प्रसंग आसानी से ठंडा पड़ने वाला नहीं है और यहीं से भाजपा की परेशानी की दूसरी वजह शुरू होती है. इसका संबंध इस तथ्य से है कि इस पूरे प्रसंग ने, सत्ता के बल पर किए गए एक बड़े घोटाले के रूप में, चुनावी बांड के मुद्दे को फिर से नया कर दिया है.

कहने की जरूरत नहीं है कि सत्ताधारी भाजपा और उसके संघ परिवार ने कितनी मेहनत कर के और कितने संसाधनों को झोंककर, चुनावी बांड के मुद्दे का धीरे-धीरे सार्वजनिक बहस से गायब ही हो जाना सुनिश्चित किया था. जाहिर है कि इसमें सत्ताधारी दल की सबसे ज्यादा मदद तो सर्वोच्च अदालत ने ही की थी, जिसने अपने ऐतिहासिक फैसले में चुनावी बांड की पूरी की पूरी व्यवस्था को असंवैधानिक तथा गैर-कानूनी करार देकर खारिज तो किया था और इसके जरिए क्विड प्रो क्वो यानी चंदा लाओ और लाभ पाओ की व्यवस्था चल रही की संभावना मानी भी थी, लेकिन इसके बावजूद उसने अपने ही फैसले से उजागर हुई आर्थिक गड़बड़ियों की आगे किसी जांच का रास्ता खोलने से इंकार कर दिया.

> केंद्रीय एजेंसियों की छापों समेत विभिन्न कार्रवाइयों और चुनावी बांड के जरिए चंदे के कई अलग-अलग पैटर्नों की भी पहचान की गयी थी. जहां कुछ मामलों में केंद्रीय एजेंसियों के छापे/ कार्रवाई के फौरन बाद, संबंधित कंपनियों द्वारा सत्ताधारी भाजपा को चंदा दिया जाना शुरू कर दिया गया था.

यह इसके बावजूद था कि स्टेट बैंक के चुनावी बांड के जरिए पैसे की यात्रा की पूरी ट्रेल जाहिर करने में असमर्थता जताने के बावजूद, चुनावी बांडों के सिलसिले में, इन बांडों की खरीद तथा राजनीतिक पार्टियों द्वारा उनके प्राप्त किए जाने की जानकारियों को उनके संदर्भ में रखकर, मीडिया में अनेक जानकार विश्लेषकों ने बड़े विस्तार से, सटीक जानकारियों व साक्ष्यों के साथ, गड़बड़ी के बेशुमार मामले उजागर किए थे. इसी क्रम में अवैध चंदा वसूली के लिए, जिसे मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने, जानी-पहचानी 'हफ्ता वसूली' का ही एक रूप बताया था, केंद्रीय एजेंसियों जैसे सीबीआई, ईडी, आयकर आदि के दुरुपयोग के भी कितने ही मामले सामने आए थे. केंद्रीय एजेंसियों की छापों समेत विभिन्न कार्रवाइयों और चुनावी बांड के जरिए चंदे के कई अलग-अलग पैटर्नों की भी पहचान की गयी थी. जहां कुछ मामलों में केंद्रीय एजेंसियों के छापे/ कार्रवाई के फौरन बाद, संबंधित कंपनियों द्वारा सत्ताधारी भाजपा को चंदा दिया जाना शुरू कर दिया गया था, वहीं कुछ और मामलों में पहले से चंदा दे रही कंपनियों ने छापे के बाद, उल्लेखनीय रूप से ज्यादा चंदा देना शुरू कर दिया था. और कुछ और मामलों में बार-बार छापे के जरिए कंपनियों से बार-बार पैसे की वसूली की जा रही थी. बेशक, यह सब उस सामान्य या सद्भावनापूर्ण वातावरण में हो रहे लेन-देन के ऊपर से था, जिसे 'चंदा दो और धंधा लो' कहा जा सकता है. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

मीडिया में अन्यत्र

सीखने की राह : पीएम इंटर्नशिप योजना

बिना किसी शोर-शराबे के, केंद्र सरकार ने एक ऐसे ऑनलाइन पोर्टल की शुरुआत की, जो देश के बेरोजगारों और काफी हद तक बेरोजगार युवक/युवतियों के लिए बजट में की गई प्रमुख घोषणाओं में से एक को लागू करने के एक मंच के रूप में काम करेगा. पीएम इंटर्नशिप योजना, जो रोजगार सृजन को बढ़ावा देने और पांच सालों में 4.1 करोड़ युवाओं को कौशल प्रदान करने के मकसद से डिज़ाइन किए गए एक पांच-योजना वाले पैकेज का हिस्सा है, का संचालन करने वाला यह पोर्टल नौकरी ढूंढने का प्रयास कर रहे युवाओं को कार्यस्थल पर (ऑन-द-जॉब) साल भर के प्रशिक्षण की पेशकश करने की इच्छुक कंपनियों के साथ तालमेल करेगा. सैद्धांतिक रूप में, मुख्य तौर पर केंद्र द्वारा वित्त पोषित यह योजना एक ऐसे विशाल युवा श्रमशक्ति वाले देश के लिए सार्थक है जो युवाओं में बेरोजगारी के चिंताजनक स्तर से भी जूझ रहा है. विद्यार्थियों को प्रदान की जाने वाली शिक्षा और नियोक्ताओं द्वारा वांछित वास्तविक दुनिया के व्यावहारिक कौशल के बीच के अंतर को पाटने के अलावा, नामचीन कंपनियां इंटर्नशिप के अंत में कुछ प्रकार के प्रमाणन की पेशकश कर सकती हैं, जिससे नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों की समीक्षा करने वाले संभावित नियोक्ताओं को सहूलियत मिलेगी. यह पहल उस महत्वपूर्ण सवाल का हल निकाल सकती है जिससे नियोक्ता अक्सर जूझते हैं: "युवाओं को नौकरी तो हासिल हो सकती है, लेकिन क्या वे अपने काम को पूरा कर भी पायेंगे?"एक प्रायोगिक परियोजना (पायलट प्रोजेक्ट) के तहत, 1.25 लाख इंटर्न का पहला बैच 2 दिसंबर को स्वेच्छा से भाग लेने वाली कंपनियों के साथ काम शुरू करेगा. सरकार ने जहां इस योजना का एलान करने से पहले और बाद में उद्योग जगत से जुड़े निकायों से परामर्श किया है, वहीं वह मार्च 2029 तक एक करोड़ इंटर्नशिप बनाने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए इसे आगे बढ़ाने से पहले उचित रूप से सतर्क है. इस प्रायोगिक परियोजना से सीखे गए सबक इस योजना को अंतिम रूप से डिजाइन करने में मददगार साबित होंगे. इससे कंपनियों के साथ आवेदकों को मिलाने की प्रारंभिक प्रक्रिया से जुड़ी कुछ अंतर्दृष्टि तो स्पष्ट होंगी, लेकिन नतीजों की पूरी गुंजाइश का आकलन दिसंबर 2025 के बाद ही किया जा सकेगा, जब प्रशिक्षु नौकरी के बाजार में फिर से दाखिल होंगे. साथ ही, बीच में ही इस योजना से बाहर निकल जाने की (ड्रॉपआउट) दरों और इससे जुड़ी शिकायतों पर बारीकी से निगरानी रखने की जरूरत होगी. **(द हिंदू)**

शब्द चर्चा | डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

मुश्किल/मुस्तकिल

आपने फिल्मी गायक अभिजीत की आवाज में यह गाना तो सुना ही होगा- बड़ी मुश्किल है, खोया मेरा दिल है, कोई उसे ढूंढ के लाओ ना. इसी प्रकार यह गायक कुंदन लाल सहगल की आवाज में अपने जमाने का सुपरहिट यह गाना भी सुना होगा-गम दिये मुस्तकिल, कितना नाजुक है दिल ये न जाना, हाय हाय रे जालिम जमाना है. यहां मेरा उद्देश्य आपको फिल्मी गाना सुनाना नहीं, बल्कि इन दोनों गीतों में प्रयुक्त मुश्किल और मुस्तकिल शब्दों पर गौर कराना है. थोड़े से अंतर के बावजूद दोनों शब्द सुनने में एक जैसे लगते हैं, लेकिन दोनों के मायने-मतलब बिल्कुल अलग-अलग हैं. दोनों शब्द अरबी मूल के हैं. वर्धा हिंदी शब्दकोश और रेख्ता उर्दू हिंदी शब्दकोश के अनुसार मुस्तकिल का मतलब विशेषण के रूप है दृढ़ मजबूत, स्थिर, स्थायी, दृढ़तापूर्वक स्थापित किया हुआ, पद विशेष पर स्थायी रूप से नियुक्त, पक्का. गीत मजरूह सुलतानपुरी का है, जिसका मतलब है कि फिल्म के नायक को जो गम मिला है, उसका पक्का इरादा ही है. हालांकि हिंदी में मुस्तकिल शब्द का चलन कम है, लेकिन मुश्किल का प्रयोग तो खूब होता है. हमें हर समय किसी न किसी मुश्किल का सामना करना पड़ता है और हमें मुश्किल से उबरने का उपाय भी सोचना पड़ता है. संज्ञा स्त्रीलिंग के रूप में इस शब्द का मतलब है कठिनाई, परेशानी, मुसीबत, विपत्ति तो वहीं विशेषण के रूप में कठिन, दुश्कर, जटिल या पेचीदा होता है. अभिजीत ने जिस नायक के लिए यह गाना गाया है, उसके सामने बड़ी मुश्किल यह है कि उसका दिल ही कहीं खो गया है. वह गुहार कर रहा है कि कोई उसका दिल ढूंढ कर ला दे, लेकिन क्या वास्तव में ऐसा होता है? गाने में अतिशयोक्ति अलंकार है. जब किसी बात को असंभव की सीमा तक बढ़ा-चढ़ा कर कहा जाए तो उसे अतिशयोक्ति अलंकार कहते हैं. सवाल तो यह है कि जिस व्यक्ति के शरीर से दिल निकल जायेगा तो वह गुहार लगायेगा या मरघट जाएगा?

फ़ेसबुक सर्फिंग करो गहरे पानी पैठ ....!

• तीर-तुक्का

सुशील यादव

फेसबुक के गहरे पानी में सर्फिंग का शानदार समय चल रहा है. कबाडियों को छोड़, हर किस्म के लोग जुड़ने लगे हैं, उनको अपने कबाड़ जोड़ने के धंधे से फुरसत नहीं. जब भी कोई गंभीर 'पोस्ट' नथ्थू की नजर से गुजरती, वह दौड़ा- दौड़ा तुरंत मेरी 'राय-मशवरा' के फील्ड में आ जाता है. मेरी सहमति –असहमति का उस पर कदाचित अविलंब प्रभाव भी पड़ता है. वह फेसबुक में वैसी प्रतिक्रिया चिपका देता है. एक दिन वह सप्ताह भर का निचोड़ लेकर आ गया. एक लोकल लेखक के प्रति खासा आक्रोश लिए था. मैंने शांत कराते हुए पूछा- क्या बात है नत्थू, वह मुझसे कहने लगा- गुरुजी ये जो लेखक हैं न, अपने आप को टॉप (तोप) समझता है, कहता है फेसबुक पर 'विचार रखना चाहिए ,कविता गोष्ठी में पढ़ने की चीज है'. उनको शिकायत रही कि सुबह-सुबह कवि लोग उनके फेसबुक में कविता ठेले रहते हैं. नत्थू ने कहा ,उतुकतावश हमने उनके साईट को खंगाला, बमुश्किल एक- दो रचनाएँ. वो भी उनके ख़ास परिचित व् स्तरीय लोगों की पाई गई.वे नाहक चिड़चिडाये रहते हैं.या फेसबुक में छाये रहने,टिप्पणी पाने की जुगाड़ में दीखते हैं. हम कहते हैं, अगर पसंद की बात पोस्ट में न दिखे तो जरूरी नहीं डिटेल में पढ़ा जावे? सुपर्फिसियाली पढ के भी टाला जा सकता है. वे लाइक वाला कमेन्ट दे मारते हैं, अगला दूने उत्साह से रचना परोस देता है. भाई तुम ठहरे कामकाजी आदमी, अपुन माफिक निठुल्ले नहीं, जो अखबार माफिक पेज दर पेज, विज्ञापन दर विज्ञापन नाप दो. कवि-लेखक को उत्साहित करने का परिणाम जानना चाहिए कि नहीं? कहीं-कहीं, उत्साहित करने का जबरदस्त खामियाजा भुगतना पड़ता है. यह बात, एक बड़े लेखक को खुद इशारों में समझना चाहिए की नहीं? हां तो! गुरुजी फेसबुक में पुलिसिया थानेदारी के शौक के बारे में आप क्या कहते हैं? कौन सी चीज किस रास्ते से गुजरे ये जरूरी है कि चंद प्रबुद्ध लोग तय करें. लेखकों में ये 'गर्वोक्ति' काफी हाउस से प्रायः निकली होती हैं, टपोरी होटल में हाफ चाय पी कर लिखने वाला कभी इतना क्रुद्ध होते नहीं पाया जाता. आप इस बात से इत्तिफाक रखते हैं या नहीं? नत्थू की हामी भरवाने वाली नजर फिर उठ जाती है. अपनी बात जारी रखते हुए फिर कहता है, फेस बुक सोशल मीडिया, भाव प्रकट करने के लिए एक अच्छा मंच है. आज के विलुप्त होते जा रहे साहित्यिक गतिविधियों को, साहित्यकारों को अगर प्रोत्साहन पाने का छोटा-मोटा अवसर दिखता है, तो उस पर अपनी बपौती काबिज करना भलमनसाहत नहीं है. वे गाली गलौज लिख नहीं रहे, गलत अगर कुछ पोस्ट कर रहे हों तो आप प्रबुद्ध बन कर सुधार सकते हो तो सुधारो, वरना हिन्दुस्तान में सबको 'गोली मारो' कहने की आजादी स्वमेव मिली है. नत्थू ने भर निगाह से मेरी तरफ देखा,एक बारगी मुझे लगा कहीं ये सब मुझे तो नहीं सुना रहा, मगर एकबएक याद आ गया, अरे मैं कहां प्रबुद्ध की श्रेणी में गिना जाने लगा हूं?

नवरात्र विशेष

शुभम संदेश www.lagatar.in
रांची, गुरुवार 10 अक्टूबर, 2024

आस्था के महापर्व शारदीय नवरात्र का आज अंतिम दिन है. इस अवसर पर शक्तिपीठों की चर्चा बहुत पावन है. भारतीय आध्यात्मिक इतिहास में शक्ति पीठों का बहुत महत्व है. भगवती पुराण के अनुसार बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल, पाकिस्तान और भारत में आदि शक्ति मां जगदंबा के 52 शक्तिपीठ हैं. आइए आज प्रमुख नौ शक्तिपीठों के दर्शन कर उनकी महिमा गाएं

51 शक्तिपीठों का वर्णन है पुराणों में.

72 शक्तिपीठों का वर्णन गीता में मिलता है.

108 शक्ति पीठ हैं देवी भागवत में वर्णित

52 शक्तिपीठ का जिक्र तंत्र चूड़ामणि में है.

जय जय हे महिषासुरमर्दिनी शैलसुते...

कालीघाट कोलकाता

यहां सती के दाएं पांव की 4 अंगुलियां (अंगूठा छोड़कर) गिरी थीं. यहां की शक्ति 'कालिका' व भैरव 'नकुलेश' हैं. इस पीठ में मां काली की काले पत्थर को तरास कर तैयार प्रतिमा है. यहां मां काली की जीभ काफी लंबी है जो सोने की बनी हुई है. दांत सोने के हैं. आंखें तथा सिर गेरूआ सिंदूर के रंग से बना है और माथे पर तिलक भी गेरूआ सिंदूर का है.

शंकरी देवी मंदिर श्रीलंका

कहते हैं कि यहां माता सती के शरीर का उरसंधि यानी पेट और जांघ के बीच का हिस्सा गिरा था. कुछ ग्रंथों में यहां सती का कंठ और नूपुर गिरने की बातें लिखी हुई हैं. यहां की शक्ति इन्द्राक्षी तथा भैरव राक्षसेश्वर हैं. मान्यता है कि इसकी स्थापना खुद रावण ने की थी. यहां पर भगवान शिव का मंदिर भी है, जिन्हें त्रिकोणेश्वर या कोणेश्वरम कहा जाता है.

श्री महालक्ष्मी मंदिर कोल्हापुर

श्री महालक्ष्मी मंदिर का निर्माण सातवीं शताब्दी में चालुक्य वंश के राजा कर्णदेव ने करवाया था. मान्यता है कि यहां स्थापित माता लक्ष्मी की प्रतिमा लगभग 7,000 साल पुरानी है. मंदिर के अन्दर नवग्रहों सहित, भगवान सूर्य, महिषासुर मर्दिनी, विट्ठल रखमाई, शिवजी, विष्णु, तुलजा भवानी आदि अनेक देवी देवताओं के भी पूजा स्थल मौजूद हैं.

कामाख्या मंदिर गुवाहाटी

असम के गुवाहाटी के निकट के इस मंदिर का उल्लेख कालिका पुराण में है. मान्यता है कि माता सती के योनि का भाग यहां गिरा था. यहां मां दुर्गा और मां जगदंबा का कोई चित्र और मूर्ति नहीं है. भक्त मंदिर में बने एक कुंड पर फूल अर्पित कर पूजा करते हैं जिसे हमेशा ढककर रखा जाता है. इस कुंड से हमेशा का पानी का रिसाव होता है.

हिंगलाज पाकिस्तान

पाकिस्तान के कराची से करीब 250 किलो मीटर की दूरी स्थित इस मंदिर को हिंगुला माता या नानी का मंदिर भी कहते हैं. हिंगुला माता को जाटों की कुल देवी माना जाता है. नवरात्रि के अवसर पर यहां मेला लगाता है. हिंगलाज माता के भक्तों में पाकिस्तान के मुसलिम समुदाय के लोग भी शामिल हैं. वे इसे नानी का मंदिर और मां दुर्गा को बीबी नानी कहते हैं.

तारा तारिणी ब्रह्मपुर

यह 4 आदि शक्तिपीठ में शामिल है, जिसे 'स्तन पीठ' के नाम से भी जाना जाता है. शिव पुराण, देवी भागवत पुराण, कालिका पुराण, अष्टशक्ति और पीठनिर्णय तंत्र में इसकी चर्चा है. यहां माता सती के दोनों स्तन, ऋषिकुल्या नदी के किनारे स्थित कुमारी पहाड़ी पर गिरे थे. मंदिर में दो जुड़वा देवियों तारा और तारिणी की पूजा होती है.

सुगंधा सुनंदा बांग्लादेश

देवी सुगंधा को एकजटा के नाम से भी जाना जाता. मान्यता है कि सती की नाक यहां गिरी थी और उन्होंने "सुनंदा या देवी तारा या एकजटा और त्र्यंबक" का रूप धारण किया. हर साल शिव रात्रि या शिव चतुर्दशी मेले के दौरान भव्य उत्सव होता है. सुगंधा शक्ति पीठ पत्थर से निर्मित है. हर साल शिव चतुर्दशी पर भव्य आयोजन होता है.

गुह्येश्वरी काठमांडू

बागमती नदी के किनारे स्थित यह शक्तिपीठ मां सती और शिव की एकता का अद्भुत प्रतीक है. यहां पशुपतिनाथ से पूर्व मां गुह्येश्वरी के दर्शन करने की परंपरा है. इस मंदिर में मां की कोई प्रतिमा नहीं है. मंदिर के गर्भगृह में चांदी के कलश से ढंका एक छिद्र है, जिसमें से जल की धारा बहती रहती है. यह तांत्रिक अनुष्ठानों के लिए प्रसिद्ध है.

मनसा देवी उत्तराखंड

इस मंदिर में मां की 2 मूर्तियां स्थापित हैं. एक मूर्ति की पंचभुजाएं और एक मुख है और वहीं दूसरी मूर्ति की 8 भुजाएं हैं. ममता की मूर्ति मां मनसा अपने भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण करती हैं. भक्त अपनी मुराद लेकर एक पेड़ पर धागा बांधते हैं. फिर इच्छा पूर्ण हो जाने के बाद उस धागे को खोलते हैं और फिर मां का आशीर्वाद लेकर चले जाते हैं.

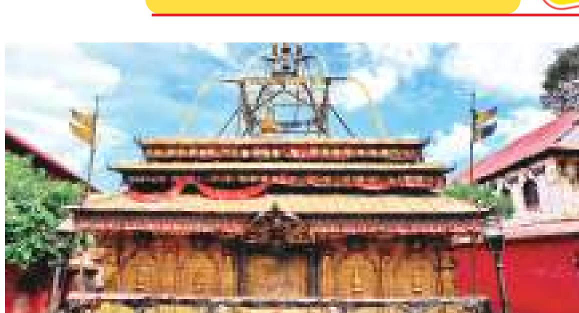

यह है कथा

पौराणिक कथा के अनुसार, दक्ष प्रजापति की पुत्री सती के मृत शरीर को लेकर भगवान शिव पृथ्वी पर तांडव करने लगे. तब भगवान भगवान विष्णु ने शिवजी के क्रोध को शांत करने के लिए सुदर्शन चक्र से सती के मृत शरीर को टुकड़े-टुकड़े कर दिए. इस क्रम में सती के शरीर के अंग और आभूषण जहां-जहां गिरे, वे स्थान शक्तिपीठ का नाम से मशहूर हो गए.

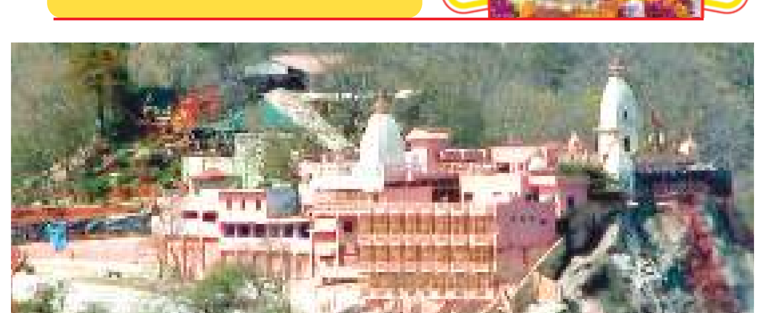

आचार्य अजय मिश्रा

नवमी को मां सिद्धदात्री की आराधना की जाती है. मां के इस स्वरूप की पूजा अर्चना करने से सभी सिद्धियां प्राप्त होती हैं. इसलिए इनकी पूजा सभी देव, ऋषि-मुनि, असुर, किन्नर और गृहस्थ आश्रम वाले करते हैं. आइए, जानते हैं नवरात्रि के नौवें दिन मां सिद्धिदात्री का मंत्र, भोग, पूजा विधि आदि के बारे में जानें-

या देवी सर्वभूतेषु मां सिद्धिदात्री रूपेण संस्थिता

मां सिद्धिदात्री मां लक्ष्मी की तरह कमल पर विराजमान हैं. मां की चार भुजाएं हैं जिनमें दाहिनी तरफ के नीचे वाले हाथ में कमल पुष्प और ऊपर वाले हाथ में शंख सुशोभित है. वहीं बाएं तरफ के नीचे वाले हाथ में गदा और ऊपर वाले हाथ में चक्र सुशोभित है. मां दुर्गा इस रूप में लाल वस्त्र धारण की हैं.

ये हैं माता की 8 सिद्धियां

पौराणिक कथाओं के अनुसार, अणिमा, महिमा, गरिमा, लघिमा, प्राप्ति, प्राकाम्य, ईशित्व और वशित्व ये आठ सिद्धियां हैं. सभी देवी देवताओं, गंदर्भ, ऋषि, असुरों को इनकी पूजा करने से ही सिद्धियां प्राप्त होती हैं.

माता सिद्धिदात्री का भोग

मां सिद्धिदात्री को हलवा, पूड़ी, काले चने, मौसमी फल, खीर और नारियल का भोग लगाया जाता है. माता की पूजा करते समय बैंगनी या जामुनी रंग पहनना शुभ रहता है. नवरात्रि की नवमी तिथि पर कन्या पूजन करने का विधान है.

ऐसे करें पूजा

ब्रह्ममुहूर्त में उठकर ही घर की पूरी साफ सफाई के बाद अन्य दिनों की तरह ही माता की पूजा-अर्चना करें. यह दिन अलग इस रूप में कि इस दिन हवन का खास महत्व है. आज माता की पूजा करने से बाद सभी देवी-देवताओं की भी पूजा करें. हवन करते समय सभी देवी-देवताओं को नाम की आहुति भी एकबार दे दें. हवन के समय दुर्गा सप्तशती के सभी श्लोक के साथ मां दुर्गा की आहुति भी दी जाती है. साथ ही देवी के बीज मंत्र 'ऊँ ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे नमो नमः' का 108 बार जप करते हुए आहुति दें और फिर आरती उतारें.

ये हैं पूजा मंत्र

सिद्धगन्धर्वयक्षाद्यैरसुरैरमरैरपि,
सेव्यमाना सदा भूयात सिद्धिदा सिद्धिदायिनी।
ओम देवी सिद्धिदात्र्यै नमः।
अमल कमल संस्था तद्रजःपुंजवर्णा,
कर कमल धृतेषट् भीत युग्मामबुजा च।
मणिमुकुट विचित्र अलंकृत कल्प जाले;
भवतु भुवन माता संततम सिद्धिदात्री नमो नमः।

मां सिद्धिदात्री बीज मंत्र
ह्रीं क्लीं ऐं सिद्धये नमः।

मां सिद्धिदात्री प्रार्थना मंत्र
सिद्ध गन्धर्व यक्षाद्यैरसुरैरमरैरपि।
सेव्यमाना सदा भूयात् सिद्धिदा सिद्धिदायिनी।

मां सिद्धिदात्री स्तुति मंत्र
या देवी सर्वभूतेषु माँ सिद्धिदात्री रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।

141 साल पहले दुर्गा बाड़ी से शुरू हुई थी पूजा

हिमकर श्याम

रांची में दुर्गापूजा की शुरुआत 141 साल पहले दुर्गा बाड़ी से हुई थी. 1883 में रांची जिला स्कूल के शिक्षक गंगा चरण वेदांत के प्रयास से रांची में पहली बार श्री श्री हरिसभा नाम से दुर्गा पूजा कमिटी का गठन हुआ. आज जहां दुर्गा बाड़ी है, वहां खपरैल मकान था, वहीं प्रथम बार दुर्गा पूजा का आयोजन हुआ था. दुर्गा बाड़ी के सामने मेले का भी आयोजन होता था. मेला पांच दिनों तक चलता था. शहर की आबादी बढ़ने के बाद जगह कम पड़ने लगी और मेला बंद कर दिया गया. दुर्गा बाड़ी में 135 साल पहले जिस आस्था और परंपरा के साथ दुर्गा पूजा की शुरुआत की गयी थी वह बरकरार है. यहां आज भी परंपरागत तरीक़े से पूजा अर्चना और साज-सज्जा की जाती है. दुर्गा बाड़ी की पूजा एक और खासियत यह है कि यहां की प्रतिमाएं एक ही नाप की होती हैं. प्रतिमा का निर्माण पुरुलिया एवं कोलकाता के मूर्तिकार करते हैं. पहली प्रतिमा झालदा के जगन्नाथ लाहिड़ी ने बनायी थी.

यहां बलि देने की भी परम्परा थी, जिसे 1927 के बाद खत्म कर दिया गया. दुर्गा बाड़ी में दशमी को होनेवाला सिंदूर खेला काफी प्रसिद्ध है. मां की पूजा बंगाल से आए पुरोहितों द्वारा सम्पन्न करायी जाती है. प्रतिमा का विसर्जन भी अलग तरीके से किया जाता है. मां की प्रतिमा को कंधे पर रखकर तालाब किनारे ले जाया जाता है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

नेशनल गेम्स में देश भर के एथलीट भाग लेंगे, जिसमें 38 खेलों में प्रतियोगिताएं होंगी

आईओए ने उत्तराखंड में राष्ट्रीय खेलों की संभावित तारीखों की घोषणा की

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने घोषणा की है कि राष्ट्रीय खेलों का 38वां संस्करण 28 जनवरी से 14 फरवरी, 2025 तक उत्तराखंड में आयोजित किया जाएगा (यह आईओए की आम सभा की मंजूरी पर निर्भर है , जो 25 अक्टूबर को निर्धारित है). इन खेलों में देश भर के एथलीट भाग लेंगे, जिसमें 38 खेलों में प्रतियोगिताएं होंगी (आईओए की आम सभा की मंजूरी के अधीन), जिसमें 10,000 से अधिक एथलीट, अधिकारी और कोच के भाग लेने की उम्मीद है. एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि आईओए और उत्तराखंड सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए निकट समन्वय में काम कर रहे हैं कि 38वें राष्ट्रीय खेल एथलीटों, अधिकारियों और दर्शकों के लिए एक असाधारण अनुभव होंगे. आईओए प्रमुख पीटी उषा ने कहा, हम उत्तराखंड में राष्ट्रीय खेलों को लाने के लिए रोमांचित हैं, एक ऐसा राज्य जिसने इस प्रतिष्ठित आयोजन की मेजबानी के लिए उल्लेखनीय उत्साह और प्रतिबद्धता दिखाई है. राष्ट्रीय खेल पूरे देश के एथलीटों को अपनी प्रतिभा दिखाने और अंतरराष्ट्रीय खेल सफलता की ओर अपनी यात्रा जारी रखने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करते हैं. मुझे यह सुनकर खुशी हुई कि उत्तराखंड सरकार राष्ट्रीय शीतकालीन खेलों की मेजबानी करने के लिए उत्सुक है और मैं एक ठोस प्रस्ताव प्राप्त करने के लिए उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रही हूं.

उत्तराखंड का सुरम्य राज्य, जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध संस्कृति के लिए जाना जाता है, पहली बार बहु-विषयक आयोजन की मेजबानी करने की तैयारी कर रहा है. उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने खेलों की मेजबानी की जिम्मेदारी राज्य को सौंपने के लिए आईओए के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, हम विश्व स्तरीय खेल अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं. राष्ट्रीय खेल न केवल खेलों का उत्सव होगा बल्कि उत्तराखंड की समृद्ध संस्कृति और आतिथ्य का प्रदर्शन भी होगा. राज्य सरकार ने आयोजन की सफलता सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाएं शुरू की हैं. इसमें कहा गया है कि आयोजन स्थलों का निर्माण किया जा रहा है और उन्हें अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप उन्नत किया जा रहा है तथा प्रतिभागियों और आगंतुकों के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं.

इंग्लैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने जो रूट

एजेंसी। मुल्तान

इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट बुधवार को मुल्तान क्रिकेट स्टेडियम में पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट के तीसरे दिन एलिस्टेयर कुक को पीछे छोड़कर टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं. जो रूट ने दिन की शुरुआत पाकिस्तान की पहली पारी के 556 रनों के जवाब में 32 रन से की, उन्हें इंग्लैंड के दिग्गज कुक (12472 रन) को पीछे छोड़कर सर्वकालिक टेस्ट सूची में पांचवें स्थान पर पहुंचने के लिए सिर्फ 39 रन की जरूरत थी. चंद गेंदों में उन्होंने यह आंकड़ा पार कर लिया और एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया. उनके नाम अब 12,473 रन हो गए हैं. दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने यह उपलब्धि सिर्फ 147 टेस्ट और 268 पारियों में हासिल की, जबकि कुक ने यह उपलब्धि 161 टेस्ट और 291 पारियों में हासिल की थी. टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने के मामले में रूट से आगे केवल सचिन तेंदुलकर, रिकी पोंटिंग, दक्षिण अफ्रीका के जैक्स कैलिस और राहुल द्रविड़ ही हैं.

जेएससीए का ऐलान : रणजी ट्रॉफी के लिए झारखंड की टीम घोषित

ईशान किशन को मिली कप्तानी

खेल संवाददाता। रांची

झारखंड राज्य क्रिकेट संघ, (जेएससीए) ने 2024-25 के लिए रणजी टीम की घोषणा कर दी है. टीम की कमान ईशान किशन को सौंपी गई है. इससे पहले बुची बाबू टूर्नामेंट में भी ईशान की कप्तानी में टीम खेली थी. बता दें कि रणजी ट्रॉफी के 2024-25 सत्र में झारखंड एलिट ग्रुप डी में असम, रेलवे, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, सौराष्ट्र, दिल्ली और तमिलनाडु के साथ है. प्रतियोगिता की शुरुआत 11 अक्टूबर से हो रही है और झारखंड का पहला मुकाबला असम के साथ है.

सपोर्ट स्टाफ: एसएस राव हेड कोच, रतन कुमार कोच, दीपक कुमार कोच, जॉन लिसानियास डेनियल फिजियो, मानव मुकुंद एस एंड सी कोच आनंद के, उत्तम कुमार मोहंती साइड आर्मर, कुणाल कुमार सिंह वीडियो एनालिस्ट, राज कुमार शर्मा, संतोष कुमार सिंह मैनेजर.

झारखंड टीम

ईशान किशन (कप्तान), विराट सिंह (उपकप्तान), कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), नाज़िम सिद्दीकी, आर्यमन सेन, शरणदीप सिंह, कुमार सूरज, अनुकूल रॉय, उत्कर्ष सिंह, सुप्रियो चक्रवर्ती, सौरभ शेखर, विकास कुमार, विवेकानन्द तिवारी, मनीषी, रवि कुमार यादव, रौनक कुमार

11 अक्टूबर से 2 मार्च तक होंगे रणजी के मैच

नयी दिल्ली। रणजी ट्रॉफी की शुरुआत 11 अक्टूबर 2024 से होने वाली है, जो 2 मार्च 2025 तक चलेगी, जब फाइनल खेला जाएगा. पांच ग्रुप चरण के खेल 13 नवंबर तक खेले जाएंगे और 23 जनवरी को सफेद गेंद टूर्नामेंट के बाद ये खेल फिर से शुरू होंगे. एलीट ग्रुप नॉकआउट 8 फरवरी से शुरू होंगे, जबकि प्लेट ग्रुप के लिए एक अलग नॉकआउट टूर्नामेंट होगा और फाइनलिस्ट अगले सीज़न के एलीट ग्रुप में अपना स्थान बुक करेंगे. सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी रणजी सीजन के राउंड-ब्रेक के बीच 23 नवंबर से 15 दिसंबर तक खेली जाएगी. टी20 टूर्नामेंट के बाद 21 दिसंबर से 18 जनवरी 2025 तक विजय हजारे ट्रॉफी खेली जाएगी.

रणजी ट्रॉफी 2024-25 के ग्रुप क्या हैं? : गत विजेता मुंबई और उपविजेता विदर्भ क्रमशः एलीट ए और बी में हैं, जबकि सेमीफाइनलिस्ट मध्य प्रदेश और तमिलनाडु क्रमशः एलीट सी और डी में होंगे.पिछले सीजन में प्लेट ग्रुप में शीर्ष पर रहने के बाद हैदराबाद मेघालय के साथ एलीट में वापसी करेगा, जबकि गोवा और मणिपुर को प्लेट ग्रुप में वापस भेज दिया गया है. झारखंड को एलीट ग्रुप डी में रखा गया है.

टीमों को समूहों में कैसे विभाजित किया जाता है? : टीमों को पिछले सत्र में उनके प्रदर्शन के आधार पर बनाई गई रैंकिंग (1 से 38) के अनुसार उनके समूहों में विभाजित किया गया है.

रणजी ट्रॉफी 2024-25 सत्र का प्रारूप क्या है?

टूर्नामेंट में 38 टीमों को 5 अलग-अलग ग्रुप में बांटा गया है. 8-8 टीमों के चार ग्रुप एलीट ए से एलीट डी ग्रुप में होंगे जबकि बाकी 6 टीमें प्लेट ग्रुप में खेलेंगी. प्रत्येक टीम अपने ग्रुप में शेष टीमों का सामना करेगी और प्रत्येक ग्रुप के लिए अलग से एक तालिका बनाई जाएगी. प्लेट ग्रुप के नॉकआउट से फाइनलिस्ट को 2025-26 सीजन के लिए एलीट ग्रुप में पदोन्नति मिलेगी, जबकि एलीट ग्रुप की संयुक्त तालिका में अंतिम स्थान पर रहने वाली दो टीमों को अगले सीजन में प्लेट ग्रुप में भेज दिया जाएगा. सभी एलीट समूहों से दो टीमें नॉकआउट अर्थात क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी और उन्हें बाद के चरणों में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा.

वे वरीयता की तरह कार्य करते हैं, उदाहरणः मुंबई और विदर्भ, जो पिछले सीजन के फाइनलिस्ट थे, वे स्वयं को अलग-अलग ग्रुप (ए और बी) में पाते हैं, ठीक उसी तरह जैसे अन्य दो सेमीफाइनलिस्ट सी और डी में हैं, इसलिए वे केवल नॉकआउट में एक-दूसरे का सामना करेंगे.

रणजी ट्रॉफी के यूपी की टीम में भुवनेश्वर कुमार का नाम नहीं

एजेंसी। नयी दिल्ली

रणजी ट्रॉफी के लिए उत्तर प्रदेश ने अपनी स्क्वॉड का ऐलान किया. यूपी की 22 सदस्यीय स्क्वॉड में दिग्गज तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को जगह नहीं मिली. रणजी ट्रॉफी के लिए उत्तर प्रदेश की स्क्वॉड से नजरअंदाज होने के बाद टीम इंडिया में भुवनेश्वर कुमार की वापसी की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है. रणजी ट्रॉफी में उत्तर प्रदेश अपने अभियान का आगाज 11 अक्टूबर को बंगाल के खिलाफ करेगा. पिछले दिनों तकरीबन 6 साल बाद भुवनेश्वर कुमार फर्स्ट क्लास में लौटे, लेकिन अब रणजी ट्रॉफी टीम में जगह नहीं मिली, तो क्या तेज गेंदबाज का करियर खत्म हो गया है? पिछले लंबे वक्त से भारतीय टीम के लिए भुवनेश्वर कुमार टेस्ट फॉर्मेट नहीं खेले हैं. वहीं, अब रणजी ट्रॉफी के लिए घरेलू टीम से बाहर कर दिया गया है. इससे पहले भारत-बांग्लादेश टेस्ट सीरीज के लिए यश दयाल को शामिल किया गया था. इसके बाद लगातार कयास लग रहे हैं कि भुवनेश्वर कुमार के लिए टीम इंडिया में वापसी संभव तकरीबन नामुमकिन है. भुवनेश्वर कुमार के नाम 72 फर्स्ट क्लास मैचों में 231 विकेट दर्ज है. साथ ही वह फर्स्ट क्लास मैचों में 13 बार 5 विकेट लेने का कारनामा कर चुके हैं. इसके अलावा बल्लेबाज के तौर पर 2475 रन दर्ज है. जिसमें 1 शतक के अलावा 14 बार पचास रनों का आंकड़ा पार किया है. भारत के लिए आखिरी बार टेस्ट भुवनेश्वर कुमार तकरीबन 6 साल पहले खेले थे. इसके बाद से वह टेस्ट टीम में जगह बनाने में नाकाम रहे हैं. हालांकि, इससे पहले 2013 से 2018 तक वह लगातार 5 सालों तक भारतीय टीम के लिए खेलते रहे. वहीं, भारत के लिए भुवनेश्वर कुमार आखिरी बार 2022 में खेले थे. अब ऐसा माना जा रहा है कि भारतीय टीम में भुवनेश्वर कुमार की वापसी आसान नहीं है, लेकिन आईपीएल समेत अन्य लिमिटेड ओवर टूर्नामेंट्स में नजर आ सकते हैं.

टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों की रैंकिंग में आठवां स्थान हासिल किया

अर्शदीप टी20 रैंकिंग में टॉप 10 में पहुंचे

एजेंसी। दुबई

तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह बांग्लादेश के खिलाफ पहले मैच में तीन विकेट लेने के बाद आईसीसी टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में शीर्ष 10 में पहुंच गए हैं. ग्वालियर में भारत ने बांग्लादेश पर 49 रनों से जीत हासिल की, जिसमें अर्शदीप और वरुण चक्रवर्ती ने कुल छह विकेट लिए जबकि ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने बल्ले से मुख्य भूमिका निभाई. बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप ने आठ पायदान की बढ़त बनाते हुए टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों की रैंकिंग में आठवां स्थान हासिल किया. यह उनके करियर की नई सर्वोच्च रेटिंग है, जबकि इंग्लैंड के अनुभवी स्पिनर आदिल राशिद जून में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप और पिछले महीने घरेलू मैदान पर ऑस्ट्रेलिया के साथ इंग्लैंड की श्रृंखला के पूरा होने के बाद भी नंबर 1 रैंकिंग पर बने हुए हैं. दूसरी ओर, हार्दिक पांड्या की 16 गेंदों पर पांच चौकों और दो छक्कों की मदद से खेली गई पारी ने उन्हें टी20 ऑलराउंडरों की नई रैंकिंग में चार पायदान ऊपर तीसरे स्थान पर पहुंचा दिया और वह इंग्लैंड के लियाम लिविंगस्टोन (पहले) और नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी (दूसरे) के करीब पहुंच गए. वह बल्लेबाजों की नई टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में सात पायदान आगे बढ़कर 60वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जिसमें ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड शीर्ष पर हैं. अबू धाबी में दक्षिण अफ्रीका और आयरलैंड के बीच तीन मैचों की श्रृंखला के समापन के बाद वनडे खिलाड़ी रैंकिंग में भी कुछ बदलाव हुए हैं.

आईसीसी की रिपोर्ट के अनुसार, प्रोटियाज ने श्रृंखला 2-1 से जीती, लेकिन इस सप्ताह रैंकिंग अपडेट में सबसे अधिक लाभ आयरिश खिलाड़ियों की तिकड़ी को हुआ, जिन्होंने श्रृंखला के अंतिम मैच में 69 रन की जीत के बाद यह उपलब्धि हासिल की. कर्टिस कैंपर ने उस मुकाबले में 34 रन की ठोस पारी खेलने के बाद बल्लेबाजों की नई वनडे रैंकिंग में दो स्थान की छलांग लगाकर 62वें स्थान पर पहुंच गए, जबकि क्रेग यंग (12 स्थान की छलांग लगाकर 44वें स्थान पर) और क्रेग यंग (23 स्थान की छलांग लगाकर 47वें स्थान पर) ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन-तीन विकेट चटकाने के बाद वनडे गेंदबाजों की सूची में जगह बनाई.

14 वर्षीय खिलाड़ी ने वांग को चौंकाया लेकिन चीन पुरुष सेफा में

एजेंसी। अस्ताना

चीन ने मंगलवार को यहां एशियाई टेबल टेनिस चैंपियनशिप में दुनिया के नंबर 1 वांग चुकिन की शुरुआती मैच में चौंकाने वाली हार से उबरते हुए ईरान को 3-1 से हराकर पुरुष टीम सेमीफाइनल में प्रवेश किया. वांग को 14 वर्षीय बेन्यामिन फराजी से 11-8, 3-11, 9-11, 13-11, 11-9 से हार का सामना करना पड़ा, जो विश्व रैंकिंग में उनसे 209 स्थान नीचे हैं. शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार हाल के टूर्नामेंटों में अपने अनुकूल फॉर्म की लहर पर सवार होकर, 19 वर्षीय लिन शिदोंग ने चीन को बराबरी दिलाने में मदद की, वह भी पांच रोमांचक गेमों के माध्यम से, अंततः 13-11, 11-13, 18-16, 5-11, 11-6 से नोशाद अलामियान पर जीत हासिल की. लियांग जिंगकुन ने मोहम्मद मौसवी ताहेर को सीधे गेम में हराया, वांग ने अलामियान पर 3-1 की जीत के साथ सेमीफाइनल में गत चैंपियन का स्थान सुरक्षित किया. चीन गुरुवार को अंतिम-चार चरण के मुकाबले में दक्षिण कोरिया के साथ फाइनल में जगह बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा करेगा, जिसने जापान को 3-1 से हराया. 27वीं एशियाई टेबल टेनिस चैंपियनशिप कजाकिस्तान के अस्ताना में सोमवार से रविवार तक चलेगी, जिसमें कुल सात स्पर्धाएं होंगी, जिनमें पुरुष और महिला टीमें, एकल और युगल स्पर्धाएं और मिश्रित युगल स्पर्धाएं शामिल हैं. कतर के दोहा में 2025 विश्व टेबल टेनिस चैंपियनशिप के लिए एशियाई क्वालीफायर के रूप में, यह विश्व के लिए कुछ योग्यता कोटा भी तैयार करेगा.

टोक्यो ओलंपिक व पेरिस ओलंपिक '24 में स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं ऑलमैन

वैलेरी ऑलमैन बनीं दिल्ली हाफ मैराथन के इंटरनेशनल इवेंट एंबेसडर

एजेंसी। नयी दिल्ली

टोक्यो ओलंपिक और पेरिस ओलंपिक 2024 में स्वर्ण पदक जीतने वाली अमेरिकी डिस्कस थ्रोअर वैलेरी ऑलमैन को 20 अक्टूबर को होने वाली दिल्ली हाफ मैराथन के लिए अंतरराष्ट्रीय इवेंट एंबेसडर नामित किया गया है. पेरिस में 69.50 मीटर की शानदार थ्रो के साथ ऑलमैन ने एक नया अमेरिकी रिकॉर्ड बनाया, जिससे दुनिया भर में शीर्ष डिस्कस थ्रोअर में से एक के रूप में उनकी स्थिति और मजबूत हुई. उनकी ओलंपिक यात्रा टोक्यो 2020 खेलों में स्वर्ण पदक के साथ शुरू हुई, जिसे उन्होंने 68.98 मीटर के शक्तिशाली पहले थ्रो के साथ हासिल किया.

आयोजकों द्वारा जारी एक बयान में ऑलमैन ने कहा, किसी दौड़ प्रतियोगिता का सबसे सुंदर पहलू यह है कि यह हमें एक समुदाय के रूप में एक साथ लाती है और व्यापक हित के लिए इसे अपना बनाती है. स्टार्ट लाइन केवल एक दौड़ नहीं है. यह सौहार्द, दृढ़ संकल्प, लचीलापन और सीमाओं को लांघने और नए व्यक्तिगत मुकाम हासिल करने की हमारी क्षमता का प्रदर्शन है. मुझे खुशी है कि मैं वेदांत दिल्ली हाफ मैराथन के लिए भारत आई हूं और ऐसी चीज का हिस्सा बनी हूं जो भारत के जीवंत रंगों को सामने लाती है. मुझे यह पसंद है. अपनी ओलंपिक जीत के अलावा, ऑलमैन दो बार की विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता भी हैं, जिन्होंने 2023 में रजत और 2022 में कांस्य पदक जीता है. अप्रैल 2022 में ला जोला में ट्राइटन इनविटेशनल में दर्ज 71.46 मीटर का उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो इतिहास में 15वां सबसे लंबा और लगभग तीन दशकों में सबसे लंबा थ्रो है. 260,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि वाली विश्व एथलेटिक्स गोल्ड लेबल रोड रेस, दिल्ली हाफ मैराथन, 20 अक्टूबर को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम से शुरू होगी. गत चैंपियन अभिषेक पाल और कविता यादव भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे.

चैंपियनशिप ऑस्ट्रेलिया के साथ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 22 नवंबर को पर्थ में शुरू होगी

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में कौन करेगा पुजारा की कमी पूरी?

एजेंसी। नयी दिल्ली

फॉर्मेट चाहे कोई भी हो, इन दिनों टीम इंडिया का परचम लहरा रहा है. वनडे विश्व कप उप-विजेता और टी20 चैंपियन भारत अब टेस्ट फॉर्मेट में भी अपनी श्रेष्ठता साबित करने का लक्ष्य बना चुका है. विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब जीतने का इरादा बना चुकी रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम इंडिया को इससे पहले बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ना होगा. पिछले दो दौरे भारत के नाम रहे, जिसकी अहम कड़ी चेतेश्वर पुजारा थे, जो इस बार टीम इंडिया के साथ नहीं होंगे. ऐसे में विराट कोहली, कप्तान रोहित शर्मा और युवा बल्लेबाज शुभमन गिल नहीं, बल्कि एक अन्य युवा खिलाड़ी टीम में मुख्य बल्लेबाज की भूमिका में नजर आ सकता है. शानदार फॉर्म में चल रही भारतीय टीम आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की रेस में अपना अभियान ऑस्ट्रेलिया में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के साथ खत्म करेगी. रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम ऑस्ट्रेलिया रवाना होने से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी. ऑस्ट्रेलिया के साथ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 22 नवंबर को पर्थ में शुरू होगी. भारत के पास ऑस्ट्रेलिया में तीन टेस्ट सीरीज जीतने वाली इस सदी की दूसरी टीम बनने का मौका होगा. भारत ने ऑस्ट्रेलियाई धरती पर पिछला दो टेस्ट सीरीज जीता है और अब वह अपनी जीत की लय को आगे बढ़ाना चाहेगा.

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज ने लिया यशस्वी का नाम

हालांकि, चेतेश्वर पुजारा की गैर हाजिरी में भारतीय टीम के लिए यह इतना आसान नहीं हो सकता. टीम से बाहर चल रहे इस बल्लेबाज ने भारत की दोनों सीरीज जीत में अहम भूमिका निभाई थी. 2018-19 और 2020-21 के दौरों पर पुजारा ने 2186 गेंदों का सामना करते हुए 792 रन बनाए थे. 2018/19 सीरीज में वह सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे. भारत ने ऑस्ट्रेलिया में अपनी पहली टेस्ट सीरीज जीती थी. चार टेस्ट में, दाएं हाथ के बल्लेबाज ने तीन शतक और एक अर्धशतक की मदद से 521 रन बनाए थे. वह उस सीरीज में 350 से ज्यादा रन बनाने वाले एकमात्र बल्लेबाज थे. 2020-21 की उस सीरीज में पुजारा ने फिर से शानदार बल्लेबाजी की. वह सीरीज में चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे. चार टेस्ट में उन्होंने तीन अर्धशतकों की मदद से 271 रन बनाए. फिलहाल, पुजारा टेस्ट टीम का हिस्सा नहीं हैं और उन्हें जल्द ही टीम में चुने जाने की संभावना नहीं है, ऐसे में टीम इंडिया के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चुनौती आसान नहीं होगी. मगर, भारतीय टीम को काफी करीब से जानने वाले पूर्व ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज क्रिकेटर शेन वॉटसन का मानना है कि पुजारा की कमी टीम इंडिया के लिए ज्यादा परेशानी का सबब नहीं होगी, क्योंकि उनके पास एक युवा ऑप्शन है, जिसकी शैली बेशक अलग है, लेकिन हौसला पुजारा जैसा ही है. वॉटसन ने मंगलवार को मुंबई में अंतरराष्ट्रीय मास्टर्स लीग के शुभारंभ के अवसर पर ईएसपीएनक्रिकइन्फो के हवाले से कहा, मुझे नहीं लगता कि भारत की बल्लेबाजी में बहुत बदलाव आएगा.

चोट के कारण भारत के खिलाफ पहले टेस्ट से बाहर हुए विलियमसन

एजेंसी। ऑकलैंड

न्यूजीलैंड को भारत के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज से पहले बड़ा झटका लगा है. कीवी टीम के स्टार बल्लेबाज केन विलियमसन चोट के कारण तीन मैचों की सीरीज के शुरुआती मुकाबले से बाहर हो गए हैं. श्रीलंका दौरे पर विलियमसन की जांघ में चोट लगी थी जो अब तक पूरी तरह ठीक नहीं हो पाई है. न्यूजीलैंड की टीम में विलियमसन की जगह मार्क चैपमैन को शामिल किया गया है. भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरुआत 16 अक्टूबर से बेंगलुरु में होगी. टीम की कमान टॉम लैथम के कंधों पर होगी. श्रीलंका के खिलाफ 0-2 से मिली हार के बाद टिम साउदी ने कप्तानी से इस्तीफा दे दिया था. न्यूजीलैंड क्रिकेट ने एक बयान में बताया, केन विलियमसन कमर में खिंचाव के कारण भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के लिए रवाना होने में समय लगेगा, उनकी जगह मार्क चैपमैन को टीम में शामिल किया गया है. न्यूजीलैंड के चयनकर्ता सैम वेल्स को भरोसा है कि विलियमसन भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज में टीम का हिस्सा जरूर होंगे.

ब्रीफ खबरें

बिहपुर स्वास्थ्य केंद्र में लगी आग, हड़कंप

भागलपुर । बिहपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बुधवार को आग लगने की घटना में लाखों रूपये का दवाई, यंत्र और अन्य कागजात जलकर राख हो गए. राजद नेता गौतम कुमार प्रीतम ने बताया कि फोन पर सूचना मिली की बिहपुर प्रखंड सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आग लग गई है. सूचना प्राप्त होते ही हमलोग बिहपुर सीएचसी पहुंचे. अस्पताल धुआं और राख से भरा हुआ था. उधर घटना की सूचना पर मौके पर पहुंचे दमकल और अन्य अस्पताल कर्मी ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू करने में सफल हो गए.

शराब और बाइक के साथ एक गिरफ्तार

बेतिया । नौतन पुलिस ने बुधवार को थाना इलाके के पुरन्दरपुर चकला गांव से एक धंधेबाज को बाइक व साढ़े छह लीटर विदेशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है. पकड़ा गया धंधेबाज बेतिया मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के नूरा खाप निवासी धनु कुमार बताया गया है. पुलिस ने बताया कि आरोपित बाइक से शराब की खेप लेकर दियरा क्षेत्र से होकर बैरिया थाना क्षेत्र से नौतन के पुरन्दरपुर गांव की तरफ से बेतिया जाने के फिराक में था. सुचना पर उसे बाइक व डिक्की में रखे पैंतीस पीस एट पीएम शराब जब्त किया गया. पूछताछ के बाद कांड अंकित कर धंधेबाज को बुधवार को ही न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया.

शिक्षक के विवादास्पद बयान पर हंगामा

बेगूसराय । जिले के बछवारा प्रखंड स्थित कद्राबाद हरिपुर मवि में शिक्षक जियाउद्दीन ने हनुमान जी और भगवान राम को लेकर विवादित बयान दे दिया. इसे लेकर इलाके में भारी हंगामा मच गया है. दरअसल, शिक्षक ने सातवीं कक्षा के छात्रों को पढ़ाते हुए कहा कि हनुमान जी मुसलमान थे और भगवान राम ने उन्हें नमाज पढ़ने की शिक्षा दी थी. इस विवादास्पद बयान के बाद छात्रों ने यह बात अपने अभिभावकों को बताई, जिससे पूरे इलाके में नाराजगी देखी जा रही है. घटना कद्राबाद हरिपुर मवि की है. अभिभावक इस बयान से आक्रोशित हो गए और विद्यालय में जाकर हंगामा किया.

देश का एकमात्र शक्तिपीठ जहां मिट्टी की नौ पिंडियों की होती है पूजा

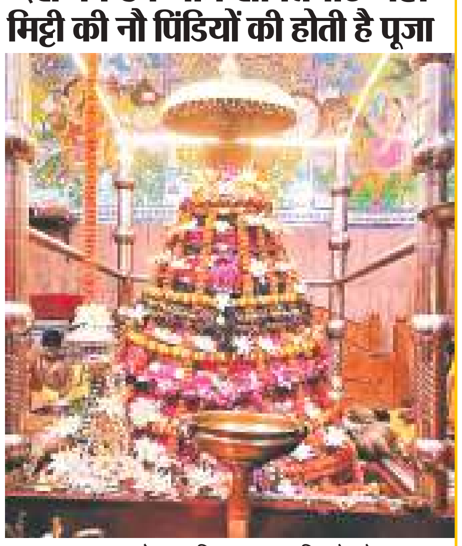

सारण । बुधवार को नवरात्रि का सातवां दिन है और इस दिन देवी दुर्गा के सातवें स्वरुप माता कालरात्रि की पूजा की जाती है. माता कालरात्रि को शुभंकरी, महायोगीश्वरी और महायोगिनी भी कहा जाता है. सारण जिले में दिघवारा प्रखंड अंतर्गत आमी गांव में गंगा नदी तट पर स्थित मां अंबिका भवानी मंदिर में नवरात्रि के दौरान पूजा का खास महत्व है. अतिप्राचीन पौराणिक कथाओं और सारण गजेटीयर के पृष्ठ संख्या- 464 के अनुसार, अंबिका भवानी मंदिर राजा दक्ष प्रजापति के यज्ञ- स्थल पर स्थित है. यहां माता सति के शरीर की भस्मयुक्त अस्थि गिरी थी. यह स्थल शक्ति पीठ अंबिका स्थान आमी के रूप में पूरे देश में प्रसिद्ध हो गया. इसलिए इसे शक्ति पीठ कहा गया. नौ दिनों का यहां विशेष मेला का आयोजन किया जाता है. शारदीय और चैत्र नवरात्र पर यहां विशेष पूजन का प्रावधान है. इसकी वजह से नौ दिनों का यहां विशेष मेला का आयोजन किया जाता है. हालांकि, अष्टमी के दिन विशेष रूप से निशा पूजा होती है, जो श्रद्धालुओं के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र बना रहता है.

2025 में बिहार विधानसभा चुनाव से पहले नीतीश सरकार ने दिया बड़ा गिफ्ट

पंचायती राज विभाग में 15,610 पदों पर होगी भर्ती

संवाददाता । पटना

2025 में बिहार विधानसभा का चुनाव है और उससे पहले नीतीश सरकार ने बड़ा गिफ्ट दे दिया है. बिहार सरकार के पंचायती राज विभाग में 15,610 पदों पर जल्द भर्ती होगी. पंचायती राज विभाग की ओर से बुधवार को यह जानकारी मंत्री केदार गुप्ता ने दी. नियुक्ति से लेकर बहाली तक की प्रक्रिया 2025 के विधानसभा चुनाव से पहले पूरी हो जाएगी. पंचायती राज विभाग के अपर मुख्य सचिव मिहिर कुमार सिंह ने बताया कि नवंबर से आवेदन की तारीख रखी गई है. जल्द आवेदन की तारीख की घोषणा कर दी जाएगी. जेनरल के लिए 500 जबकि आरक्षित लोगों के लिए ढाई सौ रुपये आवेदन शुल्क है. अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन करेंगे. 15,610 पदों में 4351 पद स्थायी नियुक्ति होगी जबकि 11,259 पदों पर संविदा के आधार पर बहाली होगी.

स्थायी नियुक्ति में सबसे अधिक पंचायत सचिव का पद : स्थायी नियुक्ति में सबसे अधिक पंचायत सचिव के लिए 3525 पद है. इसके अलावा लिपिक के लिए 504, चपरासी के लिए पांच, लेखा परीक्षक के लिए 28, जिला परिषद जूनियर इंजीनियर के लिए 104, पंचायती राज अधिकारी के लिए 112, निम्न श्रेणी लिपिक के लिए एक और जिला परिषद निम्न श्रेणी लिपिक के लिए 72 पद रहेंगे. इन सबकी बहाली कर्मचारी चयन आयोग और बिहार लोक सेवा आयोग दोनों से होगी. इसकी प्रक्रिया जल्द शुरू होने वाली है.

संविदा के आधार पर इन पदों के लिए होगी भर्ती : अपर मुख्य सचिव मिहिर कुमार सिंह ने बताया कि सबसे अधिक संविदा पर 11259 पदों के लिए बहाली होगी. इसमें सबसे ज्यादा लेखाकार सह आईटी सहायक के लिए 7070 पद है. इसके अलावा ग्राम कचहरी विधिक मित्र के लिए 2230 पद, ग्राम कचहरी सचिव के लिए 1400, तकनीकी सहायक के लिए 556, सहायक डाटा एंट्री ऑपरेटर के लिए तीन पदों पर बहाली होगी. वेतनमान 19,900 से लेकर 56,400 तक होगा. राज्य में अब तक कुल 2243 पंचायत सरकार भवन बनकर तैयार हो गया. जल्द इसका शुभारंभ होने वाला है. इसको चलाने के लिए पदों का भरा जाना जरूरी है. इसको लेकर बहाली की प्रक्रिया जल्द शुरू होगी और जल्द ही इसको अंतिम रूप भी दिया जाएगा.

दोस्त को लेने गए युवक का मिला शव, हड़कंप

नालंदा । नालंदा में बुधवार की सुबह नालंदा जिले के दीपनगर थानाक्षेत्र में सड़क किनारे एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई. मृतक की पहचान मानपुर थानाक्षेत्र के नौबतपुर लोटन गांव निवासी शैलेश उर्फ मोछू कुमार (18) के रूप में हुई है. युवक का शव तेलिया खंधा और भट्ट बीघा के बीच सड़क के किनारे मिला, जिससे स्थानीय लोगों में खलबली मच गई. मृतक के परिजनों ने बताया कि शैलेश मंगलवार की शाम अपने दोस्त को सूरत से लाने के लिए मिल्की पर गया था. लेकिन वह रात तक घर नहीं लौटा. बुधवार की सुबह परिवार को जानकारी मिली कि उसका शव सड़क किनारे पड़ा हुआ है. परिजनों का कहना है कि यह हादसा है या कुछ और, इसका पता अभी नहीं चल पाया है.

बौद्ध भिक्षुओं की बस को हाइवा ने मारी टक्कर, आठ घायल

नेपाल से पटना होते हुए गया जा रही थी बस, जहानाबाद में हो गयी दुर्घटनाग्रस्त

संवाददाता । पटना

नेपाल से पटना होते हुए गया जा रही बौद्ध भिक्षुओं की गाड़ी बुधवार सुबह जहानाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हो गई. हाइवा की टक्कर से टूरिस्ट बस सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई. इस हादसे में आठ पर्यटक घायल हुए हैं. यह घटना कड़ौना थाना क्षेत्र के सलेमपुर गांव के समीप की है. हादसे के बाद सभी घायलों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया. इस हादसे में तीन बौद्ध भिक्षुओं को गहरी चोट लगी थी, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने पीएमसीएच रेफर कर दिया है. इस मामले में कड़ौना के पुलिस अधिकारी नंद कुमार ने बताया कि हाइवा ने टूरिस्ट बस में टक्कर मारी है.

इससे यह हादसा हुआ है. इस घटना में आठ यात्री घायल हैं जबकि बस में सवार अन्य यात्री सुरक्षित हैं. घटना के संबंध में टूरिस्ट गाइड शिव शंकर ने कहा कि बस में 23 बौद्ध भिक्षु नेपाल से वीजा रिन्यू कराने के बाद बोधगया लौट रहे थे.

गाइड ने कहा कि जहानाबाद के सलेमपुर गांव के समीप एनएच-83 पर एक अनियंत्रित हाइवा ने टक्कर मार दी. इस घटना में आठ लोग घायल हुए हैं जबकि अन्य लोग सुरक्षित हैं. उसने कहा कि बस में वियतनाम, म्यांमार और अमेरिका के रहने वाले टूरिस्ट हैं, जिनका सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है. सदर अस्पताल के चिकित्सक बीके शाही ने बताया कि सड़क हादसे में आठ टूरिस्ट यात्री घायल हुए हैं. इनमें तीन की हालत गंभीर हैं, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद पटना रेफर कर दिया गया है.

मेला देख लौट रहे तीन युवकों पर चाकू से हमला

एक की मौत, दो युवक घायल, भर्ती

संवाददाता । मुजफ्फरपुर

जिले के कटरा थानाक्षेत्र में मेला देखकर लौट रहे तीन युवकों पर बदमाशों ने चाकू से हमला कर दिया. इस हमले में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए. मृतक की पहचान देवगन कटरा थानाक्षेत्र निवासी नीतीश कुमार के रूप में हुई है, जबकि घायल युवकों का नाम धीरज और कुणाल है. गंभीर घायल दोनों युवकों को इलाज के लिए एसकेएमसीएच मेडिकल कॉलेज भेजा गया है, जहां एक की हालत नाजुक बनी हुई है. घायल युवक कुणाल कुमार ने बताया कि वे तीनों मेला देखकर देर रात घर लौट रहे थे. तभी रास्ते में मंदिर के पास तीन-चार लड़के पहले से घात लगाकर खड़े थे. अचानक उन लड़कों ने उन्हें रोका और चाकुओं से हमला शुरू कर दिया. हमले में नीतीश की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बीच-बचाव करने के प्रयास में धीरज और कुणाल भी गंभीर रूप से घायल हो गए. कुणाल का कहना है कि हमलावर अपराधी प्रवृत्ति के थे और पहले से हत्या की योजना बना रहे थे.

पुलिस जांच में जुटी, आरोपी फरार : कटरा थाना के एसएचओ प्रभारी कुमार अभिषेक ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि चाकू के हमले से एक युवक की मौत हो गई है और दो अन्य घायल हैं. पुलिस ने घटनास्थल की जांच शुरू कर दी है और फॉरेंसिक टीम (एफएसएल) की मदद ली जा रही है. प्रारंभिक जांच में पता चला है कि यह हमला आपसी विवाद के कारण हुआ था. मृतक और आरोपी एक ही गांव के रहने वाले हैं और लगभग एक ही उम्र के हैं.

बाजार गई नाबालिग का किया अपहरण

दरभंगा । दरभंगा के कमतौल थाना क्षेत्र में एक नाबालिग बच्ची के अपहरण का मामला सामने आया है, जिसमें पांच लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है. बच्ची की मां द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, 26 सितंबर को उनकी बेटी बाजार के लिए घर से निकली थी और तब से वापस नहीं लौटी. इसके बाद खोजबीन करने पर पता चला कि गांव के सूरज यादव, शिवलाल यादव सहित अन्य लोग उसकी बेटी को जबरन एक चार पहिया वाहन में बैठाकर ले गए हैं. बच्ची की मां ने कमतौल थाना में दर्ज शिकायत में आरोप लगाया कि जब वह सूरज यादव के घर अपनी बेटी के बारे में पूछने गई, तो सूरज के परिवार ने न केवल उन्हें जवाब देने से इनकार किया, बल्कि उनके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी.

बेगूसराय में जमीन विवाद को लेकर खूनी संघर्ष

दोनों पक्ष से 10 लोग घायल, केस दर्ज

संवाददाता । बेगूसराय

जिले के भगवानपुर थानाक्षेत्र के मखवा गांव में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हिंसक संघर्ष हो गया. इसमें 10 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. विवाद पांच कट्ठा जमीन को लेकर था, जिसे लेकर दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर लाठी, डंडे, लोहे की रॉड और धारदार हथियारों से हमला किया. घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया और अफरा-तफरी का माहौल बन गया.

जानकारी के मुताबिक, घटना का मुख्य कारण पांच कट्ठा जमीन को लेकर चला आ रहा पुराना विवाद बताया जा रहा है. पीड़ित पक्ष के बिंदेश्वरी महतो ने बताया कि वे अपने मवेशियों के लिए घास काटने गए थे, तभी दूसरे पक्ष के लोगों ने उन पर लाठी-डंडे और लोहे की रॉड से हमला कर दिया. बिंदेश्वरी महतो का दावा है कि आरोपी पक्ष उन पर अपनी आठ कट्ठे की जमीन में से पांच कट्ठा जमीन लिख देने का दबाव बना रहे थे, लेकिन उनके मना करने पर इस हमले को अंजाम दिया गया.

इस खूनी संघर्ष में बिंदेश्वरी महतो के परिवार के पांच सदस्य बिंदेश्वरी महतो, उनकी पत्नी सुषमा देवी, बेटा कौशल महतो, बहू कंचन देवी और बेटी गंभीर रूप से घायल हो गए. दूसरी ओर, धीरज कुमार, नीरज कुमार, रवि किशन, उत्कर्ष कुमार, हरिनारायण सिंह और सुनीता देवी भी इस संघर्ष में गंभीर रूप से घायल हुए हैं. सभी घायलों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है. पीड़ित बिंदेश्वरी महतो का कहना है कि आरोपियों ने उनकी जमीन पर कब्जा करने के लिए पहले से साजिश रची थी.

कारोबार

अंतरराष्ट्रीय बाजार की तेजी से चांदी चमका

नयी दिल्ली । मिडिल ईस्ट के तनाव के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव की आशंकाओं की वजह से दुनिया भर के निवेशकों ने बुलियन मार्केट में निवेश बढ़ा दिया है, जिसके कारण सोना ऑल टाइम हाई के करीब पहुंच कर कारोबार कर रहा है. सोने के साथ ही चांदी की कीमत में भी जोरदार उछाल दर्ज की गई है. ये चमकीली धातु 97 हजार रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर तक भी पहुंच चुकी है. माना जा रहा है की दिवाली तक इसकी कीमत एक लाख प्रति किलो के स्तर को पार कर सकती है.

कच्चा तेल 78 डॉलर प्रति बैरल के करीब

नयी दिल्ली । इजराइल-ईरान जंग के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव जारी है. ब्रेंट क्रूड 78 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 74 डॉलर प्रति बैरल के करीब है. सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने बुधवार को पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है. इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये, डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है.

हुंडई का आईपीओ 15 अक्टूबर को खुलेगा

मुंबई । दक्षिण कोरिया की प्रमुख वाहन निर्माता कंपनी हुंडई की भारतीय इकाई हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए पूरी तरह से तैयार है. कंपनी का आईपीओ 15 अक्टूबर को खुलेगा. हुंडई ने इसका मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 1865-1960 रुपये प्रति शेयर तय किया है. कंपनी ने बुधवार को जारी एक बयान में कहा कि एचएमआईएल का आईपीओ 15 अक्टूबर को खुलेगा जो 17 अक्टूबर को बंद होगा. कंपनी के मुताबिक एंकर निवेशक 14 अक्टूबर को शेयरों के लिए बोली लगा सकेंगे. कंपनी की योजना इसके जरिए का 27,870 करोड़ रुपये जुटाने की है.

वित्तीय अनुशासन को लेकर आरबीआई गंभीर

दिसंबर में हो सकता है ब्याज दरों में कटौती का फैसला

- सितंबर और अक्टूबर के महंगाई के आंकड़ों पर निर्भर करेगा आरबीआई का फैसला

संवाददाता । नयी दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने उम्मीद के अनुरूप लगातार 10वीं बार नीतिगत ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है. माना जा रहा है कि आरबीआई ब्याज दरों में बदलाव या कमी करने के पहले सितंबर और अक्टूबर के महंगाई के आंकड़ों की भी समीक्षा करेगा. इन दोनों महीनों में भी अगर महंगाई के आंकड़ें अनुकूल रहे, तो दिसंबर के महीने में होने वाली मौद्रिक नीति समिति की बैठक में ब्याज दरों में कटौती करने का फैसला लिया जा सकता है. अमेरिका के केंद्रीय बैंक अमेरिकी फेडरल रिजर्व (यूएस फेड) ने पिछले महीने ही ब्याज दरों में 50 बेसिस पॉइंट्स की कटौती की थी. यूएस फेड ने इस साल ब्याज दरों में और 50 बेसिस पॉइंट्स तक की कटौती करने का भी संकेत दिया है. अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती होने के बाद दुनिया के कई देशों में ब्याज दरों में कटौती की गई या राहत पैकेज का ऐलान किया गया. चीन ने हाल में ही राहत पैकेज का ऐलान किया है. इसी तरह न्यूजीलैंड में कल ही ब्याज दरों में 0.50% की कटौती करके उनको 5.25% से 4.75 प्रतिशत के स्तर पर लाया गया है. न्यूजीलैंड में अगस्त के महीने में भी ब्याज दरों में 0.25% की कटौती की गई थी.

यूएस फेड द्वारा ब्याज दरों में कटौती करने के बाद भारत में भी ब्याज दरों में कटौती होने की चर्चा शुरू हुई थी, लेकिन मिडिल ईस्ट के बढ़ते तनाव और वैश्विक अर्थव्यवस्था में जारी उथल-पुथल की वजह से शुरुआती चर्चा के दौरान ही ब्याज दरों में कटौती होने की संभावना को खारिज कर दिया गया. मौद्रिक नीति समिति की बैठक में भी 5-1 के बहुमत से इस बार ब्याज दरों में कोई बदलाव कर नहीं करने का फैसला लिया गया. इसके पहले अगस्त के महीने में भी आरबीआई ने अपनी मॉनेटरी पॉलिसी में ये स्पष्ट कर दिया था कि ब्याज दरों में कमी का उसका कोई भी फैसला घरेलू अर्थव्यवस्था की स्थिति पर निर्भर करेगा. मार्केट एक्सपर्ट के अनुसार आरबीआई ने पिछले कई महीनों से लगातार खुदरा महंगाई दर को काबू करने पर अपना फोकस केंद्रित रखा है.

बुधवार को मुंबई में ईएलएलई इंडिया ब्यूटी अवार्ड्स 2024 के रेड कार्पेट पर सारा तेंदुलकर.

रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष में लगाया अनुमान

जीडीपी ग्रोथ 7.2 फीसदी रहने का जताया भरोसा

एजेंसी । मुंबई

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने बुधवार को वित्त वर्ष 2024-25 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) ग्रोथ 7.2 फीसदी रहने का अनुमान जताया है. आरबीआई गवर्नर ने 7 अक्टूबर से शुरू तीन दिवसीय मौद्रिक नीति समीति (एमपीसी) की समीक्षा बैठक में लिए गए इस फैसले की जानकारी दी. शक्तिकांत दास ने बैठक के बाद मीडिया को बताया कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में वास्तविक जीडीपी में वृद्धि 6.7 फीसदी हुई है. आरबीआई गवर्नर ने कहा कि घरेलू मांग में सुधार, कच्चे माल की कम लागत और सरकारी नीतियों से विनिर्माण क्षेत्र में आ रही तेजी की वजह से चालू वित्त वर्ष में आर्थिक वृद्धि दर 7.2 फीसदी रहने का अनुमान है. आरबीआई गवर्नर ने कहा कि मौद्रिक नीति समिति ने ब्याज दर को यथावत रखने के पक्ष में 5:1 के बहुमत से फैसला लिया गया है. उन्होंने कहा कि एमपीसी के सदस्यों ने उम्मीद जताई है कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की अर्थव्यवस्था 7.2 फीसदी की दर से बढ़ेगी.

75 हजार के नीचे आया सोने का भाव

एजेंसी । मुंबई

सोने-चांदी की कीमतों में बुधवार को बड़ी गिरावट देखी गयी है. इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट गोल्ड का भाव 892 रुपए गिरकर 74,834 रुपए पर आ गया. इससे पहले इसके दाम 75,726 रुपए प्रति दस ग्राम थे. वहीं, चांदी की कीमत में बुधवार को बड़ी गिरावट है. ये 2,122 रुपए गिरकर 88,290 रुपए प्रति किलो हो गई. सोमवार को चांदी 90,412 रुपए पर थी. इस साल चांदी 29 मई को अपने ऑल टाइम हाई 94,280 रुपए प्रति किलो पर पहुंच चुकी है.

सेंसेक्स 167 अंक की गिरावट के साथ 81,467 पर हुआ बंद

बीएसई स्मॉल कैप में 670 अंक की तेजी रही

मुंबई । सेंसेक्स बुधवार को 167 अंक की गिरावट के साथ 81,467 के स्तर पर बंद हुआ. निफ्टी में भी 31 अंक की गिरावट रही, ये 24,981 के स्तर पर बंद हुआ. वहीं, बीएसई स्मॉल कैप 670 अंक चढ़कर 56,110 के स्तर पर बंद हुआ. सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 17 में तेजी और 13 में गिरावट रही. निफ्टी के 50 शेयरों में से 31 में गिरावट और 19 में तेजी रही. एफएमसीजी और ऑयल एंड गैस को छोड़कर सभी सेक्टर में तेजी रही. गरुड़ कंस्ट्रक्शन एंड इंजीनियरिंग के आईपीओ के लिए बोली लगाने का आज दूसरा दिन गरुड़ कंस्ट्रक्शन एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड के इनिशियल पब्लिक ऑफर यानी आईपीओ के लिए बोली लगाने का आज दूसरा दिन है. पहले दिन यह आईपीओ टोटल 1.96 गुना सब्सक्राइब हुआ. रिटेल कैटेगरी में यह इश्यू 3.52 गुना, क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) में 0.02 गुना और नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) कैटगरी में 1.11 गुना सब्सक्राइब हुआ. इससे पहले कल यानी 8 अक्टूबर को सेंसेक्स 584 अंक की तेजी के साथ 81,634 के स्तर पर बंद हुआ था.

भारत का चाय निर्यात 23.79 फीसदी बढ़ गया

नयी दिल्ली । इस वर्ष जनवरी से जुलाई के बीच देश में चाय के निर्यात में बढ़ोतरी हुई है. इस बारे में जानकारी देते हुए चाय बोर्ड ने कहा कि जनवरी-जुलाई के बीच चाय का निर्यात 144.50 मिलियन किलोग्राम तक पहुंच गया है, जो पिछले साल की समान अवधि से 23.79 प्रतिशत अधिक है. देश ने वर्ष 2023 में इसी अवधि में 116.73 मिलियन किलोग्राम निर्यात किया था. चाय के निर्यात में बीते वर्ष की समान अवधि से इस वर्ष 27.77 मिलियन किलोग्राम की बढ़ोतरी हुई है. हालांकि, 2024 के पहले सात महीनों के दौरान एकल इकाई मूल्य 256.37 रुपये प्रति किलोग्राम रह गया है. बीते वर्ष इसी अवधि में यह 264.96 रुपये प्रति किलोग्राम था. इस बीच, चाय बोर्ड के एक अधिकारी ने बताया कि वाणिज्य मंत्रालय ने चाय उद्योग के विकास और संवर्धन के लिए 664.09 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दे दी है.

खुशखबरी | मीडियाटेक ने किया डाइमेंशन 9400 चिप का अनावरण

यूजर्स को जल्द मिलेंगे लेटेस्ट एआई के अनुभव

एजेंसी । नयी दिल्ली

चिप निर्माता मीडियाटेक ने बुधवार को अपना नया फ्लैगशिप स्मार्टफोन चिपसेट, डाइमेंसिटी 9400 लॉन्च किया है, जो एआई एप्लिकेशंस, बेहतरीन गेमिंग अनुभव, शानदार फोटोग्राफी और अन्य उपयोगों के लिए बनाया गया है.

कंपनी के अनुसार, डाइमेंसिटी 9400 से लैस पहले स्मार्टफोन इस साल की चौथी तिमाही में बाजार में आ जाएंगे. डाइमेंसिटी 9400, मीडियाटेक के फ्लैगशिप मोबाइल चिप्स की चौथी और सबसे नई पीढ़ी है, जो बेहतरीन परफॉर्मेंस के लिए डिजाइन की गई है. इसमें एआरएम के वी9.2 सीपीयू आर्किटेक्चर और एडवांस्ड जीपीयू और एनपीयू का इस्तेमाल किया गया है, जिससे यह सुपर पावर-एफिशिएंट तरीके से उच्च प्रदर्शन प्रदान करता है. मीडियाटेक के अध्यक्ष जो चेन ने बताया कि यह नया चिप मीडियाटेक की एआई में बढ़ती क्षमताओं को और आगे ले जाने का काम करेगा. यह शक्तिशाली एप्लिकेशंस को सपोर्ट करेगा, जो यूजर्स की जरूरतों को पहले से पहचानेंगे और उनकी पसंद के हिसाब से ढलेंगे. इसके अलावा, इसमें ऑन-डिवाइस एलओआरए ट्रेनिंग और वीडियो जेनरेशन जैसे जनरेटिव एआई फीचर्स भी शामिल हैं.

डाइमेंसिटी 9400, मीडियाटेक के पिछले फ्लैगशिप चिपसेट डाइमेंसिटी 9300 की तुलना में 35% तेज सिंगल-कोर परफॉर्मेंस और 28% तेज मल्टी-कोर परफॉर्मेंस देता है. कंपनी के अनुसार, यह चिप टीएसएमसी की दूसरी पीढ़ी की 3एनएम तकनीक पर बना है और यह अपने पिछले वर्शन से 40% ज्यादा पावर-एफिशिएंट है, जिससे यूजर्स की बैटरी लाइफ और बढ़ जाएगी. चेन ने कहा, डाइमेंसिटी 9400 हमारा चौथी पीढ़ी का फ्लैगशिप चिपसेट है, जो हमारे लगातार बढ़ते मार्केट शेयर और बेहतर उपयोगकर्ता अनुभव के लिए डिज़ाइन की गई चिप की परंपरा को आगे बढ़ाता है. यह डाइमेंसिटी 9300 की तुलना में 35% ज्यादा पावर-एफिशिएंट है. यह यूजर्स को नए जनरेटिव एआई एप्लिकेशंस का बेहतर अनुभव देगा. कंपनी ने कहा कि वह डेवलपर्स के साथ मिलकर काम कर रही है, जिससे एआई एजेंट्स, थर्ड-पार्टी एपीके और मॉडल्स के बीच एक इंटरफेस बनाया जा सके, ताकि एआई एजेंट्स और क्लाउड सेवाओं का उपयोग एक साथ हो सके.

पेज एक का शेष

भाजपा की गोगो दीदी के जवाब में...

भाजपा की शिकायत करते हुए मांगी गई अनुमति : पार्टी ने इलेक्शन कमीशन को एक पत्र सौंप कर कहा कि इसके तहत महिलाओं को हर साल 30 हजार रुपए दिए जाएंगे. यह नई योजना है जिसे झामुमो लांच करना चाहती है.कहा गया कि भाजपा द्वारा एक पंजीकरण फॉर्म प्रसारित किया जा रहा है, जिसमें आवेदकों को गोगो दीदी योजना के तहत पंजीकरण के लिए आमंत्रित किया जा रहा है. इस फॉर्म में नाम, पता, मोबाइल नंबर, पंचायत, ब्लॉक, जिले का नाम आदि जैसे विवरण मांगे जा रहे हैं. इस योजना में हर महीने की 11 तारीख को प्रत्येक महिला को 2100 रुपए और प्रति वर्ष 25000 रुपए देने का वादा किया गया है. यह एक चुनावी हथकंडा है, और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 123 के तहत परिभाषित भ्रष्ट आचरण की श्रेणी में आता है. यह 1951 के प्रावधानों के तहत रिश्वत का प्रलोभन है.इसके बाद पत्र में कहा गया है कि यदि भाजपा द्वारा जारी फॉर्म गोगो दीदी योजना आपके दिशा-निर्देश के विरुद्ध नहीं है, तो हमें भी झामुमो. सम्मान योजना लागू करने की अनुमति दी जाए.

खरगे-राहुल से दिल्ली में मिले...

खरगे ने कहा कि प्रदेश के नेता इस पर गहन चर्चा करेंगे. इसके बाद सीट तय होगी. क्योंकि इंडिया एलायंस के दो अन्य सहयोगी दल राजद और माले को भी खुश और संतुष्ट करना है. उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही इंडिया गठबंधन का सीट शेयरिंग की तस्वीर साफ हो जाएगी.

गोगो दीदी को काउंटर करने पर भी हुई बात: बैठक में भाजपा द्वारा झारखंड में गोगो दीदी योजना लाये जाने पर भी चर्चा की गई. इसमें इसका काउंटर करने के उपायों पर भी चर्चा की गई.

न्यूज अपडेट

द.कोरिया से जुड़े मार्ग किए जाएंगे बंद

सोल। उत्तर कोरिया की सेना ने कहा है कि वह बुधवार से दक्षिण कोरिया से जुड़ी सभी सड़कें और रेलमार्ग बंद कर देगा. यह ऐलान ऐसे समय में आया है जब पहले से सोल और प्योंगयांग के बीच तनाव बना हुआ है. उत्तर कोरियाई पीपुल्स आर्मी के जनरल स्टाफ ने कहा कि सबसे पहले 9 अक्टूबर को एक प्रोजेक्ट शुरू किया जाएगा, जिसके तहत दक्षिण कोरिया से जुड़ी सड़कों और रेलमार्गों को पूरी तरह से काट दिया जाएगा और अपनी तरफ के महत्वपूर्ण क्षेत्रों को शक्तिशाली डिफेंस स्ट्रक्चर से मजबूत बनाया जाएगा.

अर्धसैनिक बलों के हमले में 20 की मौत

खार्तूम। पश्चिमी सूडान के एक गांव में अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) के हमले में कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई जबकि तीन अन्य घायल हो गए. गैर-सरकारी सूडानी डॉक्टर्स नेटवर्क के मुताबिक हमला उत्तरी कोर्डोफन राज्य के एक गांव पर हुआ. नेटवर्क ने मंगलवार को कहा कि पीड़ितों में बुजुर्ग और बच्चे भी शामिल हैं. आरएसएफ ने हमले पर कोई टिप्पणी नहीं की. इससे पहले पश्चिमी सूडान के उत्तरी दारफुर राज्य के एल फशेर में विस्थापितों के शिविर पर आरएसएफ ने बड़ा हमला किया.

श्रीलंका के रूस संग व्यापार होंगे सुगम

कोलंबो। श्रीलंकाई कैबिनेट ने रूस के साथ कानूनी रूप से मान्य व्यापार गतिविधियों को पारदर्शी और पूर्वानुमानित सीमा शुल्क प्रक्रियाओं के माध्यम से सुगम बनाने के लिए एक समझौते को मंजूरी दी, सरकार के सूचना विभाग ने यह जानकारी दी. हालांकि 15 नवंबर 2021 को श्रीलंका और रूस के बीच कानूनी रूप से मान्य व्यापार गतिविधियों के लिए सुविधाएं प्रदान करने के लिए एक द्विपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए कैबिनेट की मंजूरी दी गई थी.

नाव हादसे में 11 को बचाया, 21 लापता

अबुजा। नाइजीरिया के दक्षिण-पश्चिमी राज्य लागोस में दो नावों के टकराने से बड़ा हादसा हो गया, जिसमें 11 घायल व्यक्तियों को बचाया गया है और 21 अन्य अभी भी लापता हैं. मंगलवार को लागोस में पुलिस प्रवक्ता बेंजामिन हुंडेयिन ने बताया कि 16 यात्रियों और चालक दल को ले जा रही दो नौकाएं सोमवार रात को अमुवो-ओडोफिन स्थानीय सरकारी क्षेत्र के इमोर शहर में टकराने के बाद लैगून के बीच में पलट गईं. हुंडेयिन के अनुसार, पीड़ितों में ज्यादातर व्यापारी थे. 11 घायल यात्रियों को बचाया गया.

बार अध्यक्ष ने एमएलए को जड़ा थप्पड़

लखीमपुर खीरी। अर्बन कोऑपरेटिव बैंक प्रबंध समिति के चुनाव को लेकर शुरू हुआ विवाद अब मारपीट में तब्दील हो चुका है. इस मारपीट का एक वीडियो भी सामने आया है. इसमें बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अवधेश सिंह ने विधायक योगेश वर्मा को थप्पड़ तक मार दिया. इसके बाद दोनों गुटों के समर्थक आपस में भिड़ गए. पुलिस ने बीच बचाव की कोशिश की. इस बीच बीजेपी की लखीमपुर इकाई के जिलाध्यक्ष सुनील सिंह और योगेश वर्मा की चिट्ठी वायरल हुई. दावा किया जा रहा है कि चिट्ठी में चुनाव स्थगित करने की मांग की गई है.

उप्र कैबिनेट मंत्री की गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश सरकार में मत्स्य मंत्री संजय निषाद की गाड़ी का बुधवार को प्रतापगढ़-रायबरेली बॉर्डर पर एक्सीडेंट हो गया. मंत्री की गाड़ी उनके काफिले के साथ चल रही एक एस्कॉर्ट गाड़ी से टकर गई. हादसे में मंत्री को हल्की चोटें आईं. यह घटना सलवन इलाके में हुई, जहां मंत्री को एक मीटिंग के लिए प्रतापगढ़ जाना था. घटना के बाद, संजय निषाद को तुरंत प्रतापगढ़ मेडिकल कॉलेज लाया गया. अस्पताल में उनके इलाज की प्रक्रिया जारी है. चिकित्सकों का कहना है कि मंत्री खतरे से बाहर हैं.

मलयालम अभिनेता माधवन नहीं रहे

तिरुवनंतपुरम। वरिष्ठ मलयालम फिल्म अभिनेता टी. पी. माधवन का बुधवार को कोल्लम के एक अस्पताल में निधन हो गया, यह जानकारी फिल्म जगत के सूत्रों से मिली. माधवन को डिमेंशिया (भूलने की बीमारी) था और वह सर्जरी के बाद अस्पताल में ठीक हो रहे थे, लेकिन उनकी हालत बिगड़ने पर उन्होंने आखिरी सांस ली. 88 वर्षीय माधवन ने 40 साल की उम्र में पत्रकारिता छोड़कर फिल्म उद्योग में कदम रखा था. उनकी पहली फिल्म 1975 की प्रसिद्ध मलयालम फिल्म 'रागम' थी.

हम बनते हैं, तो देश बनता है : भागवत

नागपुर। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार को नागपुर में 'स्वतंत्रता का स्वराभिषेक' कार्यक्रम में शिरकत की. इस दौरान उन्होंने कहा कि हमको अच्छा बनना है और अपने देश को भी अच्छा बनाना है. हम सबको जागना है और देश को भी जगाना है. स्वयं जागकर अब हमको अपने देश को जगाना है. यह हमारे सामने चुनौतियां हैं और उसी के लिए सभी को शिक्षा हासिल करनी है और देश को आगे लेकर जाना है. जीवन में जीत हार लगी रहती है, परंतु जीत हार का महत्व नहीं रहता है. जीवन को कैसे जिया जाए और किसलिए जिया जाए,

जेएंडके में भाजपा सरकार बनने का दावा

डोडा। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) और कांग्रेस के गठबंधन को स्पष्ट बहुमत मिलने के बावजूद किश्तवाड़ विधानसभा सीट से जीतने वाली भाजपा प्रत्याशी शगुन परिहार ने बुधवार को दावा किया कि केंद्र शासित प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की ही सरकार बनेगी. एनसी-कांग्रेस गठबंधन के खाते में 49 सीटें आई हैं जबकि भाजपा 29 सीटों के साथ दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है. इसमें एक सीट ऐसी भी है जिसे भाजपा ने महज 521 वोटों से जीता है.

जम्मू-कश्मीर में अगले सप्ताह मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह, राष्ट्रपति, पीएम, जेपी नड्डा, अमित शाह व राजनाथ से मिले हरियाणा के मुख्यमंत्री सैनी

जेएंडके में विधानसभा की बैठक आज, लीडर ऑफ हाउस चुने जाएंगे

एजेंसी। जम्मू/श्रीनगर/नयी दिल्ली

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा ने बुधवार को श्रीनगर में फारूक अब्दुल्ला और उमर अब्दुल्ला से मुलाकात की.

जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनाव परिणाम में नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के गठबंधन को बहुमत मिला है. गठबंधन ने 49 सीटों पर कब्जा किया है. वहीं, भाजपा की झोली में 29, पीडीपी के खाते में 3 और अन्य को 9 सीटें मिलीं हैं. चुनाव परिणाम आने के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस में खुशी की लहर है.

केंद्र शासित प्रदेश में अगले मुख्यमंत्री के शपथ कार्यक्रम को लेकर नेशनल कॉन्फ्रेंस के वरिष्ठ नेता शेख बशीर ने बुधवार को कहा कि विधानसभा चुनाव परिणाम आने के बाद पार्टी ने तय किया था कि अपने-अपने क्षेत्रों में बुधवार को जीत का जश्न मनाएंगे. उन्होंने बताया कि गुरुवार को विधानसभा की बैठक होनी है. बैठक में लीडर ऑफ हाउस चुना जाएगा. इसके बाद ही आगे की प्रक्रिया की जाएगी. लीडर ऑफ हाउस चुने जाने के बाद मंत्रियों की सूची राज्यपाल सौंप दी जाएगी. मुख्यमंत्री के शपथ कार्यक्रम के बाद जब सरकार बन जाएगी, तब चुनावी घोषणापत्र को धरातल पर लागू किया जाएगा. उन्होंने बताया कि अगले सप्ताह तक मुख्यमंत्री का शपथ कार्यक्रम होगा. माना जा रहा है कि जम्मू-कश्मीर के अगले मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला होंगे. बता दें कि मंगलवार को नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने कहा था कि इस जनादेश में हमें बहुत सावधानी बरतनी होगी. जम्मू के लोगों को यह नहीं लगना चाहिए कि इस सरकार में उनकी कोई आवाज़ नहीं है. मैं मानता हूं कि अगर राज्य का दर्जा हमें वापस मिलता है, तो सरकार को कोशिश करनी चाहिए कि लेजिस्लेटिव काउंसिल दोबारा कायम हो. इसी बीच, हरियाणा विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत हासिल करने के बाद राज्य के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को राजधानी दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की.

अनुच्छेद 370 हमारे लिए हमेशा मुद्दा रहेगा : उमर

इसी बीच, नेशनल कॉन्फ्रेंस के वरिष्ठ नेता उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को कहा कि हम चुनाव जीत गए हैं, तो इसका मतलब यह नहीं है कि अब अनुच्छेद 370 हमारे लिए कोई मुद्दा नहीं है. यह हमारे लिए कल भी मुद्दा था, आज भी मुद्दा है और आगे भी रहेगा, लेकिन हमें इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि जिन लोगों ने हमसे यह छीना है, हम उनसे इसे वापस पाने की उम्मीद नहीं रख सकते हैं. उन्होंने उम्मीद जताई है कि यह लोकतंत्र है. लोकतंत्र में सरकार आती जाती रहती है, तो हमें पूरी उम्मीद है कि एक दिन जब इनकी सरकार जाएगी और दूसरी सरकार आएगी, तो हम उनके साथ बैठकर इस विषय पर चर्चा करेंगे और इस अनुच्छेद को बहाल करेंगे, लेकिन फिलहाल मौजूदा हुकूमत से इसे लेकर किसी भी प्रकार उम्मीद लगाए बैठना उचित नहीं है.

हरियाणा के परिणाम अप्रत्याशितः राहुल गांधी

नयी दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के लोगों का तहे दिल से शुक्रिया. प्रदेश में इंडिया अलायंस (नेकां- कांग्रेस) की जीत संविधान की जीत है,

लोकतांत्रिक स्वाभिमान की जीत है. हम हरियाणा के अप्रत्याशित नतीजे का विश्लेषण कर रहे हैं. अनेक विधानसभा क्षेत्रों से आ रही शिकायतों से चुनाव आयोग को अवगत कराएंगे. सभी हरियाणा वासियों को उनके समर्थन और हमारे बब्बर शेर कार्यकर्ताओं को उनके अथक परिश्रम के लिए दिल से धन्यवाद. हरियाणा और जम्मू-कश्मीर चुनाव परिणामों क लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को सोशल मीडिया पोस्ट एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की.

मध्य पूर्व संकट : इजराइली कार्रवाइयों के खिलाफ अब एकजुट अरब जगत

हमास-इजराइल संघर्ष में अब इराकी समूह भी कूदा

इजराइल में चाकू से हमला, 6 लोग घायल हमलावर गिरफ्तार

लगातार न्यूज नेटवर्क

मध्य पूर्व संकट लगातार गहराता जा रहा है. हमास-इजराइल संघर्ष में अब इराकी इस्लामिक रेजिस्टेंस नामक शिया मिलिशिया ग्रुप भी कूद गया है. उसने यहूदी राष्ट्र में एक साइट पर ड्रोन अटैक की जिम्मेदारी ली है. वहीं लेबनान और गाजा में इजराइली सैन्य कार्रवाइयों के खिलाफ अरब जगत अब एकजुट होता नजर आ रहा है. इस बीच, इजराइली सेना ने लेबनान में हिजबुल्लाह के कई अंडरग्राउंड कमांड सेंटर पर हवाई हमले किए जिसमें 50 से अधिक आतंकवादी मारे गए. वहीं दमिश्क के घनी आबादी वाले इलाके में मंगलवार रात को इजराइली एयर स्ट्राइक में एक आवासीय इमारत को निशाना बनाया गया. हमले में महिलाओं और बच्चों सहित सात नागरिकों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए. इस बीच बुधवार को इजराइल में चाकू से हमले में 6 लोग घायल हो गए.

इराकी ग्रुप ने मंगलवार को कहा कि इजराइल पर हमला 'फिलिस्तीन और लेबनान के लोगों के समर्थन में किया गया. बयान में कहा गया कि 'दुश्मन के गढ़ों' को निशाना बनान जारी रहेगा. हालांकि टारगेटेड लोकेशन के बारे में और अधिक जानकारी नहीं दी गई और न ही किसी के हताहत की सूचना दी गई. इससे पहले दिन में, ग्रुप ने इजराइल में पांच जगहों पर ड्रोन और 'अल-अरकब अपग्रेडेड क्रूज मिसाइलों' से पांच हमले करने की जिम्मेदारी ली थी. पिछले साल अक्टूबर में गाजा पट्टी में इजराइली हमले शुरू होने के बाद से, इस ग्रुप ने गाजा में फिलिस्तीनियों के प्रति समर्थन जताने के लिए इजराइल और अमेरिकी ठिकानों पर कई हमले किए. ग्रुप ने हाल ही में इजराइल पर अपने हमलों को बढ़ा दिया क्योंकि यहूदी राष्ट्र ने लेबनान में हिजबुल्लाह पर अपने हमलों को तेज कर दिया है. इस बीच बुधवार को उत्तरी इजराइल में चाकू से किए गए हमले में छह लोग घायल हो गए. संदिग्ध हमलावर को गिरफ्तार कर लिया गया है

हिजबुल्लाह के दर्जनों कमांड सेंटर तबाह, एयर स्ट्राइक में 50 से ज्यादा आतंकवादियों की मौत

इस बीच, हिजबुल्लाह के खिलाफ इजराइली मिलिट्री ऑपरेशन लगातार जारी है. इजराइली सेना ने मंगलवार को दावा किया कि उसने लेबनान में हिजबुल्लाह के कई अंडरग्राउंड कमांड सेंटर पर हवाई हमले किए जिसमें 50 से अधिक आतंकवादी मारे गए. इजराइल रक्षा बल (आईडीएफ) के प्रवक्ता डैनियल हगारी ने मंगलवार को एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान कहा कि एयर स्ट्राइक में हिजबुल्लाह के दक्षिणी फ्रंट के दर्जनों भूमिगत कमांड सेंटर को तबाह कर दिया गया. इन सेंटर्स में इजराइल के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व करने वाले कमांडर तैनात थे. आईडीएफ ने कहा कि हिजबुल्लाह के दक्षिणी फ्रंट ने साउथ लेबनान में अंडरग्राउंड इंफ्रास्ट्रक्चर और कमांड सेंटर्स का एक 'व्यापक' नेटवर्क बनाया है. इस नेटवर्क का इस्तेमाल जमीनी लड़ाई के दौरान आईडीएफ सैनिकों पर अटैक करने और इजराइल में लोगों पर हमले करने के लिए किया जाता है. प्रवक्ता ने कहा कि हवाई हमलों में वह पूरा इलाका शामिल था, जहां हिजबुल्लाह का दक्षिणी फ्रंट, राडवान बलों के साथ मिलकर काम करता है. कुल मिलाकर, आईडीएफ ने पिछले 24 घंटों के दौरान दक्षिणी लेबनान में 125 से अधिक जगहों पर हमला किया. इजराइल के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, हिजबुल्लाह ने मंगलवार को सीमा पार 170 से अधिक रॉकेट दागे.

दमिश्क में आवासीय इमारत पर इजराइली हवाई हमले में सात नागरिकों की हुई मौत, 11 घायल

वहीं दमिश्क के घनी आबादी वाले इलाके में मंगलवार रात को इजराइली एयर स्ट्राइक में एक आवासीय इमारत को निशाना बनाया गया. हमले में महिलाओं और बच्चों सहित सात नागरिकों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए. सीरियाई रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई. बयान में कहा गया कि स्थानीय समयानुसार रात करीब 8:15 बजे हुए इस हमले में इजराइल के कब्जे वाले गोलान हाइट्स की दिशा से तीन मिसाइलें दागी गईं. इसमें यह भी कहा गया है कि हमले से आसपास के इलाके को काफी नुकसान पहुंचा. समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, हवाई हमला शेख साद इलाके में एक 14 मंजिला इमारत पर हुआ, जो घनी आबादी वाले माजेह के मध्य में एक रेजिडेंशियल और कमर्शियल हब है. इमारत की तीन मंजिलों पर मिसाइलें आकर गिरीं. ये तीनों फ्लोर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए. यह शेख साद क्षेत्र में सीधे इजराइली हमले का पहला मामला है. सीरियाई विदेश मंत्रालय ने कड़ी निंदा करते हुए हमले को 'क्रूर अपराध' और अंतर्राष्ट्रीय कानून का 'गंभीर उल्लंघन' बताया.

मिस्र, जॉर्डन और कतर ने की गाजा-लेबनान में इजराइली हमलों की निंदा

इस बीच, मिस्र और जॉर्डन ने गाजा और लेबनान में 'इजराइली हमलों' पर तत्काल रोक लगाने और संघर्ष के राजनीतिक समाधान की अपील की. वहीं कतर ने हिजबुल्लाह-इजराइल संघर्ष के बीच लेबनान के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया और इजराइली हमलों की निंदा की. मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलती और जॉर्डन के उप प्रधानमंत्री तथा विदेश एवं प्रवासी मंत्री अयमान सफादी ने मंगलवार को काहिरा में एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यह टिप्पणी की. दोनों मंत्रियों ने बढ़ते क्षेत्रीय, राजनीतिक और सुरक्षा संकटों के समाधान पर चर्चा की. मिस्र और जॉर्डन के अन्य देशों के साथ संपर्कों की समीक्षा की, ताकि क्षेत्र को व्यापक क्षेत्रीय युद्ध में फंसने से रोका जा सके. अब्देलती ने कहा कि चर्चाओं में गाजा में युद्ध विराम तक पहुंचने, गाजा पट्टी और वेस्ट बैंक पर ' 'क्रूर इजराइली हमले" को रोकने के लिए अरब कोशिशों को जारी रखने के महत्व पर जोर दिया गया. जॉर्डन के विदेश मंत्री ने कहा कि जॉर्डन गाजा और लेबनान पर इजराइली 'आक्रामकता' को समाप्त करने के लिए मिस्र के साथ काम करना जारी रखेगा. सफादी ने वेस्ट बैंक में 'उबलते हालात के प्रति चेतावनी देते हुए कहा कि अगर वहां स्थिति विस्फोटक हो जाती है, तो यह और भी खतरनाक रूप ले लेगी. उन्होंने कहा कि देरी के लिए कोई जगह नहीं है और इजराइल को कानून से ऊपर नहीं होना चाहिए. इस बीच कतर की अंतर्राष्ट्रीय सहयोग राज्य मंत्री लोलवा अल-खतर ने बढ़ते हिजबुल्लाह-इजराइल संघर्ष के बीच लेबनान के लिए कतर के समर्थन को व्यक्त किया. उन्होंने इजराइली हमलों की निंदा करने में अरबों के बीच एकता का आश्वासन दिया. अल-खतर ने प्रधानमंत्री नजीब मिकाती से मुलाकात की. खतर ने कहा कि कतर 1.2 मिलियन से अधिक विस्थापित लेबनानी मानवीय संकट को नियंत्रित करने के लिए मध्यम और दीर्घकालिक योजनाओं पर काम कर रहा है.

अभ्यास को भारत में जुटीं अमेरिकी ऑस्ट्रेलियाई और जापानी नौसेनाएं

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारतीय नौसैनिक जहाज 'सतपुड़ा' पर बुधवार को बहुराष्ट्रीय समुद्री अभ्यास 'मालाबार 2024' का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया. भारतीय नौसेना के मुताबिक यह अभ्यास हार्बर और समुद्र दोनों स्तर पर दो अलग-अलग चरणों में आयोजित किया जा रहा है. इसमें लाइव हथियार फायरिंग, जटिल सतह, हवा-रोधी और पनडुब्बी-रोधी युद्ध सैनिक अभ्यास के साथ-साथ संयुक्त युद्धाभ्यास देखा जाएगा. यह अभ्यास विशाखापत्तनम में पूर्वी नौसेना कमान के तत्वावधान में हो रहा है. इस महत्वपूर्ण नौसैनिक समुद्री अभ्यास में भारत के साथ अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों की नौसेनाएं शामिल हैं. नौसेना ने बुधवार को जानकारी देते हुए बताया कि हाई-टेम्पो कार्यक्रम में लंबी दूरी के समुद्री गश्ती विमान, जेट विमान, अभिन्न हेलीकॉप्टर और पनडुब्बी संपत्तियों के साथ-साथ विध्वंसक, फ्रिगेट, कार्वेट और बेड़े समर्थित जहाजों की भागीदारी देखी जाएगी. यह अभ्यास, साझा उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण तालमेल स्थापित करने में विशेष रूप से मददगार होगा. यह अभ्यास, संयुक्त रूप से प्रशिक्षण और संचालन करने की क्षमता को और बढ़ाने के लिए समान विचारधारा वाले देशों को एक साथ लाता है.

अमेरिका के फ्लोरिडा में सदी का सबसे बड़ा तूफान, लाखों लोगों को निकलने को कहा

न्यूयॉर्क। । अमेरिका के फ्लोरिडा में मिल्टन तूफान को लेकर चेतावनी जारी की गई है. मिल्टन बुधवार की रात को टैम्पा बे में दस्तक दे सकता है. यूएस नेशनल हरिकेन सेंटर के अनुसार मिल्टन तूफान टैम्पा बे के दक्षिण पश्चिम से करीब 485 किलोमीटर दूर है. इसको देखते हुए अधिकारियों ने लोगों को निकलने की चेतावनी दी है. यूएस नेशनल हरिकेन सेंटर ने मिल्टन तूफान को कैटेगरी-5 में रखा है. हरिकेन सेंटर ने बताया कि मिल्टन की गति 270 किलोमीटर प्रति घंटे है. वहीं टैम्पापुलिस ने कहा कि ये सदी का सबसे बड़ा तूफान है. अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि क्षेत्र खाली करने का समय आ गया है. मिल्टन तूफान से प्रभावित होने वाले लोग अधिकारिक निर्देश का पालन करें.

बड़ी दुर्घटना टली, ग्वालियर में ट्रेन पलटने की साजिश हुई नाकाम, जांच में जुटी पुलिस

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में ट्रेन पलटने की साजिश रचने का मामला सामने आया है. यहां कुछ अज्ञात लोगों द्वारा लोहे की एक रॉड को रेलवे ट्रैक पर रख कर ट्रेन को डिरेल की कोशिश की गई. लेकिन, ट्रैक पर आ रही मालगाड़ी के ड्राइवर की सतर्कता से हादसा टल गया. सूचना मिलने पर जीआरपी और आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंची ट्रैक से रॉड को हटा कर ट्रैक क्लियर किया. अगर समय रहते इस रॉड को नहीं हटाया जाता, तो बड़ा हादसा हो सकता था. फिलहाल जीआरपी पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है. दरअसल, ग्वालियर जीआरपी पुलिस को मालगाड़ी के ड्राइवर ने सूचना दी थी कि बिरला नगर रेलवे स्टेशन पर एक लोहे की रॉड पड़ी हुई है.

जापान में आम चुनाव को मंच तैयार पीएम ने निचले सदन को किया भंग

एजेंसी। टोक्यो

जापान में आम चुनाव के लिए मंच तैयार हो गया है. प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने संसद के निचले सदन को भंग कर दिया है. पीएम का लक्ष्य अपनी पार्टी के लिए बहुमत हासिल करना है. हालांकि उनके सामने चुनौतियां भी कम नहीं है. मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, आम चुनाव 27 अक्टूबर को होंगे जिसके लिए प्रचार अभियान 15 अक्टूबर से शुरू हो जाएगा.

इशिबा ने 27 सितंबर को सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) के अध्यक्ष पद का चुनाव जीता था. 1 अक्टूबर को वह एलडीपी के नेतृत्व वाले गठबंधन द्वारा नियंत्रित संसद में प्रधानमंत्री चुने गए. 2023 के अंत में एलडीपी के राजनीतिक फंड घोटाले के सामने आने के बाद यह पहला आम चुनाव होगा. पिछले सप्ताह संसद में अपनी पहली पॉलिसी स्पीच में इशिबा ने कहा था कि कई घोटालों के बाद राजनीति में जनता का भरोसा बहाल करने के लिए काम करना होगा. जनता के आक्रोश को देखते हुए एलडीपी ने बुधवार को राजनीतिक निधि घोटाले में फंसे 12 सांसदों को आगामी चुनाव में आधिकारिक उम्मीदवार के रूप में समर्थन नहीं देने का निर्णय लिया.

इंडिया अलायंस में बिखराव : उद्धव का तंज और केजरीवाल की नसीहत, आम आदमी पार्टी ने कहा- वह दिल्ली में विधानसभा चुनाव अपने दम पर लड़ेगी

कांग्रेस को जीती पारी हारना आता है, साथी ही कसने लगे तंज, उप्र में अखिलेश का झटका

लगातार न्यूज नेटवर्क

हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद इंडिया ब्लॉक के सहयोगी अब खुल कर कांग्रेस के विरोध में आ गए हैं. सहयोगी दल तंज कसने लगे हैं कि कांग्रेस को जीती पारी हारना आता है. इंडिया ब्लॉक के दलों ने कांग्रेस को आत्ममंथन तक की सलाह दे डाली है. तो वहीं कांग्रेस को अगले ही दिन दो बड़े झटके भी लगे. पहले तो आम आदमी पार्टी ने साफ कर दिया कि वो दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनाव में अपने दम पर चुनाव लड़ेगी और किसी से गठबंधन नहीं करेंगे. वहीं, सपा ने भी यूपी उपचुनाव को लेकर उन सीटों पर भी अपने उम्मीदवारों के

नाम का ऐलान कर दिया जिसपर कांग्रेस दावा कर रही थी. आप की प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा,हम दिल्ली चुनाव अकेले लड़ेंगे. एक तरफ ओवर कॉन्फिडेंट कांग्रेस है, तो दूसरी तरफ अहंकारी भाजपा है. हमने पिछले 10 सालों में दिल्ली में जो किया है, उसके आधार पर हम चुनाव लड़ेंगे.

उधर, हरियाणा के नतीजे आने के अगले ही दिन समाजवादी पार्टी ने भी उपचुनाव को लेकर अपने उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया है. समाजवादी पार्टी ने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी की. इस लिस्ट में 6 उम्मीदवारों के नाम हैं. लिस्ट के मुताबिक, अखिलेश यादव की करहल सीट से तेज प्रताप यादव को टिकट मिला है. तेज प्रताप अखिलेश के चचेरे भाई हैं. वहीं, अयोध्या के मिल्कीपुर से अजीत प्रसाद को उम्मीदवार बनाया गया है. अजीत सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे हैं. इसके अलावा कानपुर की सीसामऊ से नसीम सोलंकी को सपा ने उम्मीदवार बनाया है. जबकि, प्रयागराज के फूलपुर से मुस्तफा सिद्दीकी को टिकट दिया गया है. मिर्जापुर के मझंवा से डॉ. ज्योति बिंद को और अम्बेडकर नगर की कटेहरी से शोभावती वर्मा को टिकट मिला है. सपा ने छह में से चार सीटों पर पिछड़े और दलित उम्मीदवार उतारे हैं, जबकि दो मुस्लिम चेहरे हैं. ये घोषणा इसलिए कांग्रेस को झटका है क्योंकि कांग्रेस और सपा में सीट समझौते को लेकर बातचीत चल रही थी.

शिवसेना का कांग्रेस पर निशाना

शिवसेना ने सामना में लिखा कि हरियाणा की हार से महाराष्ट्र कांग्रेस को भी सीख लेने की जरूरत है. शिवसेना ने कहा कि कांग्रेस ने हरियाणा में आप या अन्य दलों से गठबंधन नहीं किया, जिसके चलते उसे हार का सामना करना पड़ा. जबकि जम्मू-कश्मीर में गठबंधन का फायदा दिखा. शिवसेना ने बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस को पता है कि जीत को हार में कैसे बदलना है. हरियाणा की हार कांग्रेस के ओवर कॉन्फिडेंस और राज्य नेतृत्व के अहंकार का नतीजा है.

सीपीआई के सवाल

सीपीआई नेता डी राजा ने कहा, इंडिया गठबंधन ने एकसाथ चुनाव नहीं लड़ा, जिसका बीजेपी को फायदा हुआ. इंडिया दलों को सोचने की जरूरत है कि ऐसा क्यों हुआ. अगर साथ रहते तो बीजेपी की सरकार नहीं बनती. कांग्रेस को गंभीरता से विचार की जरूरत है.

टीएमसी ने भी कांग्रेस को कोसा

टीएमसी सांसद साकेत गोखले ने कांग्रेस का नाम लिए बिना आलोचना करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा कि यह रवैया चुनाव में हार का कारण बना कि अगर हमें लगता है कि हम जीत रहे हैं तो हम किसी क्षेत्रीय पार्टी के साथ गठबंधन नहीं करेंगे, लेकिन जिन राज्यों में हम पिछड़ रहे हैं, वहां क्षेत्रीय पार्टियों को हमें जगह देनी चाहिए. गोखले ने लिखा कि अहंकार और क्षेत्रीय दलों को नीची निगाह से देखना आपदा का कारण बनता है.

हरियाणा में भाजपा हुई 50 पार

नयी दिल्ली। हरियाणा विस चुनाव में भाजपा ने एक बार फिर लट्ठ गाड़ दी है. हरियाणा में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने जा रही भाजपा को इस बार 48 सीटों पर जीत मिली, जबकि कांग्रेस को 37 सीटों से ही संतोष करना पड़ा. अब नतीजों के बाद तीनों निर्दलीय विधायक- देवेंद्र कादयान, राजेश जून और सावित्री जिंदल ने भाजपा को समर्थन देने का ऐलान किया है. इस तरह हरियाणा में भाजपा की ताकत 51 की हो गई है.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा राजकमल प्लाजा, रूम नंबर 102 जयप्रकाश नगर, डीनोवली स्कूल रोड बरटांड़, धनबाद-826001 झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **दीपक कुमार अम्बष्ठ***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)